॥ अथअजीर्णरोगनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अजीरणरोगवषानहों अरुजोअग्निप्रकाश प्रथमनिदानसुनायकरकहोंचिकित्सातास

॥ अथअग्निकृतनिदानवरनणं ॥

॥ चौपई ॥ उदरमध्यअग्नीजोरहै सोऊचारप्रकारकीअहै मंदअग्निजोएककहावै तीक्षणअग्निदूस रीगावै विष्मअग्नितीसरिपहिचान समाजिहनामचतुर्थीभान तिन्हकोक्रमअैसेंलषलीजै कफतैंमंदअ ग्निसुकहीजै पिततैंतीक्षणअग्निलषावै वातहुतैंविष्माग्निकहावै समत्रिदोषतैंसमकोंजान चारप्रकारयों कीनवषान मंदअग्निकफरोगवधावै तीक्षणपित्तरोगअधिकावै विष्मवातरोगहिंप्रगटावत समसमरो- गकैयोंगावत मंदअग्निहोवतहैजाहि भोजनस्वल्पपचैनहिताहि विष्मअग्निजाकेतनरचै अन्नपचैक- वहूंनहींवचै तीक्षणअग्निजासतनमांहि जोवहअल्पअधिकवाषाहि तिन्हकोंसभभोजनपचजावै पर- भस्मकरोगाहिंउपजावै भस्मकरुजइहभांतकहीजै जवकफक्षीणभईजुलहीजै आश्रयवातहोयपितको- पे सोऊभस्मकरुजआरोपे जोसभहीकोंभस्मकरावै यातैंभस्मकनामकहावै भस्मकात्रिषाश्वासउपजा- वत दाहमूर्छाकोंसोप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहै अन्नभक्षेतैंशांतिग्रहाहै भस्मकवालोजोनरहोय अन्नपचेतैंतडफतसोय पुरुषसमाग्नीहोयजोकोऊ सभप्रकारकरश्रेष्टहैसोऊ भोजनपचैअवरवलधरै यातैं- श्रेष्टताहिउचरै मंदाग्निसोंअजीर्णहोय विवराताकाकहुंसुनसोय सोइअजीर्णषट्परकार ग्रंथकारमत- कह्योविचार इकआचारजअैसेंभाषैं रसरहेंशेषअजीरणआषै अजीरणतेअन्नकाचोरहै पचैनाहिअैसें- लषलहै एकअजीरणअवरप्रकार सोसुनहोयोकीनउचार निर्दोषपाककरैदिनमाहि अजीर्णपंचमता- कोगाहि अठप्रहरमोंअन्नपचैकर विनाअफारपचैयोंमनधर एकअजीर्णप्राकृतकहिये जाकेतनमोस- दालहैये अजीरणतैंहोवैंवहुरोग तातैंरक्ष्याकरणीयोग ॥

॥ अथअग्निचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमचिकित्साअग्निकीभाषोंसुनोसुजान पुनभाषोंजुअजीर्णकीमूलअग्निपहिचान ॥ दो- हा ॥ समजोअग्निसुश्रेष्टहैभाषेंवैधपुरान तारक्ष्याअन्नपानसोंकरहैपुरुषसुजान ॥ दोहा ॥ मंदअग्निकषायति क्तकटुवमनचिकित्साठान इन्हउपायकरवैद्यजोकरैतासकीहान ॥ दोहा ॥ मधुरसनिग्धगुरुशीतसोंतीक्ष- णअग्निसमोय यहप्रकारसमुझेतऊचतुरवैद्यहैसोय ॥ दोहा ॥ विष्मअग्नियाकोलषैतासचिकित्साएह सने- हअमलजोलवणअरुऔषदतापरदेह ॥ अथअग्निउपाय चौपई ॥ सौंचलहिंगुपीसयहदोय अन्नमांडसोंपी वैसोय उष्णमांडकरजोजनपीवै विष्मअग्नियातेंसमथीवै मंदअग्निपुनदीपतहोय जानलहोअपनेमनसोय

॥अन्यचउपाय॥ चौपई ॥ प्रस्रतीतंडुलदोयमंगावै एकप्रस्रतीमुगरलावै त्रिकुटाधनीयांसेंधाजान हिंगु- तैलयहतामोठान अष्टगुणजलतामोपाय सुंदरमांडलयेंजुवनाय याहिमांडकोंपीवैजोय वस्तीशोधक्षुधाक- रसोय वलअरुरुधवधावैएह ज्वरहरतायाकोंलषलेह अरुकफपित्तवातहरजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडपीससुंठीसोंषाय अथवासेंधागुडसोभाय अग्निनिरंतरदीपनकरै याकोगुणअै- सोउरधरै ॥ अन्यच उपाय ॥ चौपई ॥ सुंठीमघांजुहरडमंगाय दाडिमगुडमिलायसोषाय भिन्नभिन्नकर- जानोतीन ऐसोग्रंथकारमतकीन यहसमगुटकाजोजनषावै आमअजीर्णकवजनसावै गुदारोगपरहि- तकरएह अपनेमनमोजानलषेह ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ विडंगभिलावेचित्राठान सुंठगिलोयगुडक-

रोमिलान घृतमिलायचाटैनरकोय वडबातुल्यअग्नितिसहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडनिंवसमपीसरला वै तप्तनीरसोंजोजनषावै दद्रुस्फोटतासकोनाशै अग्निवधैवहुक्षुधाप्रकाशै ॥ चूर्ण ॥ चित्रासैंधासुंठजवायण-मरचपीससमकरोमिलायण तक्रअमलसोंषावैसोय सप्तदिवसअग्निवहुहोय पांडुअजरिणअर्शमिटावै वंगसेनयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडधान्याम्लसोंसिद्धकराय सैंधाहिंगुपिप्पलीसमभाय तप्तनीरसोंषावैजोय भुसैंडिकारअजीरणषोय क्षुधाकरैवहुअग्निवधाय इहप्रकारयाकोंलषपाय ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठीचूरणसमयवक्ष्यार घृतसोंचाटैपुरुषउदार अग्निवधैतनमोंवलहोय निश्चैजानोताकोंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडमघांसुंठीयहतीन यहसमचूर्णकरोप्रवीन तप्ततोयसोंपीवैतास अग्निवधैत्रि-दोषहोइनाश ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ केवलसुंठकाथसोपीवै अजीरणनाशैतनसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठीहरडागिलोयामिलाय करैकाथमंदाग्निमिटाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचव कसमतूल अरुपायताहीमोंपिपलामूल दालचीनीतजपत्तरपाय विधिसोंचूर्णलयेंवनाय यहचूर्णकरषा-वैजोय मंदअग्निजुमिटावैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ उपवासाहिंसोंमंदअग्निलषावै तवघृतपाय-यवागूषावै मंदअग्निताकीमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय जोरोक्षताहूतेंयहजानै मंदअग्निउरमोंप्र-गटानै मरचांघृतवातैलहिंसंग पीवैमंदअग्निहोइभंग मन्दाग्नीजवकरेप्रवेश चूरणआशवअर्कविशेश-भिन्नगुदोपलहोयतनजास मदराआसवतैलप्रकास उदावर्त्तमंदाग्नीमाहि वस्तिनिरूहवैद्यजोगाहि ॥ इति-अग्निकरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ होतअजीरणअतिजलपान मात्राअधिकभोजनतैमान अवरविष्मभोजनतैलहिये-दृष्टलगैंभोजनतैंकहिये अतिमाधुर्यंहुतेंपुनजानो अतिसनिग्धभोजनतेंमानो विष्टादिकजोविगरुकावै-ताहिअर्जारणप्रगटलषावै दिनकोंसोवैरात्रिकोंजागै ताकोंरोगअजीरणलागै चिंताक्रोधशोकभयजान ईर्षादुःखशय्यातैंमान काचोअन्नजुभोजनकरै ताहिअजीरणआयसंचरै अप्रसंनइकभोजनषावै अप्र-माणषावैदुखपावै नामअजीरणताकोकह्यो मूलअनेकरोगकोलह्यो

॥ अथसामान्यअजीर्णलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ अप्रसन्नमनरहिहैजास गुरुतारहैंसदातनतास जोजोवस्तुनकोंजोषावै तिंहतिंहको-डिकारवहुआवैं

॥ अथवातविदग्धलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ वातहुत्तेजुअजीरणहोय उदरअफाराशूलकरसोय देहीपीडाहीवेजास मलअरुअ-धोवायुनाहैंतास अंगअंगमोंपीडाहोय वातकृतयोंजानोसोय मोहस्तंभरहेतनतास वातविदग्धकियोप-रकास

॥ अथपित्तविदग्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकृतजेउअजीरणकहिये त्रिषामोहमूर्छावहुलहिये धूमसहितडिकारजोआवैं सस्वेदपित्तकृतदोषलषावै

॥ अथकफविदग्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफकृतहोएअजीरणजास एतेलक्षणलषियततास अन्नउौरदेष्योनाहिंभावै हृदाअशुद्ध-भारीलषपावै कफकृतलक्षणएतेजान अजीर्णउपद्रवकरोंवषांन

॥ अथअजीर्णषटप्रकारवरननम् ॥

॥ चौपई ॥ मलअरुअधोवातहोइबंद कवजपुलैहोंइपतलेछंद भोजनचाहअशुद्धडिकार गौरवअंगयहषटपरकार

॥ अथअजीर्णरसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जीरणरसताहीकोगावै जोरसभोजनकोपचजावै ताकेलक्षणअैसेजान शास्त्रनिदानकहेत्योंमान वलशरीरमेंमनउत्साह शुद्धडिकारजुआवैंताह होइमलमूत्रयथोचितप्रवृत्त लघुताहोइतनभारनिबृत्त-क्षुधात्रिषाहोवतमनभावत जीरणरसयोंलक्षणगावत ॥ दोहा ॥ अजरिणजीरणलक्षणकहैदेषजुग्रंथनिदान इन्हैसमुझकरवैद्यजोकरैचिकित्साठान ॥ इतिअजीर्णरसनिदानलक्षणसमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छावमनअवरवकवाद मुखतेंजलचलवेमिरजाद अंगअंगपीडाभ्रमहोय मरणहोयलषियतहैसोय सातउपद्रवकरेवषान रोगअजीरणकेयोजान हृदयअन्नरसजवलगहोय तवलगअंगभेदियेजोय जैसेविषकाअमलभनीजै तैसेरसकाअमलकहीजै थोडाभीरसकाचोजवलग षावैनाहिनभोजजनतवलग जोभीइछाभोजनहोय तौभीवुधजनषायनसोय जोकाचेरसभोजनषावै विषकीन्याईसोईप्रगटावै विषकीन्यांईमारेसोय शेषरहैकाचोरसजोय होतअजीर्णतैयहतीन विसूचीअलसकविलंवकाचीन.

॥ अथअजीर्णचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साकहोंअजीर्णकीसुनलीजैचितधार रोगनिवारैवलकरैप्रगटैक्षुधाअपार इस्त्रीसंगअरुमार्गचलनते असवारिव्यायामकरनते इन्हकरथकितहोयनरजोय वायुतनरअतिसारकेहोय श्वासशूलत्रिषायुतजान वायूपीडितहिक्कामान वलकरक्षीणकफक्षीणहैजोय मदपीडतवृद्धायुतहोय विरसकोभक्षणरात्रिकोजागण योंनरयुक्तअजीरणकारण इतनेपुरुषकहैजोलोग सुखसैंशयनकरावणयोग ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासेंधाहिंगुमिलाय सूक्ष्मपीसततजलपाय लेपनउदऊपरहिंकरै दिनमोंसोयरहैनाहिंटरै सर्वअजीरणहोवैनाश क्षुधावधैतनवलपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडमघांसौंचलयहतीन समलेपीसेपुरुषप्रवीन कांजीवातप्तोदकसंग चूर्णषावैहोयानिसंग वलअनुसारपानसो. करै चारप्रकारअचीर्णहरै अरुचमंदअग्नजुअफार वातगुल्मशूलकोंटार ॥ अथअविलेह ॥ चौपै ॥ जोकौऊपरभोजनकरै हृदयकंठजलनसीपरै तिसकोंयहअविलेहचटावै अन्नपचैअरुजलणामिटावै द्राक्षमनकाहरडपिसाय मिसरीमाष्योंसाथमिलाय जहनितचाटैतनसुखहोय वैद्यकमोंभाष्योहैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ चित्राचवकपीपलामूल सुंठमघांलेवैसमतूल इन्हकरसाध्ययवागूपीवै वातशूलगुल्महतथीवै अग्निप्रकाशअजीरणनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथभस्मप्रकार ॥ चौपई ॥

कोगडसत्तपर्णजुमंगावै दोयकरजुजंबाहापावै पाठाअमलतासपुनआन यहसभलेवैपुरुषसुजान अवरमै-नफलमूर्वावर्च यहसभवस्तूलेहसमर्च विधिसोंभस्मकरैपुनजोय गौमूत्रसोंपीवैसोय अग्निवधैजुअजीरण-नाशै महाघोरयहशूलविनाशै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलजुपतीस वचत्रिकुटायह समलेपीस तत्तयोयसोंपीवैजोय नाशअजीरणशूलजुहोय ॥ अथहिंग्वाष्टकचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रात-हिंभोजनकरैजुकोय सायंसमयशूलाजिसहोय अरुजोसायंभोजनकरै प्रातहिंआयशूलसंचरै प्रणामशूल यहनामकहावै यहऔषदताकोंभुगतावै त्रिकुटाअजमोदादोइजीर सैंधाहिंगुपायसमधीर इन्हकोचू-र्णकरैजुबनाय घृतसोंताकोंलेहुरलाय प्रथमाहिंएकग्रासताषावै तापाछैभोजनकोपावै जठरअग्निदीप-तअतिहोय वातप्रणामशूलकोषोय हिंग्वाष्टकयहकीनवषान जानलीजियेपुरुषसुजान ॥ अथअग्निमु-खचूरण ॥ चौपई ॥ एकभागहिंगूकोआन दुगुणीवरचतासमोंठान त्रिगुणीमघपीपलींजुमिलाय चतुर्गुणसुंठीआनरलाय पंचगुणीअजवायणपावै हरडषट्गुणीताहिमिलावै सप्तगुणाचित्रातिहठान अष्ठगुणातिहकुष्टमिलान निजवलदेषचूर्णयहषावै तप्तोदकसोंवातमिटावै वादधिमंडवामदरासंग-पीवैताकोहोइदुखभंग अजीर्णउदावर्त्तलिफनाशै अंगअंगकीपीडविनासै जिसपुरुषहिंविषखाईहोय ताकोश्रेष्टलखोपुनसोय कफहरअर्शगुल्यहरजान सभरोगनपरअहैप्रमान ॥ अथद्विअग्निमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ चित्राहिंगुपिप्पलामूर सौंचलधनियाचवककचूर दाडिमअजमोदाअजवान मघांतिं-तर्डजीराठान लघुवडिलाइचीपुष्करमूल अमलवेतचूरणसमतूल कांजीवादधिवातप्तोय इन्हसोंपी वैचूरणसोय अरुचअजीरणगुल्मनसाय शूलअर्शमंदाग्निमिटाय रोगवातकफालिफनिवारै एतेरोगदूरकरडारै ॥ अथभास्करलवणं ॥ चौपई ॥ मघपीपलधनियांलषलेहु कालाजीरातामोंदेहु तालीसपत्रतजपत्रप्रमान-सैंधाअरुविडकरोमिलान गजकेसरअरुपिप्पलामूल दोइदोइपललेसमतूल सौंचललवणपाचपलपाय-मचरसुंठइकइकपलभाय सितजरीपुनइकपललीजें अर्धअर्धपलपलासत्वचकीजै समुद्रलवणदो-इकुडवमगाय कुडवएकदाडिमातिंहपाय दोइपलअमलवेतसुमिलावै अमृतसमयहचूरणकहावै भास्करलवणनामइहिकिहिये भास्कररच्योलोकहितलहिये तक्रजुदधिवाकांजीसंग वामदसोंपी-वैरुजभंग अजीर्णवातकफरोगाविनाशै अर्शशोथसंग्रहणीनाशै कुष्टभगंदरगुल्मनिवारै हृदय-रोगलिफक्षईविडारै आमरोगशूलअरुश्वास वातरक्तपुनजावैकास एतेरोगनकोकरहान भास्क-रलवणमहासुखदान ॥ अथवडवानलचूर्ण ॥ चौपई ॥ एकभागसैंधाजोलेहु पिपलामूलभागदो-इदेहु तीनभागमघपीपलपाय चारभागतंहचवकमिलाय पांचभागचित्रापुनजान सुंठभागष-टकरोप्रमान अष्टभागअभयापुनपाय चूर्णयहजुयथावलपाय अग्निवधावतअन्नपचावत रोगअ-जीर्णादिमिटजावत ॥ अथहिंग्वादिद्वादशकचूरण ॥ चौपई ॥ हिंगुजुसैंधामघांपछान पिपलामू-लकंकोलप्रमान जवायणहरडदाडिमलषलेहु अमलवेताचित्रातंहदेहु अवरसुंठयहसकल-मंगावै क्रमकरइकइकभागवधावै यहचूरणब्रह्माजुवषान्यो लोकनकोहितमनअनुमान्यो षावैयाकों-वलअनुसार अरुचगुल्महरपंचप्रकार हृदयरोगजोपलीहअफार शूलअजीरणअर्शविडार ॥ अथवृ-हतअग्निमुखचूर्ण ॥ चौपै ॥ यवक्ष्यारलेपुनसर्ज्जाक्ष्यार चित्रापाठाकरंजूडार पंचलवणलघुलाइचीठानै हिगुभिडंगीवरचामिलानै तजकेपत्रविडंगमिलावै दालहलदइंद्रयवपावै मुत्थरत्रिवीआमलेजान दाइ-जीरेगजपीपलठान वृष्यामलअमलीलषलीजै अमलवेतदाडिमतंहदीजै त्रिकुटाअजमोदाजुभिलावै-

देवदारुहरडेंपुनपावै निंवप्रयंगूतालमषान अमलतासतिलकालेठान अवरसुहांजणेवीजजुपावै पलासअवरभीक्ष्यारामिलावै पुहकरमूलकचूरपतीस वस्तुसभसमलेवेपीस लोहेमैलगोमूत्तरसंग शुद्धकरैमनधारउमंग सोभीचूरणमाहिरलावै आद्रकरससोंपरलकरावै फेरविजोरेकोरसपाय पुनकांजीसेंपरलकराय त्रयत्रयदिनमिरयादधरावै वलअनुसारचूर्णयहपावै दीपनअग्निकरक्षुधावधावै शूलअफारारोगनसावै अजीर्णगुल्मउदरकेरोग श्लीहादिकहोइजांहिअयोग सकलव्यंजनोसोंपशदेहु पचैंसभीमनमोंलपलेहु गोदोहनकालमात्रमझार भस्महोयषायोसुविचार ॥ अथवडवानिलमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमघविल्वमिलाय चित्राकरंजुलेहुसमभाय इन्हसभहीसममिसरिपावै चूरणकरैयथावलपावै यहवडवानिलमुखकीन्यांई भारिअन्नपचायदिपाई ॥ अथज्वालामुखचूर्ण ॥ चौपै ॥ हिंगुजुअमलवेतयवक्षार त्रिफलात्रिकुटाचित्राडग्र दाडिमअवरहुंपुष्करमूल यहसमचूरणकरसमतूल कर्षकर्षइन्हकोपरिमान षट्पलगुडतिहकरोमिलान पावैअग्निवधावैएह नाशअजीरणकोलपलेह ॥ अथवासादिद्वादशकचूरण ॥ चौपै ॥ वासामघांइंद्रयवठान पाठाहिंगुसुंठवचआन सौंचलहरडकौडजुपतीस अजमोदापावोसमपीस अजीर्णअफारमूत्रकृछ्रनाश श्वासकासअर्शहरतास ॥ अथसमशर्कराचूर्ण ॥ चौपै ॥ एलाएकमात्रालेमान त्वकदोयमात्रावापाहिचान तजपत्रजुलेवेमात्रातीन गजकेसरमात्राचारजुलीन मात्रापांचमरचांपुनजानो मात्राषट्मघपिप्पलीमानो सुंठीमात्रासप्तपहिचान क्रमसोंवृद्धिकरेजुसुजान यहसभपीसोलेहुछनाय सभकेसममिसरीपुनपाय यहचूरणजुयथावलषावै अग्निवधैवहुभूषलगावै ॥ अथमरचादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ मरचांचित्रामघांमंगाय हरडसुंठाहिंगुदाडिमपाय सौंचलयहसमचूरणकीजै पावैअग्निवधैसुपलीजै ॥ अथनागरादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ नागरकोगडकेलैवींज दोइकंडयारीमनलपलीज चित्रामघांसारवाजान पाठाअरुयवक्ष्यारपछान पंचलवणयहसभसमलेय नीकेंचूरणतासकरेय दधिमांडवामदरासंग कांजीवातसोदकचंग वलअनुसारनिताप्रतिषावै अग्निवधेउरवातमिटावै ॥ अथघृतप्रकार ॥ अथमहापटपलघृत ॥ चौपै ॥ एकप्रस्थआद्रकरसलीजे गलगलरसइकप्रस्थलहीजे प्रस्थएकभरकांजीपाय एकप्रस्थदधिमंडमिलाय कर्षकर्षयहवस्तूंजान सुनहोतिन्हकोंकरोंवपान मघांमरचहिंगुलपलीजै अजमोदायवक्ष्यारभनीजे दोनोजीरेधनियांजान चित्रागजपीपलकोंठान सुंठीपाचलवणपहिचानो चवकापिप्पलामूलपछानो अरुअजवायणताहिसमाय प्रस्थजुघृतमंदाग्नितपाय पावैयाहिवातरुजहरै गुल्मअजीरणकमहतकरै लिफशूलज्वरहिडकीनाशै हरेप्रमेहवलतनपरकाशै अरुप्रमीलकारोगनिवारै यहघृतयहगुणानिश्चैधारै ॥ अथमरचादिघृत ॥ चोपई ॥ मरचासुंठीमघामंगाय अजवायणगजपीपलीमिलाय चवकववचित्राअरुहिंगु यवक्ष्यारभिलावेवायविडंगु समुद्रलवणसेंधाअरुसोंचल पिपलामूलसभअर्धअर्धपल घृतइकप्रस्थताहिजुमिलाय दशमूलीरसघृतसमपाय दुग्धसभनतेंदुगुणापावै मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारजुषावैतास मंदअग्निसंग्रहणीनास कासश्वासदोर्वलताजावै अर्शअजीरणरोगमिटावै कृमकफवातरोगहतकरै रोगभंगदरकोंयहहरै ॥ अथधान्यजीरकघृत ॥ चौपई ॥ धनियाअरुजीरासमपाय घृतसाधैषावैरुजजाय छर्दंदाहविशेषकरनाशै अवरहुंरोगसमस्तविनाशै ॥ अथकेवलधान्यघृत ॥ चोपै ॥ धनियाताकेतुपजुनिवारै अष्टगुणाजलमोंसोडारै पादशेपरहैजलआय पुनघृतचूरणपायपकाय इसघृतकोंजोकरहैपान त्रिदोषजरोगहोयहैहान अजीर्णादिरोगसभजावै वंगसेनयोंभाषसुनावै ॥ अथजीरकघृत ॥ चौपै ॥ दोनोजीरेचित्राआन सुंठजवायणयहपुनठान पंचलवणपुनतामोंपावै इक-

पलपलपरिमाणधरावै कांजीआढिकएकप्रमाण प्रस्थएकघृततामोजाण मंदअग्निसोंताहिपकावै भक्षै-अग्निहोइअर्शमिटावै ॥ अथअन्यधान्यघृत ॥ चौपै ॥ धनियांशुद्धचौहटपललेय द्रोणतोयमोंक्राथकरेय पादशेषरहिप्रस्थघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय जीराअष्टपलपीसरलावै षावैअग्निदीप्तहोइआवै हृद-यरोगकफनाशेएह आमशूलगुदशूलमिटेह वक्षशूलयोनिकोशूल आमवातपुनहोइनिर्मूल उदाव-र्त्तअर्शहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथअग्निघृत ॥ चौपै ॥ चित्रामघांचवकअरुहिंग गज-पीपलअजमोदासंग पंचलवणहैदोनोक्ष्यार पिपलामूलताहिमोंडार अर्धअर्धपलयहसभपावै प्रस्थ-पायघृतताहिमिलावै घृतसमाणकांजोदधिजान आद्रकरसपुनघीउसमान मंदअग्निधरताहिपकावै वल-अनुसारनिताप्रतिषावै मंदअग्निपरश्रेष्टकहीजै अर्शगुल्महरतालषलीजै ग्रंथीअर्बुदअपचीरोग कफरु-जकासहिकरैअयोग शोथभगंदरग्रहणीजाय नाभितलैकेरोगमिटाय कुक्षीरोगइत्यादिकनाशै तमकों-जैसेंसूर्याविनाशै नामअग्निघृतयाकोकह्यो रोगनिवारणयाकोलह्यो ॥ इतिघृताः ॥ अथचुक्रविधानं ॥ ॥ चौपै ॥ दधिकोमंडगुडमाष्योंजान कांजीसमलेवासनठान तीनदिनागेहूंमोंराषै वलअनुसारनि-त्यसोचाषै रोगअजीरणताकोनाश अन्नपचैवलकरैप्रकाश.

॥ अथगुडप्रकारनिरूपणं ॥

॥ अथचित्रकगुड ॥ चौपई ॥ चित्रापलपचासभरलीजे पंचमूललघुतासमदीजे पलपचास-वृद्धमूलजुपावै क्राथदोयशतपलजुरहावै क्राथअष्टविशेषअनुसार प्रस्थगिलोयरसकोंतंहडार आढि-कएकहरडतंहपावै तुलाप्रमाणगुडताहिमिलावै अग्निमंददेताहिपकाय दूसरदिनलगधरेवनाय शीतलल-षदोइकुडवप्रमान माष्योताहिमिलायसुजान मघांमरचसुंठयवक्ष्यार यहइकइकपलपीसोंडार दाल-चीनीएलातजपत्तर इकइकपलसभकरोइकत्तर वलअनुसारताहिकोंषावै श्वासकासक्रमक्षईमिटावै गुल्म अर्शकुष्टयहनाशै आंत्रवृद्धअजीरणाविनाशै अरुजहनाशकरतहैपीनक इन्हरोगनकोंकरहैहीनक यहअ-श्वनीकुमारनेकह्यो याजगमध्यरसायणलह्यो ॥ अथक्षारगुड ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंआनलेहुदशमूर त्रिफलात्रिवीशतावरिकचूर दंतीचित्राहसनजान आरफोटपाठापुनठान लेगिलोयदशदसपलपाय सभइकत्रकरदग्धकराय भस्मतासजलद्रोणपकावै पादशेषजुतुलागुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय पाछेतैंयहचूरणपाय मरचवृश्चकालीकंकोल यवक्ष्यारपांचपाचपलतोल त्रिकुटासज्जीहरडपिसावै चित्रावरचाहिंगुपुनपावै अमलवेंतदोइदोइपलपाय अक्षप्रमाणसुगुटिकापाय अजीरणलिफपांडुयहनाशैं शोथअर्शकफरोगाविनाशै काशअरुचमंदाग्निविडारै कंठरोगहृदरोगनिवारै कुष्टप्रमेहगुल्मविषनाशै वंगसेनयोंगुणपरकाशै ॥ अन्यचक्ष्यारगुड ॥ चौपई ॥ यूथिकाअर्कत्रिवीदशमूल पतीसकायफल-लैसमतूल दशदशपललेदग्धकरावै द्रोणतोयमोंपायपकावै पादशेषतुलागुडपाय मंदअग्निसोंताहित-पाय पाछेंपांचपांचपलजान यहचूरणपीसेकैमिलान त्रिकुटाहरडचवकसमआनै दुगुणचित्रायवक्ष्यार पछानै यहचूरणपायमंदाग्निपकाय शीतलकरपलपलयहषाय अमलवेतहिंगूलषजोय चवकत्रिवीपुन-जानोसोय वलअनुसारयाहिनितषावे रोगनिवारेहर्षवढावै लिफअजीरणज्वरकोंनाशै अर्शशोथअरुपां-डुविनाशै कुष्टप्रमेहरोगहतकरै क्षुधाकरैतनमोंवलधरै अजीरणकीजुचिकीत्साकही वंगसेनतेंज्योंलष-लही ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीअजीर्नकीभाषीसुगमवनाय विसूचिकादिमतग्रंथजोताकोंकहोंसुनाय

॥ दोहा ॥ विसूचीअलसकदंडालसकअवरविलंवकाजान अजीर्णकेयहअंगहैंइन्हकोंभिन्ननमान ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यसमस्तकोएकोहीकरजान यातेंभिन्ननभाष्योआगेंकरोंवपान ॥ इतिश्रीअजीर्णचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथविसूचिकाअलसकदंडालसकाविलंविकानिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पूर्वदिनभोजनकियायाकोपचहैनाहिं प्रातसमयहोईछर्दसोताहिविसूचिगाहिं

॥ अथविसूचिअलसकविलंविकाकारणमाह ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णआमविष्टारुकेजास खावेअन्नपचेनहितास अलसविसूचिकाजातेजानो ताहिजुविलंविकामानो केवलअजीर्णविलंविकानाहि वातपित्तकफलखतिहमाहि

॥ अथवातपित्तकफइनकेभिन्नभिन्नकारणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ भ्रमअरुदाहखल्यादिकरोग वातहुंतेंयहलषहैलोग दाहखेदअरुज्वरअतिसार पित्तहुंतेंयहलषोविकार ॥ सोरठा ॥ जानोवैद्यनिसंग यहलक्षणकफकेकेह वमनजुवाणीभंग तनभारीवहुथुकथुकी ॥ दोदा ॥ आगेइनकावेवरावातपित्तकफयाहि योलक्षणहैंग्रंथमेंसोभाष्योइन्हमाहि

॥ अथविसूचिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूईपडिातनहोइजैसें अंगअंगपीडाहोइतैसें वातदुखदतनसूचीन्योंई यातेंयोंविसूचिका गांई जोअहारप्रमाणकोकरै लोभअधिकभोजनपरिहरै तिसोविसूचीरोगनहोय यहनिश्चयमनमानोसोय नरमूर्षअन्नलोभीहोइजोई तिसेविसूचिकानिश्चयहोइ यहविसूचिकामूर्छाकरै वमनविरेचदाहभ्रमधरै त्रिषाउवासीशूलकरावै शिरपीडातडफडिउपजावै कंपहृदयविवर्णताधारै रोगविसूचीयोंउचारै. वहुतरोगसूचनतैंजानी याहीतैंविसूचिकामानी ॥

॥ अथअलसकलक्षणम्

॥ चौपई ॥ कुक्षीवीचअफाराहोय आंद्रावोलतिरहितोजोय अधोवायुरोकीहीरहे उलटऊर्द्धकोंमारगगहे भ्रमतमकंपशूलकोंकरै कवजअंगपकडताधरै करअरुपादवखेडिपरै एतेलक्षणतातेंधरें जातें तृश्नाहोयेंडकार अलसकलक्षणकोंउरधार तातेंदंडालसकहोइआवै ऐसेलक्षणतासवतावै

॥ अथदंडालसकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअवरअतिसारनहोय तीव्रशूलकोंकरहैसोय सकलप्रवाहद्वारतनजेते रोकेजावतहैसभतेते दंडालसकरोगकहेंलोग दूरहितेंयहत्यागनयोग काहेऐसेंलषमनधरै शीघ्रनाशदेहयहकरै

॥ अथविलंवकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनदुष्टवातकफकरै ऊपरतलैमारगनाहिंछरै शास्त्रज्ञातवैद्यअनुमाने याहींकोंजुविलंवकाजाने कठिनाचिकित्सायाकीमानो काहेमरणयोग्यपहिचानो

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छादांतओष्ठहोइस्याह नेत्रसिमिटहोइजावैताह अतिकरवमनहोतहैयाही अल्पश्वरहोवैंतिसुताहीं सभहीसंधसिथलहोइजावै कछुउपायनाहीवनआवै ॥ अथविसूचीउपद्रव ॥
॥ चौपई ॥ निद्रानाशअरुचयहजान मूत्रघातकंपपहिचान निरचेष्टायहपंचमजानो यहविसूचिकाउपद्रवमानो ॥ दोहा ॥ विसूचिकादिलक्षणकहेनींकैंदेषनिदान तासाचिकित्साकोंकहोंसुनलीजैमनठान ॥ इतिविसूचिकादिकरोगनिदानलक्षणं ॥

॥ अथविसूचिकादिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लवणतप्तजलपायापिवावै प्रथमहिंऐसैंवमनकरावै काहेजवलगरसउरमांहि शेपरह्योहोयोलषपांहि तवलगमर्मभेदियततास यातेंवमनाकियोपरकाश ज्योंकिसहूंविपपाईहोय वमनकरायानिकालियेसोय तैसेंरसहृदशेषरहावै वमनकरायताहिनिकसावै अरुविसूचिकाजिहप्रगटावै लंघनताहिअवस्यकरावै अरुतिसषल्लीशूलजुहोय तासउपायकह्योंसुनसोय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ जाइफलअरुचुक्रकोंलेय तैलमेलमर्दनकरतेय ॥ अन्यच ॥ अथवासंधाकुठपिसाय चुक्रअरुतिलतैलामिलाय जोतवचुक्रप्राप्तनहोय कांजीपायमार्दियेसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अर्कपत्ररसप्रस्थप्रमान धतूरारसताहिसमान प्रस्थस्वेतथोहररसपाय रससुहाजणाप्रस्थमिलाय आद्रकरसङ्कप्रस्थरलावे दोदोपलकुठसेंधापावै सभसमानकांजीतिंहपाय प्रस्थएकतिलतैलमिलाय अग्निमंदसोंउप्णाकरावै मर्दनरुजिहिंकरैसुखपावै षल्लीशूलअरुपक्ष्याघात गृध्रसीरोगआमजोवात पंजअवरपंगुरुजजावै रोगविसूचीशूलनसावै ॥ इतिअर्कादितैलम् ॥ अन्यच ॥ वमनउपाय ॥ चौपई ॥ करंजुनिववासाजुगिलोय अर्जुनशिखरीसमलेसोय यहजुक्काथकरताहिपिलावै वमनहोंहिजुविसूचीजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरतीदंतीमघपीसेजोय अश्वकरणीसमतासमिलोय तप्तनीरसोंपीवैतास शीघ्रविसूचीहोइहैनाश अंजनकहोंविसूचीरोग जातेंनाशेंसकलअयोग ॥अंजन॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहलदकरंजुफलआन परलाविजोरेसमोंठान गुटकाकरजोछांहिसुकावै नेत्रनमांहिसुघसकरपावै होइविसूचीकारोगविनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाघसकरअंजनपावै रोगविसूचीनाशकरावै ॥ इति अथत्रिपाउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिपाअधिकतिसरोगमंझार ताकोंयहकीजैउपचार लवंगअवरवाजैफलजान क्काथवनायकरावैपान अथवामुत्थरक्काथपिलावै त्रिषाविसूचीताकीजावै ॥ अथशूललेप ॥ चौपई ॥ रोगविसूचीकेमंझार उदरशूलजिहहोइविकार देवदारुकुठहरडशनावरि संधालवणसभलेहुवरावरि अमलरलायउप्णासोकरै रोगउदरलेपअनुसरै पीडाउदरहोयतिसनाम सुखउपजैमनपर्महुलास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तक्रयवचूर्णयवक्ष्यारमिलावै उप्णकरैरुजिएजुपिवावै होयविसूचीकातवनाश सुखउपजैतनदुर्तप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअजवायणउवलावै सोऊक्काथताहिपिवावै होयविसूचीरोगविनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ हाथपायकोंभाफदिवावै अरुजलकुंभसओषदल्यावै ताहिउवालभाफतनदेय रुजविसूचिकानाशकरेय ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ सौंचलहिंगुजुचुक्रामिलाय देवैधूपविसूचीजाय ॥ अन्य ॥ दालचीनीतजपत्तरआन रहसनअगुरसुहांजनाठान कुठवर्चअरसोंफरलाय अम्लपिष्टति-

सकाजुवनाय उद्वर्त्तनतिसकरोनिसंग रोगविशूचीखल्लीभंग ॥ अन्यच ॥ पाछेकहीयहवस्तुरलाय तैलपक्क-तिसमाहिकराय मर्दनपानकरेनरजवही रोगविशचीटरहेतवही

॥ अथअजीर्णरसपचेकोलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धडिकारहोइमनउत्साह विष्टामूत्रउत्सर्गसुभाहि लघुतातनअरुक्षुधाप्रकाशै पच्यो-अजीर्णरसयोंभाशै ॥ दोहा ॥ विसूचिकादिलक्षणकहेभाषेसुगमवनाय भस्मककोअवभाषहोंसुनलीजै चितलाय इतिविसूचिकादिचिकित्सासमाप्तम्

॥ पुनः ॥ अथभस्मकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भस्मकरुजइहभातकहीजै जवकफक्षीणभईजुलहीजै आश्रयवातहोयपितकोपै वृद्ध अग्निभस्मकरुजरोपै जोसभहीकोंभस्मकरावै यातेंभस्मकनामकहावै भस्मकत्रिषाश्वासउपजावत-दाहमूर्छाकोंप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहै अन्नभक्षेतेंशांतिग्रहाहै भस्मकवालोजोनरहोय अन्नप-चैतेंतडफनसोय

॥ अथभस्मकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई जाकोंभस्मकप्रगटेआय सोगुरुभोजनकोंनितषाय अरुसनिग्धस्थिरमांडकोषावै शीत-लषायशांतिउपजावै पितहरवस्तुसुभोजनकरै माहिषदधिघृतदुग्धकोंवरै यवागूघृतमधुसंगमिलाय पीवै-भस्मकशांतिकराय सघृतषावैजोक्षीरप्रवीन भस्मकतातैंहोवैक्षीन अरुपित्तहरऔषधसंग रेचनकरैहोय-रुजभंग ॥ अन्यच ॥ मधुरमेध्यअरकफकरवस्तु अरुगुरुभोजनहेजुप्रशस्तु ऐसाभोजनजवनरकरे दिवा-शयनसुखसोंआवरे तातेंभस्मकरोगनसाय ग्रंथकारमतादियोवताय ॥ अथरेचनाविधि. ॥ चौपई ॥ श्यामत्रिवीकोंपीसैआन दुग्धमध्यसोकरैमिलान ताहिपकायजुषावैसोय होइरेचनभस्मकरुजषोय अ-न्यउपाय ॥ चौपई वहुवेरनकीगुटीमंगावै तिन्हतेंतिन्हकीगिरिनिकसावै पीसतोयसोंषावैतास शी-घ्रहोयभस्मकरुजनास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ औदुंवरत्वचकदलीफलआन दोऊपीसकरचूरणठान-नारिदुग्धसोंपावैसोय भस्मकरोगनाशतवहोय अथवायहदोइदुग्धमिलावै तापायससोंरोगनशावै अ-न्यच ॥ चौपई ॥ तंडुलसितमाहिषपयपाय वाकपिलापयक्षीरवनाय घृतमिलायद्वादशदिनमान नित-उठषावैभस्मकहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ स्वेतकमलकोमूलमंगावै पीसअजाकोदुग्धमिलावै पायस-करघृतताहिमिलाय षावैभस्मकरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवनीयकोचूरणठान महिषीघृ-तामिलायकरपान भस्मकरोगहोयतिसनाश वंगसेनयोंकरैप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विदारिर-सअरुमहिषीक्षीर दोइयहअष्टगुणलेमतिधीर एकगुणाघृतपायसुपीवै भस्मकरोगनाशतिसथीवै ॥ दो-हा ॥ भस्मकरोगवषान्योअवराचीकित्सातास ज्योंभाषीवंगसेनमोतैंसैंकीनप्रकाश इतिभस्मकचिकि-त्सासमाप्तम्

॥ अथअजीर्णविसूचिकादिरोगेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ अजीर्णादिरुजकेकहोंपथ्यापथअधिकार तिन्हकोंप्रथमहिंसमझकैपुनकरहैउपचार ॥ अ-थपथ्यं ॥ चौपई ॥ कफीरुजीकोंवमनकरावै पैतिककोंमृदुरेचदिवावै वातलकोंहैस्वेदप्रमान तीनस्व-

भावहिंयहपथजान अरुव्यायामअनेकप्रकार दीपनलघुअन्नादिअहार तंडुललालरंगजुपुरानै लाजा-मांडलेहुलषस्याने नवेंमुंगरसमदिरापान वाथूशाकलसुनपुनमान हरणमयूरसहेकोमास लवावटेरमास-पथतास लघुमूलीलघुमत्सीजान आद्रकसुंठीपथ्यपछान मधुधात्रीफललूणकजानो वृद्धकूष्मांडपहि-चानो पटोलककोडेकेरेलेकहिये लघुवृंताकगलगलपुनलहिये कंड्यारीफलअवरअनार अवरसम-स्तवस्तुयोक्षार कांजीतक्रअवरनवनीत अरुसुहांजणाजानोपीत तांवूलतप्तजलपीवेजोय कटुतीक्षणव-स्तुजवायणसोय अरुनवीनकदलीफलजानो एत्तीवस्तुपथ्यकरमानो ॥ दोहा ॥ अजीर्णअरुमंदा-ग्निकेएतेपथपरिमान लंघनअजवायणाविसूचिमैंसोहैपथ्यउठान ॥ इतिपथ्यम् ॥

॥ अथअपथ्यं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंअपथ्यअजीर्णकेअवरविसूचीजान मंदाग्निआदिकनकेसोऊलषोसुजान ॥ चौपई ॥ अपथ्यअजीरणकेअवआषों विसूचीमंदअग्निकेभाषों स्नानअवरादिननिद्राजान शीतलजलकोपानपछा न तृप्तहोयजोभोजनकरै वुटणातैलमर्दनअनुसरै रात्रिजागैविष्मासनवहै वडीमत्सकीभक्षणचहै कावज आदीवस्तुलषीवै जामुणघृतवहुताजलपीवै रुधमोक्षयहजानसुजान वडोअपथ्यअहैमनआन फलीयांवाला अन्नजुषावै दुग्धफटयोपयसुनलषपावै अजीर्णमंदअग्निमंझार एतेकहैअपथ्यविकार जाकेपार्श्वमोहो-इदाह दीपनपाचनदेवैताह पुनविसूचिकामोसुनलीजै एतीवातअवश्यकरीजै लंघनवमनस्वेदयहतीन करवावैजोवैद्यप्रवीन भस्मकरोगजुपाछैकह्यो ताकोपथ्यअपथयोंलह्यो जोजोतासचिकित्साकही सोऊ-पथ्यजानमनसही उसतेंजोविपरीतलषावै सोउअपथ्यतजैसुखपावै ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यअजीर्णकेमंद अग्निकेजान अरुविसूचिकाकेकहैवैद्यक्रग्रंथप्रमान इतिपथ्यापथ्यम्. ॥ दोहा ॥ अजीर्णादिजोरो केप्रथमाहिंकहेनिदान पुनहिंचिकित्साभषकैपथ्यापथ्यवषान इतिअजीर्णविसूचिकादिरोगसमाप्तम्.

॥ अथअजीर्णदोपकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोभोजनहितअग्निजगावै तासअग्निजोआपवुझावै ताकोंरोगअजर्ण-होय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णअग्निमूरतवनवावै चारभुजासंयुक्तसुहावै सक्ती हस्तपटपीतउढाय ठारांपलताम्रपात्रवैठाय विधिवतपूजैभलीप्रकार अग्नीर्मूर्द्धामत्रउचार याहिंमंत्रसोंहव-नकरावै द्वादशविप्रसदक्षिणजिवावै सोमूरतब्राह्मणप्रतिदेय आपहिंरुजतैंमुक्तकरेय ॥ दोहा ॥ अजीर्णदो-षवरननकियोकारणसहितउपाय शूलरोगवरननकरोंसो सुनियेचितलाय इतिअजीर्णसमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णरोगज्योतिप ॥

जववुधअंतरदशामोमंगलआवेधाइ रोगअजीर्णताहिनरनिश्चैदेहमोआई वुधउपायसोनरकरेअर्चपूजम-नलाइ पुण्यप्रभाकेरूपकररोगहरैसुखभाइ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारउदररोगकथनम् रोगपेटपीडा ॥

॥ चौपै ॥ पीडाउदरहोतहैजाको मेदावजवनामकहुताको आमासयस्थानउदरमैंहोई तीनभेद-कामांनोसोई एकनलीसंघेतकजांनो अन्नोदककामारगमांनो मुरीनामफारसकासोई दूसरमुखआ-मासयहोई कौडीस्थानसोईपहचांनो फारसफंममेदाकरमांनो तीसरसिगरापात्रजोहोई जाफामेदा-

नामासोई प्रथमनालसंघेकीजांनो छातीकीअस्थीतकमांनो कुस्सतामजोअस्थीहोई फिफरेसाथमि-
लीहैसोई सोमुखजठरस्थानकाजांनो गजरूफनामअस्थीतकमांनो हिलाउनकीहर्कतजवहोई दोहरी-
होतउलटकरसोई हिंदीनामकुंपलीजांनो वामभागआमासयमांनो आमासयघरचारोहोई गुथली-
वतपडदेहैसोई आकर्षणघरप्रथमपछांनो जाजवःनामफारसीमांनो ग्राहकपडदादूसरहोई मासका-
नामफारसीसोई पाचकपडदातीसरजांनो हाजमानामफारसीमांनो त्यागकपडदाचौथाकहिए दाफऽ-
नामफारसीलहिए आकर्षनघरनिर्वलजांनो तौभोजनकीरुचीनमांनो कर्णनेत्रसिरपीडाहोई ऐसेरोगव-
हुतकरसोई ऐसालक्षणजवप्रगटावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे दोतोलेहर्डताहिमंगवावे मघमासेचौदां-
संगपावे दसमासेचित्रासंगहोई सतमासेलूणमेलिएसोई निंवूरसमैंखर्लकरावे गोलीमासेसातवंधावे
छायावीचसुकावेकोई सेवनकरअतिहींसुखहोई ग्राहकपडदानिर्वलजांनो पचेनाहितवभोजनमांनो
कलेजेजायदोषप्रघटावे यक्ष्मरोगसरतांनदिखावे हर्फीमनित्यसेवेनरसोई खसखसदानेकेसमहोई
पाचकपडदानिर्वलजांनो अमाशयदोषशूलतवमांनो पांडूरोगनथूरजोहोई ववासीरआदीकरसोई
अजुआंइनसौंफनिताप्रतिखावे मासेसातदोपहटजावे त्यागकपडदानिर्वलहोई नाभीतलेपीडकरसोई
वहउदरकेवीचादिखावे चलेरुधिरअतिखेददिखावे कीरखंडयुतखावेसोई भेडदूधवामहिषीहोई
प्रातसमेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए जेकरसरदीपीडदिखावे क्षुधाप्रवलजलथोडाभावे
खट्टेताहिडकारपछांनो आमासयगर्महोतसुखमांनो जवारसभेदपाककाहोई अथवाफक्कीसेवेसोई
ऊपरपेटलेपकरवावे मस्तकीघृतसोताहिसुखावे तिलकातेलआनिएसोई अथवातेलकऊकाहोई
चौदांतोलेतेलमंगावे तोलेचारमस्तकीपावे काचपात्रसीसाजोहोई तेलमस्तकीपावेसोई देगएकज-
लपूरनकरिए डौलायंत्रकरसीसाधरिए सीसामुखजलवाहिरहोई चाढअगनपरसाधेकोई मस्तकीतेल-
वीचमिलजावे करेलेपहितमर्दनभावे मघामर्चअरुचित्राल्यावे पिप्पलामूलसुंठसंगपावे वल्लुआं-
इनआनोसोई रूमीछडताहीसंगहोई सतसतमासेऔषधपावे चूरनप्रातसमेनितखावे हिंदीसाजज-
त्रिकुटाआनो तमालपत्रचंदनसंगठांनो तवासीरगजकेसरपावे नीलोफरधनिआअगुरमिलावे लेसम-
भागपीसिएसोई मधुमेलचटनीहितहोई रुधिरपेटहूंमेजंमजावे ताहियतनकरसीघ्रहटावे कवूतरकुक-
डविठमंगावे चौदांमासेपीसखुलावे रुधिरदोषतववाहिरहोई सुगमयतनकरअतिसुखसोई उदरपी-
डसरदीकीजांनो घूंमेसिरनिद्राअतिमांनो ताहिवमनकरदोपहटावे मैनफलमूलीवीजमंगावे सौंफहा-
लेआंआनोसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई हिंगुलूणसोसंगाहिंपावे दोदोमासेतोलमिलावे ताहिपिलायवमनक-
रसोई वामर्दनकरऊपरहोई गोघृतलूणदोईमंगवावे करतलऊपरमर्दनभावे तौफुनिसेकेअग्निसोई
वमनअधकजाहींविधहोई ऊपरपीडगरमीकीजानो डकारधूमकेसंगपछानो क्षुधातृषाअतहींप्रघटावे
अजामांसपक्षीकाखावे सीतलवस्तूखावेसोई गरमीदोषदूरतवहोई रुचिकरभोजनहलकाखावे दोषदू.
रअतिहींसुखपावे.

॥ रोगसोजआमाशयकी ॥

॥ चौपै ॥ आमासयवीचसोजजवजांनो वरममेदःकरनामपछांनो रुधिरपित्तकरजांनोसोई नर्म.
सुभावकरेसुखहोई अंमलतासआदिहितजांनो कदीरुधिरकेवमनपछांनो ताहियतनकरसीघ्रहटावे
वासलीककारुधिरछुडावे ग्राहकसीतलवस्तूहोई करेकाथपीवेनरसोई गिलइर्मनीताहिमंगावे चंदन.

मुसककपूरमिलावे मुलठीइंद्रजउोआनोसोई पन्हीजढमुत्थरसंगहोई सतसतमासेऔषधपावे नीरपा-
यकरकाथबनावे मधूमेलदसमासेसोई पीवेकाथदोषहरहोई चंवेकीजढताहिमंगावे पडोलपत्रसोसं-
गरलावे निंववृक्षकाछिलकालीजे चंदनलालताहुसंगदीजे दसदसमासेकाथबनावे मिसरीअथवाम-
धूमिलावे मासेसातमेलकरसोई करेपांनदुखनासेंहोई मुत्थरवालाश्वेतमंगावे पितपापडचंदनलाल-
मिलावे नौनौमासेऔषधहोई करेकाथपीवेनरसोई जेकरवातजसोजाहोई वादीवस्तनखावेकोई
जीरासुंठीताहिमंगावे दारचीनीसोसंगरलावे लेसमचूरनसेवेसोई हुकनायोग्यवमनहितहोई.

॥ रोगघटहोनाक्षुधाका ॥

॥ चौपई ॥ अरुचिहोतअन्नकीजाको किछतजुऽनाभाकहुताको आमासयनिर्वलसरदीहोई क्षुधा
वंदताकारणसोई हरीडदोईतोलेमंगवावे चौदांमासेमघामिलावे दसमासेचित्रासंगपाय सातोमासेलू
णरलाय करचूरनतंडुलजलपावे गोलीमासेसातबंधावे छायावीचसुकावेसोई प्रवलक्षुधासेवनकरहोई-
संखद्रावकजोऔषधहोई रूमीछडअजुआंइनसोई सुंठीताहीसंगरलावे चौदांचौदांमासेपावे दाल-
चीनीमघआनोसोई जीराश्वेतइलाचीहोई सतसतमासेपीसमिलावे चूरनकरसेवननितभावे मासेचौ-
दांहर्डमंगावे अमलवेदमघसंगरलावे समाकगिलोधनिआजोहोई छेछेतोलेलीजोसोई रूमीछडअ
रुलूणमिलावे उतरजनिंवूतासंगपावे दारचीनीजीरासंगहोई त्रेत्रेतोलेलीजोसोई करइकत्रचूरनमन-
भावे सहत्तरतोलेमिसरीपावे चौदांमासेसेवेकोई प्रवलक्षुधाकरआतिसुखहोई पांडूफुनसिरोगहटावे
सिथलतासकलजोडकीजावे कफकादोषअधिकतनहोई रेचकवमनसदाहितसोई चित्राहर्डसौंफमं-
गवावे छेछेतोलेतोलमिलावे तोलेतीनलूणसंगपाय जारांतोलेमघामिलाय चूरनकरसेवेनितसोई
दसमासेजलसोंहितहोई सुंठउटंकनवीजमंगावे लूणमर्चसमभागरलावे पीसछानचूरनकरलजिें निं-
वूरसत्रैभावनदीजें छायावीचसुकावेकोई त्रैमासेनितसेवेसोई संखद्रावकजोऔषधहोई जौखारसुंठचि-
त्रालेसोई रूमीछडहरीडलूणसंगपाय वरावरचूरनपीसवनाय नीरसंगदसमासेखावे व्याधीसकलउदर-
कीजावे हरडआमलेआनोसोई गुलावपुष्पताहीसंगहोई चौदांचौदांमासेलीजे तवासीरपंजमा-
सेदीजें पीसमेलमधुगोलीहोई दसमासेजलसोंहितसोई अग्निपाचकनिर्वलहोई नुगसांनहाजमा-
कहिएसोई आमासयदोषइकठामांनो लेसदारअरुसघनपछांनो नापाकदोषताहीप्रघटावे सीघ्रय-
तनकरताहिहटावे अजमोदसुंठगजकेसरल्यावे इलाचीलौंगहालेआंपावे मर्चपिप्पलामूलमंगाय
वाविडंगचित्रासंगपाय भडिंगीककडासिंगील्यावे जौइंद्रसमभागमिलावे चौदांचौदांमासेलीजें
अगेऔरऔषधीदीजें गिलोईत्रिफलामुत्थरल्यावे सतावरीहींसयारसंगपावे सनामक्कीसर्षपसंगहोई
मषारःमेलभागसमसोई वरावरमिसरीचासवनावे पीसऔषधीवीचरलावे करमजूनफुनिगोलिहोई
वैरप्रमानसेविएसोई जेकरसवलदोषलखपावे प्रथमदस्तकरदोषहटावे पाछेऔषधसेवनकरिए उ.
दरदोषताहीछिनहरिए जाकीक्षुधावंदहोजावे नुगसानइस्तहानामकहावे वातपित्तकफदोषजोहोई
क्षुधावंदकाकारणसोई वाअतिनीरपांनकरजांनो अथवाअतिचिंताकरमांनो आमासयदोषइकठा-
होई सघनलेसलाकारनसोई अग्नीमंदहोतहैजवाहीं क्षुधावंदकाकारणतवहीं उदरशुद्धहितरेचकभावे
पाछेवमनकरेसुखपावे जीराश्वेतखंडमंगवाय कत्थलूणकालासंगपाय सींसालूणमर्चसंगहोई

लेसमभागपीसिएसोई तिलकातेलताहीसंगपावे मधूमेलचटनीकरखावे मघामचैछडरूंमेल्यावे जीराश्वेतमनक्कापावे अमलवेदताहिसंगपाय कृष्णालूणसमभागमिलाय पीसमधूयुतसेवनकरिए मासेसातदोषसभहरिए ॥ त्रिकुटापिप्पलमूलमंगावे कालालूणाचित्तरापावे उटंकनवीजलूणसंगपाय धारसौंफजौखारमिलाय अजमोदाहिंगूतासंगहोई भागवरावरपीसोसोई निंबूरसकीभावनदीजै मासेसातसेवसुखलीजे ककडासिंगीत्रिकुटाल्यावे कंडेआरीछोटित्रिफलापावे भडिंगीपुष्करमूलमिलाय कृष्णालूणसमभागरलाय तप्तनीरसोंनितप्रतिखावे मासेसातदोषहटजावे पींनसनजलाहिडकीहोई सेवनकरदुखहरिएसोई.

॥ रोगहिडकी ॥

॥ चौपै ॥ हिडकीरोगहोत्तहैजाको फवाकहिककनामाकहुताको पांचभेदकरमांनोसोई तींनदोषमिलएकोहोई वातदोषकरदूसरजांनो भोजनदोषतीसरीमांनो चौथीसोजकलेजेहोई आमासयषुष्कीपंचमसोई अलाजाभिनसवहींकाजांनो औषधलिखीदेखहितमांनो

॥ रोगश्वानवतक्षुधा ॥

॥ चौपै ॥ क्षणक्षणभोजनतृत्तनहोई क्षुधाश्वानवतमांनोसोई सीतलदोषताहुतेंजांनो जीउलकलिवनामकरमांनो आमासयदोषलेसलाहोई अथवाअधिकवातकरसोई ताहियतनऐसामनभावे वासलीककारुधिरछुडावे रुचीअधिकभोजनकीहोई पचेनाहिदुखदायकसोई जेकरअतिभोजननरखावे वमनहोएफुनिवाहिरआवे फुनिभोजनकीइछाहोई तरीयतनहितमानोसोई

॥ रोगवहुतभोजनकर्ना ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजनकरतृत्तनहोई जीउलकलिवनामकहुसोई हिंदीक्षीणरोगपहचांनो वृषभक्षुधावतनिश्चामांनो क्षुधारहतहैआठोजाम याकारणभस्माग्नीनाम सकलनाडतृप्तीनहिहोई अतिभोजनदुर्वलतनसोई ताहियतनकरसीघ्रहटावे औषधलिखोकरेसुखपावे

॥ रोगमिटीयाकागजखाणेऊपररुचिहोनी ॥

॥ चौपै ॥ रुचिमृत्यकाऊपरहोई जकतानामफार्सीसोई नारीगर्भवतीजोजांनो ताकीरुचीअधिककरमांनो निर्मलजठरताहुकाहोई कोलामिटीचाहितसोई खारीखट्टीचीजसुखावे सूषमयतनअधिकनाहिभावे मासचारवीरजस्थितहोई भक्षगर्भकाआर्तवसोई ताकररुचोमृत्यकाभावे उदरशुद्धकरदोषहटावे रेचकवमनसदाहितहोई आगेऔषधसेवेसोई त्रिफलाचित्रात्रिकुटाल्यावे नागरमोथाचवकामिलावे वावडिंगहौवेरमंगाय सतसतमासेऔषधपाय फुलादभस्मत्रैतोलेपावे चूरनकरनितसेवनभावे एकतलीभरसेवनहोई तप्तनीरसोअतिहितसोई अथवारुधिरछोडसुखपावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे

॥ रोगविसूचिका ॥

॥ चौपै ॥ अजीर्णरोगहिंदीमतहोई हैजःनामफारसीसोई आमासयभोजनगलेनसोई गरमीप्रवलपेटमेंहोई जेकरसरदीअधिकदिखावे ताहिदस्तकरवाहिरआवे करेयतनहटजावेसोई विनायतनकेसेंसुखहोई जीरासुक्कामुखमेंपावे चंदनरगडपेटपरलावे दोइकर्नमेंफूकांमारे वलकरसीघ्रयतनमनधारे

जैफलमासेतीनमंगावे मासाढूडलींगसंगपावे लाचीमासाढूडमिलाय पीसमधुघृतचटनीखाय मासे-सातकचूरमंगावे पीसनीरमैंसीप्रचटावे आद्रकरसनिंबूरसपावे दोईमेलतिससींप्रपिलावे सिरकार-सनिंबूकालीजै दोइमिलायसीघ्रतिसदीजै लेजढआकाराखमुखसोई दस्तवमनसभनासेहोई तृषादूरत-वहींहोजावे ताहियतनकरदोषहटावे

॥ रोगमलकाफिरना ॥

॥ चौपै ॥ चित्तउछलकरऊपरआवे विनावमनदुखअधिकदिखावे गिशीयाननामाकहुसोई घरघ-रशब्दतैहब:होई हैज:रोगतैहब:जांनो गिशीयांनसमयतनपछांनो सिकंजबीगर्मनीरसंगपावे पीवैव-मनहोतदुखजावे आमासयशुद्धकरेनरसोई मैंनफलसंगवमनहितहोई

॥ रोगछर्दविनादस्तआउने ॥

॥ चौपै ॥ विनारुधिरदस्तजवआवे तर्जीय:नामफारसीगावे आमाशयदोषहोतहैजवहीं भेदअजरिण-मानोतवहीं ताकरदस्तताहुकोजांनो पुरातनहोअतिसारपछांनो जेकरपेचसकाटदिखावे गर्मनीरकरवमन-करावे गर्मनीरमेंवैठेसोई आगेऔषधकरसुखहोई तवासीरबिलकत्थमंगावे सुंठीगिटकअंवकीपावे रकत-पुष्पधाईकेआंनो पुष्पअनारभागसममांनो फक्कीपीसवनावेकोई शीतलजलसोंअतिहितहोई जौराश्वेत-खंडमंगवावे गुलकंदमस्तकीसंगरलावे पीनेदोदोमासेलीजै सीतलजलसोंसेवनकीजै चंदनमुसककपूर-मंगावे गुलावमेलकरखूपपिसावे छातीऊपरमर्दनकरिए अथवाकरेलेपदुखहरिए पुदीनाधनिआंदो-ईमंगावे निंवूरसमेरवलकरावे दस्तदूरसेवनतेंजांनों अथवाग्राहकऔषधमांनो जैसेकुर्शकहरुवाहोई अथवाकुर्शीमाजुहितसोई संजोगीऔषधटिकीमांनो दस्तदूरसेवनतेजांनो अथवाहर्डमुरबाखावे रेच-कऔषधहुकनाभावे-

॥ अथरोगमरोडा ॥

॥ चौपै ॥ जाकोदस्तकाटकरआवे फारसनामजिहीरकहावे दुष्टदोषकरमांनोसोई अथवाअती-कवजकरहोई सूकीमलअतिहीवलपावे पीडावीचगुदाप्रघटावे अथवानाडगुदाकीहोई वलकरमु-खफटजावेसोई ताकररुधिरसंगनिकसावे दस्तहोएबाकवजादिखावे प्रथमपकायदोषसभहरिए पाछे-द्रावकऔषधकरिए हायतवहुतवारप्रघटावे थोडीमलअतिखेददिखावे जेकरगरमीअधकपछांनो पीलीमलअरुजलनपछांनो चिंताअधिकतृषाअतिहोई रहेकाहलीनिसदिनसोई वोडवृक्षजढाछिलकाल्यावे मीठादाडिमसंगरलावे तवासीरआमलेहोई भागवरावरपीसोसोई ताहिभुंनकरसेवनकरिए तोले-तींनदोषसभहरिए निंवूरससोंसेवनहोई मरोडारोगदूरकरसोई सरदीदोषहोतहैजवहि शब्दपेटमेंमांनोतवहीं पीडानाभीनीचेहोई काचीमलमरोडसंगसोई वरैआंहिंगूमर्चमंगावे पतीसइंद्रजौमघांमिलावे लेसमचूर-नजलकेसंग मासेसातप्रातरुजभंग सुंठीहरडघारसंगपावे लैसमकायनिताप्रतिभावे वालासुंठपतीसमंगावे पुष्पधातकीमनसिलपावे लोधरनागरमोथापाय भागवरावरचूरखखाय मासेसातनिताप्रतिखावे तंडुलजलसों दोषहटावे लोधइंद्रजौताहिमंगावे केंडआरीजढगुलधांईपावे सिकडनारताहिसंगपाय लेसमऔषधपी सवनाय मासेसातप्रातनितखावे तंडुलजलसोंदोषहटावे जेकरतापमरोडाहोई काहलीहोभयदायकसोई वातजउदरनर्मजवजांनो पेटसब्दपीडायुतमांनो गिलोयपीससोसनजढल्यावे कुठधारवमनीसंगपावे

नागरमोथासंगरलाय साढेत्रैत्रैमासेपाय करेकाथपीवेनरसोई सीतलकरसेवनाहितहोई धनिश्रांदसमा-सेमंगवावे सुंठीतोलरूडमिलावे गिलोईमासेतीनमिलाय काथगर्मंपीवेदुखजाय श्रजमोदामुत्थरता-हिमंगावे कचूरमेलसमभागरलावे चूरणपीसबनावेकोई तौफुनिनीरपात्रमेहोई पत्थरखूपगर्मकरल्या वै वारंवारनीरमेपावे जाविधगर्मनीरजोहोई तासंगचूरणलेवेसोई मोचरसपुष्पधातकील्यावे कतीरागुंदभुं-नकरपावे साढेत्रैत्रैमासेलीजें दोमासेश्रजुश्राइनदीजें जैफलाकिकरपत्रमंगावे नागवेलइमलीसंगपावे दोदो मासिश्रौषधश्रानो चौदामासेखंडपछांनो चूरणप्रातसमेनितखावे भोजनतित्तरमांसखुलावे मुंगीचावलश्र तिहितहीई वातजतापमरोडाखोई जेकरश्रधिकदोषकफमांनो मुखहूंतेंजलश्रविकपछांनो ॥ दोहा ॥ सिथल जोडानेद्रावहूमूत्रश्वेतरंगहोय श्रधिकहोएमलजाहुकोकफकृतलक्षणसोय ॥ चौपई ॥ हर्दलकालालूणमंगावे हिंगूवचंपतीसमिलावे लेस्मचूरनपीसबनाय तप्तनीरसोंनितप्रतिखाय चित्रावचंकुठमंगवावे बराबरसभके गेरूपावे चूरनपीसबनावेकोई तप्तनरिसोंश्रतिहितहोई विल्वपतीसकीरमंगवावे इंद्रजौनागरमोथापावे सुंठीजीराश्वेतमंगाय नागफलीकरचूरमिलाय किरायतामेलभागसमलीजें तप्तनीरसोंसेवनकीजे सेवन-मासेसातपछांनी श्रथवाकाथसदाहितमांनो सुंठीसौफगिलोइमंगावे धनिश्रांचंदनवालापावे चंदनला-लपद्मसंगहोई श्रालूकाइकदानासोई कर:मेलसमभागरलावे काथपांनकरदोषहटावे जेकरपेट कवजश्रतिहोई करेउौषधीदूरनसोई ताहियतनऐसामनभावे रेचकदुकनाकरसुखपावे मिठीकोड़ी. सौंफमंगावे कलौंजीमिथीवीजरलावे ईसबंदश्रजुश्राइनहोई होवैरचावलसंगासोई त्रिवीसत्नामके कील्यावे श्रमलतासभागसमपावे दससेरजलकाथजोहोई सेरदोइरहजावे सोई एरनतैलताहुसंगपाय-हुकनाकरकवजीहटजाय

॥ रोगदस्तरुधिरके ॥

॥ चौपे ॥ जेकरदस्तरुधिरकेजांनो सेहजाश्रमयानामपछांनो माडोचीजवाकरडीहोई समयछोड-श्रतिभोजनसोई निद्रारातसमैनाहिजांनो रुधिरदोषताकारनमांनो यतनताहिछिनऐसाकीजें निर्वलग्राह-कश्रौषधदीजें कुलफेकीफकीकरखावे गिलइरमनीताहिसुखावे किक्करगूंदनिसासताहोई रेहांनवीं-जदाडिमसंगसोई ऐसीनिर्वलश्रौषधदीजें श्रथवावलवतसेवनकीजें गिट्टकश्रवजामनकील्यावे दाडि-मलोधपतीसमिलावे करेवृक्षकासिक्कडलीजें छुहारानीलोफरसंगदीजें विल्वगिरीचंदनसंगहोई मोचर-सवालामाजुसोई गिलोयइंद्रजउोदूधीपावे धनिश्रांजढसीसनकील्यावे श्रनारपुष्पवातंडुलहोई गौकी-छाछसेविएसोई श्रथवाछाछभेडकीभावे ऐसीउौषधकरसुखपावे श्रफाराउदरहीततवजांनो ताहि-यतनऐसाहितमांनो वावडिंगसुंठीमवल्यावे चित्रामुत्थरसंगरलावे जीराश्वेतलूणसंगहोई चिरायतापुष्प-धातकीसोई श्रजमोदाश्रादश्रौषधीकारिए संग्रहणीदोषताहिछिनहरिए लौंगवचंगजकेसरल्यावे-श्रजमोदात्रिकुटासंगरलावे चित्रापिप्पलमूलजोहोई जीराश्वेतलूणसंगसोई धनिश्रांवालासंगरलावे-साढेत्रैत्रैमासेपावे थौश्राकदूबीजजोहोई मासेढाईलीजोसोई पुष्पधातकीमघांमिलावे रूमीछडता-संगरलावे दसदसमासेश्रौषधपाय इकीमासेखंडरलाय चूरनपीसछानकरहोई मासेसातसेविएसोई तंडुलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए केवलदस्तरुधिरकेहोई श्रसद्यालपूनीकहुसोई तीक्ष्-णवलश्रविकनरखावे श्रांदरछिद्ररुधिरनिकसावे कदीकिसीकोऐसाजांनो छिछडेसंगरुधिरवहुमांनो-गुदाबीचपीडाश्रतिहोई ताहियतनश्रागेसुनसोई वांसातोलेसातमंगावे बारसेरजलकाथचढावे श्राध-

सेरजवहींरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय सेवनप्रातसमेनितकरिए रुधिरदस्तताहीछिनहरिए पतीसइं-द्रजउलोधमंगावे सुंठीमासेसतसतपावे पोस्तछिलकातासंगहोई मासेठाईलीजोसोई चूरनदो-इंवखतनितखावे मासेसातसीघ्रदुखजावे छिलकाअकसुंठमंगवावे बिलकत्थपुष्पधाईकेपावे नागर-मोथालोधामिलाय इंद्रजौछिलकाअंवरलाय पाठाऔरपतीसमिलावो पौनेदोदोमासेपावो मधूमेलच-टनीनितखाय रुधिरदस्तदुखदूरहटाय खजूरगिटकपीसेनरसोई दधीमेलचटनीहितहोई अरलूछि-लकानीरमिलावे पीसखूवानितताहिचटावे मांईछिलकाकरःमंगावे सातसेरजलकाथचढावे काथि-तजलपुनलीजोसोई सेरदोईमिसरीसंगहोई चाढअगनपरचासवनावे अगलीऔषधपीसरलावे कक्क-डसिंगीलाचीआंनो पतीससुंठवालासंगमांनो बहुफलीनागरमोथापाय चौदाचौदामासेलीजे पीस-चासकेवीचहिंदीजें करइकअराखेनरसोई मधूमेलनितचटनीहोई जेकरगरमीअधिकदिखावे छाछ-संगताकोनितभावे देषवलावलसेवेकोई रुधिरदस्ततवनासेहोई चुलाईजढचूरनकरखावे तंडुलजल-सोंदोषहटावे हरडआंवलालीजोसोई मोचरसतवासीरसंगहोई फक्कीकरसतमासेखावे रुधिरदस्त दुखदूर-हटावे सुंठीकीरखंडलेसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई सीतलजलसोंसेवनकरिए चूरणसेवदोषसवहरिए बिलक-त्थसुंठवालामंगवावे छडगुडीपुष्पधातकीपावे नागरमोथासंगरलाय तोलाडूडडुडूसमल्यावे पुरातनगुडसों-सेवनभावे भेडदूधइकसेरमंगाय सेवेचूरनदोषहटाय जीराश्वेतहरडमंगवावे अजुआंइनमेलभागसमपावे मासेठाईठाईलजिें चूरनपीसभुंनसमकीजें मासाडूडनिताप्रतिखाय दधीसंगनिश्चैदुखजाय वांसापुष्प-पत्रमंगवावे पलासपुष्पताहीसंगपावे साडेदसदसमासेलीजे चूरणजलसोसेवनकीजें गिलोपतीस-सोसनजडल्यावे वालाकुठयारसंगपावे पुष्पधातकीतासंगमांनो नागरमोथासंगपछांनो चौदांचौ-दामासेपावे एकसेरजलक्काथचढावे आधारहेपांनतवकरिए मरोडारुधिरदस्तसवहरिए सिक्कडनार-लोध्रसंगपावे कंडेआरीजढगुलधांइमिलावे लेसमऔषचूरनहोई तंडुलजलसोसेवेकोई मरोडारु-धिरदस्तहटजावे सकलभांतकादोषनमावे सिक्कडवैरवृक्षकेल्यावे नीरपायकरक्काथचढावे क्काथित-जलआधाजवहोई मलमलछांनलीजिएसोई तौफुनिसठीचावलल्यावे वांधपोटलीतामेपावे चाढअ-गनपरसाधेकोई तंडुलअसरताहुमेहोई उतारछांनसीतलजवजांनो दधीमेलसेवनहितमानो माजूम-टरभुंनकरल्यावे कालाकोराऔषधपावे इमलीछिलकातासंगहोई भागवरावरपीसोसोई अनारए-कलेखालीकरिए औषधसकलताहुमेंभरिए ताकेऊपरकपडाहोई आटाकणकलपेटेसोई गोलाअगनी-भीतरधरिए लालहोएतवसीतलकरिए औषधवीचानिकालेसोई ताहिकूटकरगोलीहोई गोलीमासेचा-रवंधावे दधीसंगनितसेवनभावे दधीभातपथ्याहितहोई अथवामसरभातशुभसोई दूधभातवालकमन-भावे रुधिरदस्तासिगरेहटजावे वातापित्तकफकैसाहोई काटमरोडानासेसोई नागरमोथालोध्रमंगावे वालाश्वेतलजालूपावे पुष्पधातकीधानिआंहोई सुंठीकालाकोरासोई लेसमऔषधक्काथवानावे दोइ-वखतनितसेवनभावे हर्फांमनिस्यनरसेवेकोई ताहिदस्तश्वाभावकहोई काटमरोडापीडाजानो ताहि-यतनऐसाहितमांनो तोलाषडिआमाटील्यावे तवासीरत्रैमासेपावे मासेत्रैमिसरीसंगसोई गुलाव-अर्कथोडासंगहोई कुलफाभुंननीरानिकसावे सर्वतकरनितताहिपिलावे मसरभातपथ्यतिसहोई दस्तदूरसुखभोगेसोई

॥ संग्रहणीरोग ॥

॥ चौपै ॥ संग्रहणीरोगहोतहैजाको जवरऽनामफारसीताको सघनदोषत्र्प्रामासयहोई लेस-दारलपटासंगसोई संग्रहणीदोषताहिप्रघटावे अथवाअतिमैथुनकरभावे शत्रूसिरपरठाडाहोई अति-चिंताकरमांनोसोई वाअतिमैथुनकरकेजांनो अतीखेदअतिधूपपछांनो प्रभातनीरअतिसेवेकोई वाअतिगर्मऔषधीहोई अथवाअतिषदानरखावे संग्रहणीदोषताहिप्रघटावे लेसदारजलभीतरहोई आंदरसंगलपटेआसोई सोवुषारजवऊपरधावे वहुविधरोगसोईप्रघटावे ॥ दोहा ॥ सीसनेत्रदुख. कर्णमेंतालूजिव्हाजांन कंपवातषुष्कीतृषाश्वासवमनदुखमांन अर्द्धसीसपीडाकरेदंतरोगफुनिसोय हृदयतापमलकारहेजाविधलक्षणहोय ॥ चौपै ॥ सोवुषारजवनीचेंधावे गुदावीचअतिजलनदिखावे अतीदस्तवाकवजीहोई दुर्वलतनमुखकौडासोई मैथुनतेपरहेजकरावे मैथुनकरसंग्रहणीधावे अवस्थादेसकालपहचांने समयदेखऔषधमनठांने वर्षाऋतकीपवनजोहोई रक्षाकरेताहुतेंसोई अती धूपऋतग्रीषमजांनो रक्षाताहूतेंहितमांनो प्रथमतींनदिनपाचनखावे दोषपकायजतनमनभावे-सुंठगिलेमुत्थरजोहोई नौनौमासेलीजोसोई त्रेईतोलेनीरमिलावे त्रैतोलेक्काथशेषरहजावे दिवसतींन-लगपीवेकोई दोषपकेफुनिऔषधहोई तौफुनिऔरतींनदिनदीजें पंचधांनक्काथकरलर्जि दोषसक-लखिंडजावेसोई मुहल्ललनामफारसीहोई त्रिफलात्रिकुटालूणमिलावे सौंचललूणभलावापावे और-भेदइकलूणपछांनो कंदफरनामसोइसंगजांनो लेसमऔषधपीवेकोई गोघृतमेलगोलिआंहोई गोलीमासेसातवंधावे सेवनकरसभदोषहटावे गोलाउदरकुमीजोहोई सेवनकरहटजावेसोई मघांमचांचित्रामंगवावे सज्जीसुंठीझाउमिलावे पिप्पलमूलहिंगुसंगहोई जौखारअजमोदासोई लूणकंदफरलूनामिलावे लेसमऔषधपीसवनावे निंवूरसइकभावनदर्जि तौफुनिरसअनारकालीजें सतसतमासेगोलीहोई छायावीचसुकावेसोई सोप्रभातानितसेवनकरिए निश्चेउदरदोषसवहरिए सुंठीलेदुगडेकरसोई रोटीवीचधरगोलाहोई अगनवीचधरसुंठपकावे सुंठीछायावीचसुकावे चूरनपीसकरेनरकोई खंडवरावरमेलोसोई दसमासेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए तलैसुंठघृतगोकापाय मधूमेलनितचटनीखाय त्रैमासेनितसेवनकारिए ववासीरदुखपांडूहरिए पीडाजोडगंठिआजावे क्षुधाप्रवलदुखदूरहटावे हिंगूहरडपतीसमंगावे कंदफ-रकीरइंद्रजौपावे लेसमऔषधचूरनहोई मासेसातसेविएसोई सीतलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषता-हीछिनहरिए कंडेआरीमघजौखारमंग.वे कचूरइंद्रजौपाठापावे सीसालूणवरूटीहोई कृष्णलूणअरु खारीसोई लेसमऔषधचूरनकीजें मासेसातनीरसंगदीजें मुत्थरसुंठपतीसमंगावे गिलोईसतसतमासे; पावे करेक्काथनितपीवेकोई सकलदोषहरऔषधहोई गौडीमदिरापांनकरावे त्रैप्यालेतकसोईभावे हर्फीमनित्यसेवेनरसोई पक्षीमांससदाहितहोई औषधदस्तमरोडेमाही सोईकरसुखउपजेताही मैथुन-कवहुंकरेनहिसोई अतिऊचावोलेदुखहोई अतीखेदकरडानहिपावे रहेपथ्यपरदोषहटावे अजमोदा-दाडिमलूणमंगावे समाकसुंठताहिसंगपावे जीराकालाश्वेतमिलाय चौदाचौदामासेपाय किष्ठातो-लेवीसमंगावे सठतोलेमिसरीसंगपावे चूरनकरनितसेवनहोई प्रतिदिनचौदामासेसोई दिनइकीजल-केसंगखावे वादिनचालीदोषहटावे अजुआइनसुंठखजूरमंगावे कंदपरदाडिमसंगरलावे चौदाचौ-

मिलावे मर्चअठुंजातोलेपावे ठारांतोलेमिसरीपाय पीसछानचूरनकरखाय दसमासेनितसेवनकरिए सकलदोषताहिछिनहरिए मुत्थरकौडपतीसमंगावे मोचरसपुष्पधातकीपावे लेसमचटनीमधूमिलावे प्रतिदिनसेवदोषहटजावे गूंदखैरकाआंनोसोई ईसवगोलताहिभंगहोई त्रैत्रैतोलेदोइमगाय खंडडू-डतोलासंगपाय चूरनकरसतमासेखावे सीतलजलसोदोषहटावे माजुगूंदखैरकाल्यावे तुळसीबीजखंड-संगपावे दधीसंगसतमासेसोई सेवनकरदुखनासेहोई माजूपुष्पधातकील्यावे कडवःसणसोसंगरलावे मासेसातनीरसंगसोई सेवेसकलदोषहरहोई रक्तजववासीरहटजावे गुदापसलीपीडहटावे उदरपी-डताहीछिनजाय ऊपरताजीछाछपिलाय सुंठचित्तरालूणमिलावे ऐसीछाछसेवसुखपावे रातछाछपी-वेनाकोई प्रथमपहरपीवेसुखहोई विनाछाछकछुऔरनखावे भरेपेटसंग्रहणीजावे औरहिंदमतसुनिए-सोई विधीछाछकीजाविधहोई गौआंनिजघरमाहिवंधावे तिन्हकोसुक्काघासखुलावे मक्कीचरीघास-जोहोई मुंगीअन्नखुलावेसोई सोईदूधकरप्रीतजमावे रिडकेमखनजुदाकरावे पीवेछाछपेटभरसोई संग्रहणीदोषदूरतवहोई संग्रहणीएकपुरुषकोहोई चारसेरदधिरिडकेसोई पीवेछाछपचेदिनमाहि संग्र-हणीरोगताहुकोनाही औरअन्नजलसोनहिखावे रुचिहोएसंगचाउलपावे संग्रहणीकिसीदोषकीहोई निश्चेकरहटजावेसोई संग्रहणीदोषअधिककफजागे ताकेहेतऔषधीआगे चित्राहरडतज्जमंगवावे कुठपतीससुंठमघपावे मुत्थरसीसालूणजोसोई कालालूणखारसंगहोई वाविडंगसोसंगरलाय लेसमऔषधचूरनखाय प्रतिदिनचूरनसेवनकरिए कफसंग्रहणीताछिनहरिए हरडकचूरमनक्कापावे त्रि-कुटापिप्पलमूलमिलावे विडलूणकृष्णाअरुसीसाहोई लेसमऔषधपीसोसोई निंबूरसकीभावनदेवे मा-सेसातप्रातनितसेवे प्रवलउष्णताहोवेजवहीं कफसंग्रहणीनासेतवहीं रुचिकरभोजनताहिसुखावे रहे-पथ्यपरदोषहटावे जेकरहरडदोषकृतजांनो ताहूकेवदलेमघमांनो थोंमकौडमुत्थरमंगवावे त्रिकुटासत-सतमासेपावे चित्राचौदांमासेहोई करःनामनौतोलेसोई चूरणमासेसातखुलावे मिसरीदूधसंगसुखपावे दस्तकासनपतृषाजोहोई प्रनेहप्रमेहपांडुहरसोई चित्रापिप्पलमूलमंगावे भखडामघधनिआंसंगपावे वाविडंगसमभागरलाय चूरनपीसप्रातनितखाय छाछसंगनितसेवनकरिए ववासीरसंग्रहणीहरिए गो-लाउदरकृमीजोहोई तिलीशूलदुखनासेसोई चित्राजढतुंमेकील्यावे हरडकत्थमघसंगरलावे सुंठीमुत्थ-रवचपछांनो वाविडंगपतीसखारसंगमांनो लेसमचूरनजलसोखावे मासेसातसंग्रहणीजावे प्रथमेपा-चकऔषधखावे पाछेरेचकहरडसुखावे सुंठीईसवगोलमंगाय दसदसमासेदोनोपाय मासेसातलौं-गसंगहोइ छेतोलेहरडमेलिएसोई चारसेरजलक्काथचढावे आधसेरपीवेसुखपावे प्रथमेउदरशुद्धकर-लीजे पाछेऔरऔषधीकीजे अथवाहरडमुरब्वाखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे हरडरातकोसेवेकोई करेप्रातउठऔषधसोई पीवेछाछनित्यदिनमाही संग्रहणीरोगताहुकोनाही सठीमसरवामुंगीखावे अथ-वाकडीछाछकीभावे अनारखटाईसेवेसोई कंडेआरीफलकीभाजीहोई क्वथितजलआधारहजावे अथवालोहावीचवुझावे सोजलपांनदोषहरहोई आगेऔषधसेवेसोई चौदांमासेचंदनल्यावे दसमासे मिसरीसंगपावे गडकायलेहकरचाटेसोई दिनचालीतकसेवनहोई दधीभातानितपथ्यखुलावे पुरात-नरोगसंग्रहणीजावे रोगसोजकेलेजदी ॥ चौपै ॥ पीडाअधिककलेजेहोई आमासजिगरकहुनामा-सोई पीडादक्षणभागपछांनो वातदोषवागरमीमांनो वाअतिभारउठावेकोई करडाखेदकरेदुखहोई

[illegible]

करुधिरकीइछाहोई वासलीकतैंछोडेसोई तवासीरअरुलोध्रमंगावे सुंठीदसदसमासेपावे दोतोलेमिसरीसंगपाय चूरनसतमासेनितखाय दूधसंगनितसेवनकरिए कलेजेकीपीडासभहरिए त्रिफलानीरपायपिसवावे कलेजेऊपरलेपचढावे जेकरगरमीअधकनहोई ताकोरुधिरनछोडेकोई जेकरकवजीअधिकदिखावे सर्वतअमलतासपिलावे कफकरसोजापीडाहोई लक्षणमुखपीलाहैसोई निद्राहूंतेंजवउठआवे करपदनेत्रसोजप्रघटावे राईदूधमेलपिसवाय लेपकरेसोजाहटजाय कलेजेऊपरपछकरावे चलेरुधिरतवऐसाभावे नीलाथोथाताहिपिसाय निंवूरससोंलेपचढाय सोनमखीनीलाथोथाल्यावे मुमेआइचोकनुसादरपावे पछनागवूटीसंगहोई लेसमपीसलेपिएसोई पछमारइहलेपचढावे मुमेआईत्रैमासेनितखावे अजामूत्रनितपीवेसोई निश्चेकरगुणदायकहोई जेकरपीडादूरनमांनो कलेजेऊपरदाघपछांनो तींनदाघदेवेनरसोई सज्जेपासेअतिहितहोई रुधिरपीडवाकफकीजांनो ताहीछिनमेंदूरपछांनो सोजपीडयुतगोलाहोई प्रघटहाथसोदेखेकोई रोगअसाध्ययतननाभावे सोरोगीनिश्चेमरजावे

॥ रोगपीडतिलीदी ॥

॥ चौपै ॥ खवेभागतिलीपहचांनो सोघरवातदोषकामांनो कलेजीगेहरुधिरकाहोई पित्तपित्तहूंकाघरसोई जठरफिफरादोईपछांनो कफघरलेसरितूवतमांनो तिलीकलेजेरुधिरजोहोई कालारंगहीनवलसोई जववहखैंचपाकहोजावे सकलजोडवलहीनदिखावे तिलीसमांनहोतहैजवही करडीसोजजानिएतवही खवेभागतिलीहैसोई मूंडेतलेपींडतवहोई वाछातीकापडदाजांनो लटकतश्वाससंवंधीमांनो पीडातहांप्रघटहोजावे श्वांसतंगअतिखेददिखावे आदयतनऐसामनभाय वासलीकतेरुधिरछुडाय रुधिरनिंकालसीघ्रमुखपावे वामूंडेतलपछकरावे वृषभमूत्रमंगवावेसोई आधसेरनितपीवेकोई मासेदसराईसंगखावे निश्चेपीडतिलीकीजावे कलेजेतिलीदोषजोहोई एकसमांनऔषधीसोई जेकरसोजाफिफरेजांनो मर्दनसर्षपतैलपछांनो

॥ अथरोगजलोदर ॥

॥ चौपई ॥ जलोदररोगहोतहैजाको इस्तस्कानामफारसीताको हिंदीनामजलंधरजांनो कठोदरअौरपथोदरमांनो जठराग्नीपाचकनिर्वलहोई वावलहीनकलेजासोई ताकररोगजलंधरजांनो आगेलक्षणऔरपछांनो आमाशयपाकप्रथमजोहोई माडारुधिरकलेजेसोई नाडांवहुतवालसममांनो 'मासारीकानामपछांनो उनद्वारारसटपकतसोई कच्चारुधिरलालनहिहोई आंदरवीचसघनजवजांनो चिमडतरंगजरदतवमांनो पडदाआंदरऊपरहोई त्वचासंगनीचेहैसोई हजावनाममतफारसगावे सिमकसिमकजलतामेपावे नीरइकठातहांपछांनो मछकसमानपेटतवजांनो सोजलपडदाऊपरहोई औषधकाटकरेनाहिकोई करडारोगजाहुतेजांनो ताकारणभयदायकमांनो कदीकिसीकोऐसाहोई गुदावीचजलटपकतसोई गुदाद्वारजलवाहिरआवे रोगदूरकछुखेदनपावे जेकररोगजलोदरहोई ताहियतमऐसासुनसोई चतुरजराहयतनमनभावे वामभागपराछिद्रकरावे नस्तरनाभीपासपछांनो निकसेजलताहीसुखमांनो जारांदाघपेटपरलावे रोगदूरफुनिपालकरावे कदीकिसीकोऐसाहोई ऊपरवर्षरोगफुनिसोई नूत

[illegible]

ववाहिरआवे करेपालफुनिऔषधखावे पुष्करमूलहरडमंगवावे सीसासौंचरलूणमिलावें वाविडंगजौ-खारपछांनों अजुआंइनमेलभागसममांनों चौदांचौदांमासेलीजे डिडतोलातुंमाजढदीजे दंतीतोला डूडमिलावे छेतोलेतृवीताहिसंगपावे हिंगूमासेतींनमिलाय चूरनपीसनिताप्रतिखाय तप्तनीरसोसेवन-करिए मासेसातजलोदरहरिए तवलीभेदऔरइकहोई वातोदरनामप्रघटहैसोइ उदरखैंचतवलेसममांनो भरापवनकेसंगपछांनो जैसेंरोगजलंधरहोइ तैसेंतवलीकारणसोइ तवलीलक्षणआंधिकदिखावे तिलीं-वीचसोजाप्रघटावे तिलीकलेजेसोजाहोइ पाछेऔषधकरिएसोई नातररोगअसाध्यकहावे निश्चेकर-रोगीमरजावे लहमीभेदतीसराहोई नामकठोदरकहिएसोई लक्षणलेसदारकफमांनो पृष्ठपैरमुखसो-जाजांनो पेटसरीरफूलेआहोई मारकहोतपुरातनसोई औखधसोजकलेजेमाही सौईकरदुखउपजेनाही कलेजेऊपरदाघलगावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे उदरवीचजवगोलाहोई गुल्मोदरनामप्रघटहैसोई वातसंगकफसघनपछांनो गोलारूपउदरेममांनो नीचेऊपरगोलाहोई फिरेउदरपीडासंगसोई भारेजोड-क्षुधाहटजावे तंगश्वासपाणमुखआवे चारभेदकागुल्ममछांनो जलंधरतींनभेदकामांनो ताकर सातभेदकाहोई आगेऔषधसुनिएसोई निंबूरसचित्राजढल्यावे चौंदाचौदांमासेपावे दसदसमासे-त्रिकुटालीजें सज्जीजलइकमासादीजें नुसादरइक्कीमासेपावे काचपात्रमेंपीसरलावे छायावीचसु-कावेकोई मासेसातसेविएसोई देखवलावलऔषधखावे रोगजलंधरगोलाजावे सिंधूलूणकृष्णमंगवावे करःलूणसज्जीसंगपावे सुहागासंगनुसादरजांनो जमालगोटेकानिमकपछांनो चौदांचौदामासेहोई चूर-नकरराखेनरसोई तौफुनिअंमलवेदफललीजे ताहिकाटकरखालीकीजें चूरनवीचताहुकेपावे

राखधूपमेंखूपसुकावे तौफुनिरसनिंबूकाहोई आगेऔषधमेलोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्राल्यावे धनिआजीराश्वेतमिलावे अजमोदजुआंइनदाडिमआंनो पाठापुष्करमूलपछांनो हौंवेरजढवोईपावे साडेत्रैत्रैमासेल्यावे करइकत्रचूरनहितहोई मासेसातसेविएसोई अमलवेदरसताजालजिें चूरणप्रातनि. त्यउठदीजे गोलावातजलंधरहोई निश्चेरोगदूरकरसोई त्रिवीमंगायसोइपिसवावे दूधथोरकासंगरलावे मासेतींनगोलिआंकारिए सेवनकरसिगरादुखहरिए इक्कीमासेमर्चमंगावे दसमासेहिंगूसंगपावे ढाईतो-लेमघांमिलाय त्रैतोलेसुंठीसंगपाय अजुआंइनतोलेचारमिलावे तोलेपांचहरडसंगपावे छेतोलेचित्रा-संगहोई तोलेसातकुठहैसोई चौदांमासेप्रतिदिनखावे तप्तनीरसोदोषहटावे अंमलतासत्सेरकल्यावे चारसेरजलक्काथचढावे एकसेरजवहींरहजाय थोरदूधदसमासेपाय तींनभागकरराखोसोई प्रातभाग इकपीवेकोई तौफुनिदस्ततींनजवआवे भागदूसराताहिपिलावे दस्ततींनआजावेजवही भागतीसरापी वै तवहीं जाविधनित्यपानाहितहोई प्रथमऔषधीसेवेसोई मधूमेलदसमासेखावे रोगजलंधरताहिहटावे कृमीउदरदुखगोलाहोई निश्चैकरहटजावेसोई वृक्षआमलापत्रमंगावे चित्रात्रिकुटासंगरलावे ईसवं दलूनसंगपावे पत्रमीचकेसंगरलावे वरावरभागपीसिएसोई मासेसातसेवसुखहोई अनुपांनगोमूत्र पिलावे उदरदोषसिगराहटजावे घडाएकमंगवावेकोई गिलहिकमतविधकरिएसोई आटामाखमृत्य काल्यावे वीचघडेविधलेपचढावे चरुंजापत्रआककेहोई घडेवीचनरराखेसोई सेरदोइथोहरमंगवावे घडेवीचटुगडेकरपावे ::: कंडेआरीफलपंचासलेसोई पंचासवतांऊतामेहोई पांचोफलतुंमेकेल्यावे पांचमूलिआंगिनतीपावे सीसासौंचलसिंधूल्याय काचलूणकालासंगपाय जउोखारअरुसज्जील्यावे तोलाडूडडूडसमपावे चारसेरसर्षपकातेल घडेवीचसवऔषधमेल चरुंजापत्रआककेलीजें घडेवीच

श्रौषधपरदीजें जाविधघढावंदमुखहोई गिलहिकमतकरराखोसोई जिमोखोदटोत्राइककरिए दस-सेरवनउपलेधरिए ऊपरघडाराखिएसोई वनउपलेफुनिऊपरहोई उपलेवीससेरज्योंपावे मध्यघडाध-रत्रागलगावे सीतलहोएउठावेकोई भस्मश्रौषधीलीजोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्राल्याय वाविडंग-श्रजुत्राइनपाय सठीसाजजहिंदील्यावे पिप्पलामूलकचूरमिलावे हौवेरत्रजमोदाश्रांनो सततसतमा-सेश्रौषधठांनो राईत्राधसेरसंगपाय ईसवंदइकपाउोरलाय चूरनपीसछांनकरहोई मेलोभस्मश्रौषधी-सोई जाविधश्रौषधसेवनकारिए मासेसातदोषसभहरिए श्रनूपांनगोमूत्रपिलावे गोलारोगजलंधरजावे हिडकीश्रौरउदरदुखकोई सकलदूरसेवनतेहोई सेवनतैंगरमीप्रघटावे ताहिछाछश्रनुपांनपिलावे ॥ दोहा ॥ श्राटालीजोकणककाथोहरदूधामिलाय गोलीमासेतींनकरप्रतिदिनएकखुलाय दस्तसंगजल लेसलाउदरवीचजोहोय लिपटाश्रांदरसंगहींवाहिरकरिएसोय ॥ चौपै ॥ एरनकीजढाहिंगूल्यावे काला. लूणहरडसंगपावे लेसमचूरनसेवनकरिए मासेसातदोपसभहरिए तप्तनीरवागोघृतल्यावे श्रनूपांनवा-छाछपिलावे सीसालूणहरडमंगवावे सुंठइंद्रजउोसंगरलावे श्राकपत्रजढथोहरश्रांनो कोमलकाष्ट-थोरकामांनो चित्रामेलभागसमलीजें भांडेवीचधरसंपुटकीजें तौफुनिबनउपलेमंगवावे ताहिवीचध-रभस्मवनावे सतमासेनितसेवनकरिए छाछसंगसिगरादुखहरिए पाठाहींगूकौडमंगावे सौंफहरीड-इंद्रजउोपावे गजपिप्पलविडलूणजोहोई करःलूणसंगमेलोसोई लेसमश्रौषधचूरनकीजे मासेचौदां-प्रतिदिनदीजें श्रनूपांनगोमूत्रपिलावे उदरदोषसिगराहटजावे पित्तदोषलखपावेजवहीं सेवनकरदुख-नासेतवहीं.

॥ रोगवाहिरश्राउनाश्रनपचभोजनदा ॥

चौपै ॥ भोजनताहिकरेनरकोई वमनसंगसोवाहिरहोई हिंदिभेदसंग्रहणीकहिए जलकुलश्रमेश्रा-फारसलहिए ग्राहकश्रांदरनिर्वलहोई कुब्वतमासकःनामासोई लेसदारजलतहांपछांनो श्रनपचभो-जनवाहिरमांनो प्रथमश्रौषधीरेचकखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे वालविल्वशुंठीमंगवावे नागरमोथा-धनिश्रांपावे साढेत्रैत्रैमासेहोई करेकाथनरपीवेसोई दिवसतींनलगऐसाकीजें मुंगीरसघृतकेसंगदीजें फुनिचौ थेदिनऐसाभावै मासेसाततूवीमंगवावे श्रर्धभागातिसखंडरलाय तप्तनीरसंगचूरनखाय ताहिदस्तश्राजावेजव हीं खिचडीभोजनकरिएतवहीं लौंगइलाचीमघांमंगावे नागरमोथामर्चरलावे दारचीनीसोसंगरलाय सा[illegible]-त्रैत्रैमासेपाय मासेसातखंडसंगहोई प्रतिदिनचूरनसेवेकोई सतमासेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछि-नहरिए ॥ सनापत्रताजेमंगवावे छाछपायकरसागवनावे दिवससातलगखावेसोई तौफुनिग्राहकश्रौषध-होई पतीसइंद्रजउोताहिमंगावे खसखसछिलकासंगरलावे लेसमचूरनसेवनकिजे गौडीमादिराऊपर-दिजें वाखसखसकाछिलकाखावे वाजैफलवाफींमखुलावे पाछेहरडमुरबादीजें श्रागेसोईविधिसुन-लीजें पाचकश्रौषधग्राहकहोई हरडपायगडकावेसोई निकालहरडफुनिधूपलगावे मिसरीश्रथवामधू-लिश्रावे चासवनायताहुमेपावे ऐसीहर्डसुरबाखावे जेकरदोषदूरनाहोई हुकनाकरदुखहरिएसोई पाछे-हुर्डमुरबाखावे नीरसंगचूरनमनभावे श्रथवाछाछपांनहितहोई जाविधउदरदोषहरसोई इतिश्रीचिकि-त्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउदररोगाधिकारकथनं नामश्रष्टाविंशोऽधिकारः ॥ २८ ॥

॥ अथशूलप्रणामशूलनिदानलक्षिणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलअवरप्रणामशूलकोभाषोंसकलप्रकार जैसेंप्रथमनिदानमोंकीनोतासउचार ॥ चौपै- कामदेवकेनाशहिकारण शिवत्रिशूलअतिक्रोधचलावण देषत्रिशूलकामवहुडरेउो विष्णुशरीरपरवेशहि- करेउो हुंकारशब्दविष्णुतवकह्यो कामदेवपृथ्वीपरगह्यो भयत्रिशूलमूर्छाप्रगटाहि ताहिशूलप्रगट्यो- जनमाहि शूलप्रकारचुवैहृदमाहि तिहकरनामशूलजनगाहि आठभेदशूलकेजानो वातपित्तकफतें- पहिचानो अरुत्रिदोषतैंयहकहैचार द्वंदजआमजअष्टप्रकार आठशूलकोस्वामीवात पवनअहैव- लयुतविख्यात,

॥ अथशूलस्थानवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ वातशूलकोवस्तिस्थान पित्तशूलकोनाभिमान हृत्पार्श्वकुक्षीकफशूलपछानो सर्वदेशस- न्निपातजजानो;

॥ अथवातशूललक्षणम् ॥

चौपई अतिव्यायामअतिमैथुनतैंजान अतिअश्वादिचढनतैंमान अतिजागरणशीतजलपान अतिरूषेभो- जनतैंमान तिक्तकषायवस्तुतैंहोय कोद्रामक्कीखावेसोय विरुद्धभोजनक्षीरमत्स्यादि नवीनअन्नतैंहोयविषादि सूकोमांसजुसूकोशाक होतशूलजानोसतवाक अरुअभिघातहुतैंभीहोय भोजनपरभोजनकरेजोय विष्ठामूत्रअवरअधोवात इंन्हकेरोकनतैंप्रगटात अतिभाषनअतिहास्यजुकरै अतिशोकहुतैइहलषपरै व्रतउपवासकरेजोकोय करैअजीरणताकोहोय वृद्धवातइन्हकरजवथावै नरकोंशूलप्रगटहोइआवै ॥

॥ अथवातशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयपार्श्वनाभिअस्थान त्रिकूलपृष्टमांहिहोइजान नाभितलैभीउपजतजोऊ इन्हठौ- रनमोहोवतसोऊ शूलकोपकेसमयजुचार शीतकालसंध्यानिरधार जीरणकालघनागममानो चारसम- यजहशूलपछानो क्षणमोंकोपकरेक्षणशांत विटअरवातवंधहोइजात विट्केवंधतेंपीडाजान खुलेंजुवि- ष्टाशांतिप्रमान.

॥ अथशूलशांत्तिउपाय ॥

स्निग्धउष्णभोजनजोकरै मर्दनस्वेदशूलनिरवरै.

॥ अथशूलरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलचिकित्साभाषहोंवंगसेनअनुसार वैद्युत्तमयहसमुझकैपुनकरहैंउपचार ॥ दोहा ॥ वातशीघ्रगामीअहैशीघ्रचिकित्साठान सनेहपानसनेहमर्दनकरेंअवरहुंस्वेदपछान ॥ चौपै ॥ लंघनव- मनजुपाचनजान फलवर्तीअरक्षारसमान चूर्णगुटिकादीजैतास वातशूलकोकरहैनास ॥ अन्यच ॥ प्रथमवैद्यजोवातनिकारे पाछैपित्तकोदूरनिवारे तापाछेकफकाढनमान ऐसेवैद्यकरेनिजज्ञान ॥ अथले. प ॥ चौपै ॥ विलकत्थएरणातिलसमआन पीसअमलसोंलेपनठान वातशूलकीहोइहैशांत निजमन' मोंयहलषोवृतांत ॥ अन्यच ॥ लेतिलपीसउदरपरलावै वातजशूलनासहोइजावै वातिलपीसपोटली करे देवैशेकशूलपरिहरे ॥ अन्यच ॥ आनमैनफलकांजीसंग पीसनाभिलेपैरुजभंग ॥ अन्यच ॥

जीवंतीकोंमूलपिसावे तामोतिलकोतैलमिलावे वक्ष्यस्थलपरलेपैतास होवैपार्श्वशूलकोनाश ॥ अथकाथ ॥ ॥ चौपै ॥ कुलत्थकाथमोंपायसनेह पीवैंवातशूलहोइषेह ॥ अन्यच ॥ सैंधात्रिकुटासौंचलहिंग दाडिमलवामांसधरसंग करैकाथपीवैनरजोय नाशवातशूलकोहोय ॥ अन्यच ॥ वलापुनर्नवाएरं-डआन दोइकंड्यारीगोषुरठान यहसमलीजैकाथकरीजै लवणहिंगुतिंहपायसुपीजैं वातशूलकोहोइहै-नाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ प्रथमहियवकोकाथवनावे पुनइहचूरणपीसरलावे हरडतुं-वरुपूष्करमूल हिंगुलवणत्रैधरसमतूल रोगीइहविधिपीवैतास होवैवातशूलकोनास अवरहुंगुल्मरोग-मिटजावै दुःखमिटेतनसुखप्रगटावे ॥ अन्यच ॥ सुंठअवरएरणकोमूल करैंकाथयहदोसमतूल-सौंचरहिंगुपायसोंपीवै वातशूलततक्षणहतथीवै ॥ अन्यच ॥ इंद्रयवोंकाकाथबनावै पुनसमलेयह' चूरणपावै सौंचलअवरहिंगुसमभाय पीवैवातशूलमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ दाडिमहिंगुआ-मलेआन मघांजवायणहरडामिलान सेंधालवणदोयधरक्षार यहसमचूरणकरोसुधार तप्तनीरसोंपीवैतांई वृद्धशूलवातहतपाई ॥ अन्यच ॥ हिंगुजवायणसेंधाडार सौंचलहरडेदोनोक्ष्यार यहसमचूर्णमदरासंग उष्णजलहिवापीरुजभंग हरडेंत्रिकुटावरचपतीस सौंचलहिंगुलेहुसमपीस यहचूरणतप्तोदकसंग पीवै-वातशूलहोइभंग ॥ अन्यच ॥ धनियांसुंठजुएरंडपाय शिग्रुमूलयुतकाथवनाय हिंगुलवणयुतकाथ-जुपीवै वातशूलहततक्षणथीवै.

॥ अथकफजशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसअवरजलजीवनतास दूधविकारकरैपरकाश इक्षुमाषपीठादिविकार तंडुल-मांडातिलसुचीप्रकार अवरहुंकफकरतादिकजोय कफजशूलतिंहहूंतेहोय

॥ अथकफशूललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयरोधपीडाअरुकास मुखजलचलैअरुचिताभास भोजनकियेवेगवहुकरै शिरभारीगौरवताधरै शिसिरवसंतअवरपरभात कोपकरैजानोविख्यात

॥ अथकफजशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलहिंगुलवणजुतीन यहसमचूरणकरोप्रवीन उष्णहिंजल-सोंपीवैसोय कफकोशूलनाशतवहोय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ लघुकंड्यारीअरुलहुवासा इहदोनोंकेफललपतासा शिलाजीतगोषुरविल्लमूल यहसमवस्तूलेसमतूल दुगुणोएरंडमूलमिलावै विधिसेतीयहकाथवनावै तामोंडारपीवैयवक्ष्यार हृदयपार्श्वकफशूलहिंटार ॥ ततिकफशूलचिकित्सा-

॥ अथपैतिकशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्ष्यारसतीक्षणउष्णविदाही तैलरवांहितिलषलजोषांहि अतिकटुअतिमद्राकुलथानी अतिश्रमलोंकांजीअनुमानी क्रोधषेदरवितापतैंजान अतिमैथुनपित्तशूलप्रगटान

॥ अथपित्तशूललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषामोहदाहउपजावे परसामूर्छाभ्रमप्रगटावे मध्यदिवसअरुआधीरात ग्रीषमशरद कोपप्रगटात शीतवस्तुकोंसेवेजोई पित्तशूलशांतितवहोई स्वादुसीतजोभोजनकरे पित्तशूलतातेंपरिहरे

॥ अथपित्तशूलचिकित्सा

॥ चौपई ॥ प्रथमपटोलइक्षुरसल्याय तिहसोंरुजियेंवमनकराय पीछेंतेंरेचनकरवावै शीतलजल हींस्नानकरावै शीतलनदीतीरवैठावै चंदनादिकोलेपलगावै कांसिपात्रशीतलजलभरै रोगीउदरजुऊपरधरै चंद्रकिरनकोंसेवैसोय शांतीपित्तशूलकीहोय ॥ अथरसः ॥ सेहालवामांसरसपीवै पैतिकशूलशांतितवथीवै क्षीरअवरजोघृतकोपान गुडयवशालीतंडुलमान अवरविरेचनजांगलमास पित्तशूलकोकरहेनास ॥ अविलेह ॥ लाजामधुरलायकरचाटै पित्तशूलकीपीडाकाटै ॥ अथक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ शतावरिभषडेबलामुलठ क्काथकरैंकरइंन्हैइकठ मधुशरकरामिलायजुपीवै पित्तरक्तशूलहतथीवै दाहामिटैअरुज्वरभीनाशै रोगजायतनसुखपरकाशै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाअमलतासमआन क्काथकरैविधिसोंमतिमांन मधुशरकरामिलायापिलावै दाहरक्तपितशूलहटावै ॥ अन्यच ॥ दोइकंड्यारीएरणठान उशीरगोषुरूकरोंमिलान कुशाकासइक्षुकोमूल करैक्काथयहलेसमतूल मधुमिलायकरताहिपिलावै दारुणपित्तशूलभगजावै ॥ अन्यच ॥ कुशाकासजुउशीरमुलठ यहसमऔषधकरोइकठ अर्धक्षीरअर्धजलपाय पीवैयाकोंक्काथवनाय पित्तशूलमिटजावैतास वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ धात्रीफलरसकूटमंगावै कंदविदारीरसतिंहपावै रसअंगूरद्राक्षकोठानं त्रायंतीरसकरोमिलान यहसमरसहिंशरकरापावै पीवैंपित्तशूलमिटजावै जिसकोंछर्दशूलदाहत्रिषाहोवैतिसकाउपाय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ करैयवागूविधिसोंजोय मधुमिलायशीतलकरसोय पीवैयाकोंसुखप्रगटाय छर्दशूलदाहत्रिषजाय ॥ अन्यच ॥ शतावरिरसमधुप्रातपिलाय दाहशूलपित्तमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई हरडपीसकरचूरणकीजै गुडघृतमेलरुजीकोंदजै पित्तशूलकोहोइहैनाश दुःखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच धात्रीफलकोचूरणजोय मधुमिलायचाटैरुजषोय ॥ इतिपित्तशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषजशूललक्षणं ॥

सबकोंलिंगनसमयुतजोय त्रिदोपजशूलजानियेसोय विषवज्रन्यायायहशूलपछानो ग्रंथकारमतकह्योसुमानो

॥ अथत्रिदोपजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ शंखचूर्णहिंगुत्रिकुटाय लवणजुसेंधाताहिमिलाय यहसमचूरणतप्तजलसंग पीवेशूलत्रिदोषजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिद्धगूत्रसोंकरैमनूर त्रिफलाचूरणसमकरपूर मधुघृतमेलजुचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय ॥ अथविलेह ॥ विदारीरसदाडिमरसपाय त्रिकुटालवणलेहुसमभाय मधुमिलायकरचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ एरंडफलअरुएरंडमूल दोइकंड्यारीमुत्थरसमतूल गोषुरपरणीचारअरुवासा सहदेवीइक्षुमूलसमतासा सभयहसमलेक्काथवनावै यवक्षारतांहिमोंपायापिलावै त्रिदोषजशूलहोइतबनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ इतित्रिदोषजाचिकित्सा ॥

॥ अथआममिश्रितशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ आमशूलजोकफकरहोय उदरहृदयमोंइस्थितसोय वमनअफारामुखकफचलै हृद-यरौधहोयपीडामिलै गुडगुडशब्दहृदयमोहोय हृल्लासअवरगुरुतातनजोय कफसमानलक्षणहोयजास-आमशूलसोकियोप्रकाश आमशूलहोइजोमिलवात नाभितलेकरहैउत्पात

॥ अथआममिश्रितशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कफहरऔषधजानोजेति आमशूलमेकरहोतेति आमहरनसवऔषधपावै यावतअ-ग्नीवृद्धिनपावै चित्राधनियांपिपलामूल एरणाअरुसंठीसमतूल करैक्काथसैंधवगुडपाय हिंगुपायजोता-हिपिवाय आमशूलकोहोइहैनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ एरंडविल्वदोनोकंडयारी पाषाणभेदविजौराडारी त्रिकुटालीजैपिपलामूल क्वाथकरैसभलेसमतूल एरणतैलक्षाराहिंगुलवणामिलाय पीवैआमशूलमिटजाय हृदयजुलिंगगुदाकोशूल ऊरूमूंहडेशूलनिरमूल ॥

॥ अथकफवातशूललक्षणं ॥

कफअरवातकेलक्षणयास द्वंदजशूलकियोपरकास वास्तिहृदपार्श्वकंठमोंजान कफअरवातशूलकोमान

॥ अथवातकफद्वंदजशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लसणपीसकरमघसोंपावै वातकफजकृतशूलमिटावै अग्निवधैजुभूखवहुलागै उपजै-सुखद्वंदजउठभागै ॥ अन्यच ॥ अर्धक्षीरअर्द्धजलपाय गुडमघपायततकरपाय वातकफजकुक्षशू-लविनाशै सुखउपजैपीडाउरनाशै ॥ अन्यच ॥ क्षारीजलगुडपिप्पलीपावै पीवैवातकफजमिटजावै सेंधाहरडजवायणपाय सुंठवर्चलेताहिमिलाय समयहूचूर्णततोदकसंग षावैवातकफशूलसुभंग ॥ चौ-पै ॥ आमशूलपित्तसंयुतजोय सर्वउदरपीडाकरैसोय सन्निपातआमहिंमिलजोय उदरसर्वपीडाकरसोय

॥ अथकफपित्तशूललक्षण ॥

॥ चौपै ॥ कुक्षहृदयअरनाभिमंझार कफअरपित्तकोशूलविचार

॥ अथपित्तकफद्वंदजशूलचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ पटोलजुत्रिफलापीससमंगावै क्काथवनायमधीरमिलावै पीवैताकोंउठ परभात शूलपित्तकफकृतमिटजात जोकफवातआममिलजावैं इतनेठोरेंदुःखउपजावै नाभित-लैअरुकंठमंझार हृदयपार्श्वमोंकरैसंचार कफपित्तशूलआमप्रगटावै दाहतापहृदिनाभिकरावै

॥ अथवातपित्तशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दाहअवरज्वरकरैजुनित्त वातपित्तकोशूलसोमित्त ॥ अथशूलउपद्रव ॥ चौपै ॥ अ-तिपीडात्रिष्णाअरुकास हिडकीगुरुतामूर्छास्वास उदरअफारारुचविनलहिये शूलउपद्रवएतेंकहियें।

॥ अथपित्तवातद्वंदजशूलाचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ कुशाकासभषडेजुउशीर कंडयारीदोइठानोधीर इक्षुअवरएरंडकोमूल यहस-भऔषधलेसमतूल क्काथकरैशरकरामधीर पायपीवैसनहोममवीर पित्तवातकृतशूलनसावै वंगसेनमतऐंसेंगावै

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ एकदोषकरसाध्यकहावै कष्टसाध्यदोइदोषजनावै तीनदोषयुतअहैअसाध्य औसैंवरन्योशूलउपाध्य

॥ अथपार्श्वशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफअरमारुतकठेजवै कुक्षिपार्श्वमोस्थितहोयतवै गुडगुडशब्दजुकरैंअफार आमकोरो करखैंसुविचार सूचीन्यायतिसपीडाहोवत मुखपसारकरश्वाससुलेवत कवीआरामनहोवेमनमे दिनरात्रि निद्रानासेतनमे ऐसेलक्षणजिसकेजाने पार्श्वशूलतिसपुरुषकोमाने

अथकुक्षिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कुपितवायुमिलआमकेसाथ अग्निरोकराखैसुनगाथ कुक्षिमेप्राप्तहोयस्थिरात वातशोषस्तंभकरे दिनरातभोजनअन्नपचेतिसनाहि ऊर्धश्वासवहुआवेताहि वारवारपीडितकरहैशूल निद्राबैठणसुखनिर्मूल ऐसेलक्षणजासमेंजानो कुक्षिशूलियहनरहिपछानो वातआमतेउत्पतियास ग्रंथकारमतकियोप्रकास

॥ अथहृदयशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफतेपित्तजुरोकतजाय रसतेंमूर्छितवायूआय सोवायूस्थितहृदयजवहोय तातेंशूलकरैनितसोय ऊर्धश्वासहृदिरोधजनावै हृदयशूलतिसनामकहावै रसअरवाततेंउत्पतिजान वंगसैनमतकह्यासुमाने

॥ अथवस्तिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ संरोधकरवायूकोपैजवै वस्तिनमोस्थितहोवेतवै वस्तिकुक्षनाडिनकौरोकै शूलअत्यंतप्रगटकरसो कैविष्टामूत्रवंधकोकारण वस्तिशूलकरनामउचारण

॥ अथमूत्रशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ मारुतकुपितहोतहैजवै नाभिकुक्षपाइर्वरोकतहैतवै इनरोकनतेंमूत्रनाहिसरै मूत्रशूलवायुसंगधरै

॥ अथकोष्ठशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ रूक्षयअन्नपाननरकरहै मारुतकोपकोष्टजाकरहै रोकतकोष्टइस्थिरतहहोय अग्निवंधकरकोपैसोय नाडिनमोजावंधसुकरै कोष्टशूलनामतिहधरै

॥ अथविट्शूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ दक्षिणकुक्षिवावाईओर पवनसंचारकरहैकुपिशोर सर्वअंगमोविस्तृतहोय आमग्रहणकरफिरहैसोय शीघ्रअंगसवकरैप्रवेश शब्दकरैअतितृषाविशेष भ्रममूर्छादुष्कृतप्रगटावै मूत्रसरैफुनशांतिनआवै विट्शूलीसोप्रगटमहान वैद्यपरमइहकियोवखान

॥ अथसामान्यशूलचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथसहकाथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलविडआनो सैंघातुंमरूइकठेठानो अरुताहींमोंपुष्करमूल चूर्णकरैसभहीसमतूल दसमूलीयवक्राथाहिसंग पीवैहोयशूलसभभंग शूलपाइर्वहृदकटिअ-

रुपीठ तंद्राअपितानकसुनईठ एतेवातशूलमिटजांहि निश्चैमांनोशंसैनांहि अन्यचवातशूलनिरूह अवरविरेचनजानसमूह क्षीरमधुरयुतकीजैपान पित्तशूलकोकरहेहान कटुकतिक्तकरकीजैक्काथ कफजशूलहरहैतिससाथ ॥ अन्यचचूर्ण ॥ चौपई ॥तुंबरूहरडहिंगुयवक्षार तीनोलवणजवायणडार सुंठविडंगजुपुष्करमूल यहसभऔषधलेसमतूल त्रिवीत्रिगुणसंगपीसमिलावै एरंडतैलसोंवटीकरावै तप्तोदकसोंपीवैतास शूलगुल्मवातकफनाश विष्टामूत्ररोधकोशूल एतेशूलहोंहिनिरमूल ॥ अन्यच ॥ हरडतुंबरूहिंगुमिलाय पुष्करमूललवणत्रैपाय यहसमचूरणपीसैकीजै यवकेक्काथसाथनितपीजै शूलसमस्ता गुल्मरुजजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ सौंचलहिंगुसुंठसमआनो पीसोनीकैचूर्णठानै सुंठक्काथसंगपीवैतास शूलवातकफउदरविनाश हृदयपार्श्वपृष्ठकोशूल विष्टामूत्ररोधनिरमूल अवरविसूचीरोगनसाय यातेशूलभगेंमनल्याय ॥ अन्यच ॥ एरणतैलहिंगुसमआने सौंचललवणतासमोंठानै काथसुदशमूलीसंगपीवै अफाराशूलनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरंडइंद्रयवपुष्करमूल हिंगुपतीसवचकरसमतूल करैक्काथव्याधीयोपीवै आमशूलकफकोहतथीवै ॥ अन्यच ॥ विजोरारससुहांजणेंक्काथ मधुयवक्षारपीजियेसाथ पार्श्वहृदयनाभितलशूल पीवतहोइजावैनिरमूल ॥ अथघृत ॥ ॥ चौपै ॥ विजोरेरसमोंघीउपकावै हिंगुलवणसंयुक्तपिलावै उष्णकरेताकोजोपीवै विष्टारोधशूलहतथीवै कुक्षहृदयपार्श्वकोशूल निश्चैजानोहोइनिरमूल ॥ अथभाफ ॥ चौपै ॥ यवपुनर्नवाएरंडआन अलसीबीजकपासहिंठान कांजीसोंसुमिलायउबालै भाफस्वेददेवस्त्रसुधालै वातशूलवृद्धजोहोय यातेंनाशहोइहैंसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपै ॥ मघांसुंठअरुपिपलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल पाययवागूमध्यपकावै पावैशूलहरअग्निवधावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुतुंबरूत्रिकुटापाय जवायणचित्राहरड मिलाय तीनोंलवणजुदोनोंक्षार यहसमचूरणकरोसुधार प्रातःकालतप्तजलसंग शूलविष्टामूत्ररोधहोइभंग ॥ अन्यच ॥ बिल्वमूलएरंडअरुचित्रा सुंठहिंगुसेंधासुनमित्रा चूरणकरैसमसभहिमिलाय तप्तनीरसोंजाकोंषाय शूलव्याधततक्षणमिटजावै दुःखमिटेतनसुखप्रगटावै समस्तशूलमिटजावैंतास बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गोमूत्रसोंहरडपकावे पुनसुकायकरचूरणबनावै लोहचूरणअरुगुडसमभाय षावैसर्वशूलमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चित्राहिंगुकंकुष्टयवक्षार सेंधायहसमचूर्णसुधार विजोरेकोरसपायजुषावै शूलअवरदुःखलिफनसावै ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ सत्तूअरुकटुतैलमिलावै कंबलरोगीपरउोढावै धूपदेयव्याधीकोंजोय शूलनाशतासकोहोय ॥ अन्यच ॥ इनउपायकरशूलनजाय वस्तिकर्मतिसवैद्यकराय वस्तीकर्ममेंतैलप्रमान नारायणीप्रसारणीमान इनतैलनसोंवस्तीकरै सर्वशूलतातेंपरिहरै ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलदोइक्ष्यार पाठाअवरलवणत्रैडार यहसभसमलेचूरणकरै लसुणरसहिंवटकाकरधरै षावैहृदयशूलमिटजाय पार्श्वशूलकुक्षशूलमिटाय ॥ अथएरंडादिघृत ॥ चौपई ॥ एरणमूलदोइकंडयारी गोषुरअरुपुनर्नवाडारी अवरहिंइन्हसभकोलेमूल लेयसुकायपीससमतूल पुनहिंविदारीमहासहा बलाशतावरिक्षुद्रासहा हंसपदीचित्राजुमृणाल जीवकरिषबकुशार्तिहघाल सहदेवीसभकोसममूल काथकरैशास्त्रअनुकूल पादशेषरहैताहिछनावै विजोरेकोरससमजुमिलावै ताकेसमघृतपायपकाय षाययथाबलहर्षबढाय सर्वप्रकारशूलहोयनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश यहघृतकृष्णत्रयारिषिकह्यो लोकाहितारथयाकोंलह्यो ॥ अथबीजपूरादिघृत ॥ ॥ चौपई ॥ बीजपूररहसनअरुबला एरंडगोषरपंचपंचपला प्रस्थएकयवजलमोपाय द्रोणएकपरिमा-

णधराय काथपादशेषजबरहै कर्षकर्षयहऔषधगहै तुंबुरूहरडहिंगुत्रिकुटाय सौंचलविडसैंधापुनषाय यवकोनीरजोसज्जीक्षार अमलवेतयहसभसमडार प्रस्थएकघृततामोपावै प्रस्थएकदधिमंडामिलावै मंदअग्नि सोंताहिपकाय देषेआपनोबलतिसषाय वातशूलत्रिदोषजशूल पार्श्वशूलह्वोवैनिरमूल शूलकलेजेकोमिटजावै आंत्रशूललिफगुल्ममिटावै यहघृतयाज्ञवल्क्यमुनिभाष्यो लोकनकोहितउरधरआष्यो ॥ अथशूलघृत ॥ ॥ चौपई ॥ जितोप्रमाणप्रथमघृतआनै चतुर्गुणरसजुविजोराठानै वदरीफलअरमूलीमूल इनकाकाथपायसमतूल तासमदाडिमकोरसपावै पुनयहचूरणताहिमिलावै विडंगयवायणलवणजुक्षार पंचकोलतामोपुनडार अरुपावैपाठाकोमूल यहचूरणठानोसमतूल मंदअग्निसंगताहिपकावै बलअनुसारताहिकोषावै हृदयपार्श्वशूलमिटजाय श्वासकासहिडकीनरहाय गुल्मअफाराअवरप्रमेह अर्शवातव्याधमिटतेह ॥ इतिसामान्यशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथप्रणामशूलनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ जोनिदानशूलमोंकहिये सोऊप्रणामशूलमोंलहिये इन्हकरवातकुपतजुसदाई रहैसमीपनदूरकदाई कफपित्तआश्रयहोयसोवात शूलसुकरहैदुःखउपजात भुक्तअन्नपचणेतेआद होतप्रणामहिशूलविषाद ॥

॥ अथलक्षणम् ॥

चौपै उदरअफारापीडाहोय कंपपुरीपमूत्रवंधसोय इन्हलक्षणकरलषोसुजान शांतिसानिग्धउष्णाभक्षमान यहवातजप्रणामहैशूल पैतिककोयोंभाषोमूल पीडादाहतृट्स्वेदतनमानो सलवणअमलकटुपायेजानो सीतलवस्तूतेंसुखहोय पित्तपरिणामजानियेसोय कफजप्रणामशूलयोंलहिये छर्दमोहहृदरोधभनैये पडाशूलअल्पसोहोय दीरघकालरहैहैसोय कटुतिक्तकषायहोयतिससांत कफजप्रणामलषोइसभांत मिलतचिन्हजांहूमोंलहियें प्रणामशूलत्रिदोषजकहिये

॥ अथप्रणामशूलअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रणामशूलत्रिदोषजजोय क्षीणमांसबलअग्निजोहोय सोअसाध्यमनमांहिलहीजै इन्हलक्षणतेंसमुझपतीजै

॥ अथप्रणामशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रथमजुलंघनरुजियेकराय वमनविरेचनपाछेवनाय वस्तिकर्मपाछेकरलीजै इसविधरुजकोनाशकरीजै

॥ अथवमनप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ रसतरुनिंबाहिंवमनकरावे वाकटुतुंबीरसलषपावे वापटोलपत्रनरससाथ वाजुकरेलेरसुनगाथ अथवासंगमोचरसजान काथमैनफलसाथपछान काथमैनफलदुग्धरलावै ताकेसंगजुवकमनरावे अरुरेचनकरवावैतास सोऔषधकरिहोयरकाश

॥ अथरेचनविधि ॥

॥ चौपै ॥ दंतीत्रिवीजुएरंडतेल रेचनकरवावैयहमेल अन्यच श्यामातृवीजुदंतीआनै अम्लतासुंठकौड जुठानै हरडनीलिकाचूरणकीजै एरंडतैलवातिलसोपीजै होयविरेचनतिसकेसाथ नाशप्रणामशूलसुनगाथ

॥ अथविडंगादिमोदक ॥

चौपै ॥ विडंगकूटतंडुलत्रिविलीजै त्रिकुटाचित्रादंतीसमकीजै चूरणकरगुडसाथामिलाय यथा-वलतासगुटीवंधवाय प्रातकालतप्तजलसंग खायप्रणामशूलहोइभंग अग्निवधैवहुभूषलगावै ऐसो-ताकोगुणदरसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठअवरगुडजहसमलेय कूटकृष्णतिलसाथमिलेय दुग्धसाथत्रैरातप्रयंत पायप्रणामशूलकोअंत ॥ अथचूर्ण ॥ एरणफुलचित्राअरुगोषर अरुपुनर्नवापीसत्ताहिधर सीपीभस्मतास-मोदेय यहसभसमकोचूर्णकरेय दधिमिलायतप्तोदकसंग पीवैप्रणामशूलहोइभंग ॥ अन्यच ॥ केव-लसीपीभस्मकरावै तप्तनीरसोप्रातपिलावै प्रणामशूलभाग्योकहुजावै औसोगुणताकोदरशावै ॥ अन्यच ॥ सपीभस्मपुनात्रिकुटालीजै पांचलवणसमचूरणकीजै वागुटकाकरप्रातहिंषाय भोजनस मयतप्तजलभाय होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैसुखकरैप्रकाश ॥ अन्यच ॥ विष्णुक्रांतकोमूलपिसावै घृतशरकराजुताहिरलावै दुग्धसाथपीवैनरजोय नाशप्रणामशूलकोहोय ॥ अ-थसंवूकादिमोदक ॥ चौपै ॥ सीपीभस्मतीनपलआन दोयपललोहचूरणतिंहठान रसोंतएकपलपलजु-मनूर सभकेसमजुशरकरापूर मधुमिलायमोदकयहकरै षायप्रणामशूलयहहरै गुल्महृदयकोशूलमिटावै शोथपार्श्वशूलनरहावै उदरशूलभ्रमअर्शविनाशै कामकृच्छ्रप्रमेहजुनाशै अंडवृद्धअश्मरीविडारै स्मृती-भ्रंशपीनसकोटारै अर्धशिरामंदाग्निहोएदूर एतेरोगकरैयहचूर ॥ अथकृष्णादिलेह ॥ चौपै ॥ मघांहरी-डलोहकोचूरण यहसममधुघृतसोंकरपूरण नितचाटैप्रणामकोशूल निश्चैजानोहोइनिरमूल ॥ अथपथ्या-दिलेह ॥ पथ्यासुंठलोहकोचूरण चाटैसमघृतमधुकरपूरण होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैतनसुख-परकाश ॥ त्रिफलादिलेह ॥ चौपै ॥ त्रिफलालोहचूरणजुमुलठ मधुघृतसोंसमकरोइकठ प्रातहिंउठ-नितचाटैतास होईप्रणामशूलकोनाश ॥ अथचतुषसमलेह ॥ चौपै ॥ अभ्रकताम्रलोहअरपारा पलप-लयहलीजिंसुनप्यारा इन्हकोंशोधमारकरलीजै द्वादशपलघृतमोसुमिलीजै अरुद्वादशपलदुग्धमिलावै मंदअग्निसंगताहिपकावै पाछेंत्रिफलाचित्राआन त्रिकुटाअवरविडंगपछान यहपलपलतिहपीसरलावै सुंदरवासनमाहिधरावै शुभदिनपूज्यसूर्यगुरुलेय मद्यघृतमधुसोंपानकरेय मासाइकप्रथमहिंदिनपावैं मा-सेअष्टतकताहिवधावै नलेररसवापयअनुपान इन्हसोंषावैवडीविहान पुरातनवासमतीकेचावल दुग्ध-साथषावैजुयथाबल अथबामांसरसेकेसाथ षावैपथ्यलहोयहगाथ प्रणामशूलहृदयकोशूल पार्श्व-शूलहोवैनिरमूल आमवातकफशूलविनाशै गुल्मशूललिफशूलहिंनाशै मंदाग्निक्षईकलेजेशूल कुष्टश्वा-सकोनाशैमूल कासविचर्चिकापथरीजाय मुत्रकृच्छ्ररुजनाहिरहाय ॥ अथभक्तवारीगुटका ॥ चौपै ॥ त्रि-वीजुचित्रात्रिफलाआन त्रिकुटामुत्थरसमलेठान यहसमभागपीसलेधरो अर्धभागपारातिंहकरो अभ्र-कवायविडंगहिमान द्विगुणभागताकोंतिहठान अर्धभागफुनगंधकपावै लोहचूर्णदोभागरलावै पीस-इकत्रकरइन्हकोसांधे त्रिफलाकाथसोगुटकेबांधे भक्तउवालजलसोंयोजान गुटकाषावैवलअनुमान प्रणामशूलअरुपक्तीशूल त्रिदोषजशूलहोयनिरमूल अमलपित्तछर्दज्वरनाशै कुक्षशूलहृदिशूलविनाशै

पार्श्वशूलनाभीतलशूल गुदाशूलकासानिरमूल श्वासकुष्टग्रहणीहोइदूर कलेजेलिफशूलहोइचूर राजयक्ष्म रोगनरहावै रोगजांहिष्याधीसुखपावै ॥ अथसमुद्रादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ समुद्रलवणसेंधादोइक्ष्यार सौंचल-हिंगुअवराविडडार दंतीलोहचूर्णजुमनूर अभरकात्रिवीसमपीसोपूर दधिगोमूत्रचतुर्गुणपाय दुग्धच-तुर्गुणपायपकाय मंदअग्निसंगताहिपकावै यथावलतत्तोषसंगषावै पथ्यसमांसरसघृतसोंषाय प्रणा-मशूलहृदशूलमिटाय नाभिशूलजुकलेजेशूल गुल्मशूलकोनाशैमूल शूलसमस्तलिफहरैसोय ऐसीऔ-षधअवरनकोय ॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपै ॥ पिप्पलीगुडघृतयहसमलेय दुग्धचतुर्गुणतामोदेय पुनदधिगूत्रदुग्धकेसाथ पकावेघृतपुनसुनयहगाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै षायप्रणामशूलमिटजावै ॥ अन्यच ॥ पिप्पलीघृत मघकोकल्कअरकीजैक्काथ घृतजुपकावैताकेसाथ सोघृतमधुयुतदुग्धसंगपान प्रणामशूलकोकरहेहान ॥ अन्यच ॥ मघकोकल्कअरक्काथकराय घृतअरक्षीरसमतासमिलाय मंद-अग्निसोंताहिपकावै षावैशूलप्रणामहिजावै ॥ अथलोहगुटका ॥ चोपई ॥ लोहचूर्णभागलेतीन तीनभाग-त्रिफलापरवीन अष्टभागगुडसंगमिलावै चतुर्गुणगुडतेंगूत्रलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय गुटकाबांधैसुष्टब-नाय गुटकानित्ययथाबलषावै प्रणामशूलततक्षणभगजावै ॥ अथभीमवटकमंडूर॥ चौपै ॥ मघांसुंठाचि-त्रायवक्ष्यार कंकोलीपिप्पलामूलसुडार यहसमस्तपलपलइकलीजै सभसममंडूरतांहिमोंदीजै गूत्रअष्ट गुणपायपकाय चारटंककोवटकबनाय भोजनअंतप्रथमतिसषावै भोजनसभीजुषायपचावै घृतवादुग्धमां सरसजान ऊैषधषावैइन्हअनुपान प्रणामशूलततक्षणहोइनाश समस्तप्रकारशूलसुविनाश

॥ अथक्षीरमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ मंडूरअष्टपलतोलमंगाय आढिकइकगोमूत्रामिलाय प्रस्थदुग्धमोपायपकावै षायप्रणाम-शूलमिटजावै

॥ अथशतावरीमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ अष्टपलशुद्धमडूरमगावै रसशतावरीअष्टपलपावै दुग्धअवरदधियहजोदोय अष्टअष्ट-पलपावेसोय गोघृतपावैपलजोचार पकायलेयधरपात्रसुधार प्रथमहिंअरुभोजनकेअंत बलअनुसारषा-यलषतंत प्रणामशूलअरुसभहीशूल निश्चैजांनोहोइनिरमूल

॥ अथमंडूरशुद्धकरणविधि ॥

॥ चौपई ॥ सातवारमंडूरतपावै तपायतपायदुग्धमेंपावै सोमंडूरशुद्धभयेजान सभऔषदमोताकोठान-

॥ अथतारामंडूर ॥

॥चौपई ॥ विडंगचवकाचित्रात्रिफलाय अरुत्रिकुटाकोतामोंपाय तिहलेसममंडूरमिलावै गूत्रदु-गुणतासमगुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय सनिग्धपात्रमोंधरैबनाय भोजनप्रथमअंतपुनषावै बलअ-नुसारषायसुखपावै सर्वप्रकारशूलहोइनाश पांडुकामलाशोथविनाश मंदअग्निक्रमअर्शनिवारै ग्रहणीगुल्म अमलपित्तटारै अवरस्थूलताताकीजाय शुष्कशाककटुअमलनषाय दाहकअवरजुवस्तुअनेक षावैना-हिसुधारविवेक यहमंडूरतारानेकह्यो लोकहितारथयांकोलह्यो ॥ अथत्रिकुटादिमंडूर ॥ चौपई ॥ त्रिकु-टात्रिफलाचवकविडंगि चित्राजीरामुस्थरश्रृंगि कलौंजीधानियांअरुसुरदार तुवुरूदंतीग्रंथिकडार गज-

पीपलअरुत्रिवीमिलावै एलादालचीनीपुनपावै लोहचूर्णअरुपत्रतमाल यहसभअर्धअर्धपलडाल गंध-कपाषाणभेदअरुकेसर कर्षकर्षयहऔषधातेंहधर पलपचीसशुद्धमंडूर सूक्ष्मपीसकरोसोचूर प्रस्थआम-लेकोरसठान प्रस्थभंगुरारसपहिचान गुडाअष्टपलपायपकावै मंदअग्निसोसिद्धकरावै याकोंनित्ययथाबलषाय प्रणामशूलआदिकनरहाय ग्रहणीगुल्मलिफरुमनाशैं पांडुकामलाअर्शविनाशैं कुष्टशोफस्थूलताजावै अरुचिवातपित्तकफनरहावै अंधकारज्योंसूर्यप्रकाश तैसेंरोगहोंहियहनाश ॥ अथनारकेललवण ॥ चौपई ॥ नारकैलकोदुग्धकढावै तामोलवणसुपायमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय षायप्रणामशूलमिटजाय ॥ अथलोहगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथूविडंग पुष्करवरचमुलठीसंग अरुचित्रायहसभसमआन इकइकपलइन्हकोपरिमान लोहचूर्णअष्टपललेय गुग्गुलुचूर्णअष्टपलदेय सभयहपीसेमधूमिलाय चाटेप्रातप्रणामनसाय पांडुहलीमकशोथाविनाशैं आमवातविष्मज्वरनाशैं गुल्मरोगकोंहोइहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथआमलकषंड ॥ चौपई ॥ अर्धतुलाकूष्मांडउबालै नपीडपायघृतभुंनधरावै अर्धतुलाभरषंडमिलाय अर्धप्रस्थआमलरसपाय प्रस्थकूष्मांडरसठान मंदअग्निसोंकरोपकान पाकऊपरहींआवैजवै दोइदोइपलयहपावैतवै मघपीपलसुंठीअरुजीरा पीसपायतामोसुनवीरा तालीसपत्रामरचांअरुमुस्थर चतुर्जातयहइकइकपलधर अर्धप्रस्थमाष्योंसुमिलाय राषैनित्ययथाबलषाय प्रणामशूलत्रिदोषजशूल अमलपित्तछर्दनिरमूल मूर्छाश्वासकासमिटजावै अवरअरुचहृदशूलमिटावै पृष्टशूलरक्तपित्तनाशै बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशै यहऔषधजुरसायणजान निश्चैमनमोयाकोंठान ॥ इतिप्रणामशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअन्नद्रवशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पचैंअपचैंअन्नजोरहै पथ्यअपथ्यमांहिजोलहै भोजनविनभोजनहोइजोई नेमसहितनितउपजेवोई अन्नद्रवसोशूलकहायो योंनिदानमतभाषसुनयों ॥ दोहा ॥ शूलऔशूलप्रणामकोंविवरोकह्योसुनाय जेसेंकह्योंनिदानमोंभाषारचेबिनाय.

॥ अथअन्नद्रवशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअन्नद्रवशूललषावै वमनश्रेष्टताकोंलषपावै कफजअन्नद्रवशूलजुहोय रेचनकरवावैनरसोय आमस्थानशुद्धहोइजवै अन्नद्रवशूलशांतिहोइतवै ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकोचूरणकीजै मुलठीलोहचूर्णसमदीजै मधुमिलायकरचाटैजोय अन्नद्रवशूलशांतितवहोय ॥ अन्यच ॥ अन्नद्रवशूलयुक्तनरजोय तवतकस्वस्थनाहितिसहोय यवतकअन्नअम्लकटुपीत छर्दयनाहिनसुनयहमीत ॥ अथसत्तूप्रकार ॥ चौपई ॥ सांडकतंडुलभूनपिसावै वाकोद्रवतंडुलमनल्यावैं वाकंगुणीकेचावलमान इन्हकेसत्तूकरैसुजान दुग्धशरकरापायसुषावै अन्नद्रवशूलतुरतमिटजावै कोद्रवसांडककंगुनील्याय इनकेतंडुलशुद्धकराय दुग्धसाथजोक्षीरवनावै खावैअन्नद्रवशूलनसावै ॥ अन्यच ॥ पित्तअधिकतैंजाकोंहोय यवलाजासत्तूकरसोय पायशरकरापावैतास अन्नद्रवशूलहोइतौनाश ॥ अन्यच ॥ कफीकुलथवाचणेपिसावै षंडमेलकरसमयहषावै अन्नद्रवशूलहोइहैनाश दुःखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ लेपटोलकोकीजेकाथ चणेसत्तूषावैतिससाथ अन्नद्रवशूलनिवारणहोय निश्चैमनमोंजानोसोय ॥ अन्यच ॥ कनक-

सत्तूकीमांडकरावै घृतगुडपायजुरोगीषावै अन्नद्रवशूलहोइहैशांत निश्चैमानोयहवृत्तांत ॥ अन्यच ॥ इक्षुरसअरशर्करापाय दुग्धद्राक्षरसतासमिलाय विधिवतपीवैताकोजोय अन्नद्रवशूलशांतितिसहोय मूत्रकृच्छ्रअरुअस्मरीनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यउपाय ॥ कूष्मांडसमगुडजुमिलावै षायअन्नद्रवशूलमिटावै ॥ अन्यच ॥ शूरणकंदकोचूरणकीजै ताकेसमगुडतामोदीजै निज-वलदेषताहुकोंषाय अन्नद्रवशूलतुरतमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेनिंबके-पत्तर यहसमचूरणकरोइकत्तर गुडामिलायकरयांकोषावै अन्नद्रवशूलतासकोजावै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाआनोअवरमंडूर समलेपीसोकरहोचूर मधुमिलायकरचाटैसोय शांतिअन्नद्रवशूलसुहोय गुडहरीतकीआमलेजान पलपलइनकालेजुप्रमान मंडूरपलत्रयतासमोपाय मधुघृतलीजेताहिमिलाय अक्षप्रमाणखावैनितजोय अन्नद्रवशूलशांतितिसहोय हारितपित्तअम्लपित्तकोनासन प्रणामशूलजोव पेविनासन ॥ अन्यच ॥ कलापचूर्णदोइभागपिसावै मंडूरचूर्णइकभागमिलावै करेलेरससों मर्दनकरै कर्षप्रमाणगुटकाकरधरै षायअन्नद्रवशूलनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय यापरश्रेष्टपुरातन-घीय निश्चैजानोअपनेजीय ॥ इतिअन्नद्रवशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शूलअवरप्रणामशूल कीकरीचिकित्सागान आगेयाकेपथअपथभाषोंसुनोंसुजान ॥ इतिशूलप्रणामशूलअन्नद्रवशूल-चिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथसमस्तशूलरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलरोगकेपथअपथतिन्हकोसकलप्रकार सुनहुचतुरमनमेधरोविधिसोंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ वमनाविरेचनानिद्रास्वेद लंघनतैलमांडलपभेद तप्तदुग्धवनमृगपक्षिणमास वर्षपुरातन शालीतास पाचनवस्तुसमस्तपछांनो पटोलसुहांजणाबाथूमांनो वृंताककरेलेद्राक्षभनीजै कपित्थ-तैलएरंडलषीजै समुद्रलवणविडलवणप्रमाण सौंचललवणहिंगुपुनजान लसणलौंगतप्तजलजोय जंभीरीरसगुडकुठसोय लघुअरुक्षारवस्तुहैजेती सहितजवायणपथलषतेती ॥ दोहा॥ ॥ शूलरो-गकेपथजितेसभैहीकहैसुनाय वरनोंसकलअपथ्य अबसुनहोमनचितलाय ॥ दोहा ॥ कुष्टीम-त्स्यशूलीद्विदल क्षयीकोंइस्त्रीभोग यहसेवैरुजवृद्धहोय तातैंवरजनयोग ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै - विरुद्धअन्नपानलषपावो दृढआसनजागरणसुनावो शीतलगुरुवस्तूकोभोजन मैथुनशोकक्रोधलहु-सोजन विष्टामूत्रवेगकोरोकन अरुव्यायामअपथ्यलषोमन ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुशूलकेभाषेभली-प्रकार सुनसमुझोमनलायकैवैद्यसदाउरधार इतिशूलरोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शूलरोग वरननकियोप्रथमाहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिशूलप्रणामशूलादिकरोगम्

॥ अथशूलरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ आचार्य्यपंडितगुरुनार तांहित्रियासंगकरैंसंचार सोनरभोगैअधिककलेश रोगशूल-तिंहकरैप्रवेश ॥

अथउपाय चौपै ॥ पात्रसुवर्णवाचांदीतामर तामोरतननौधरैइकत्र नवग्रहकाजपहोमहिकरै विधिविधानसों यज्ञशुभधरै ताहिपात्रदेवैद्विजदान रोगशूलहोयतिहहान ॥ दोहा ॥ शूलरोगवरननाकेयोकारण-सहितउपाय गुल्मरोगवरननकरोसोसुनलेमनलाय ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथशूलरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ अष्टमहोइजुचंद्रमाकर्कटमंगलवास दृष्टीहोवेचंदपरंमगलकीपरतास सोनरकारणइहकरेचं-दपूजसनमान मंगलपूजाविधिकरेशूलरोगहोइहान ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारसोजफिफरेदी ॥

॥ चौपई ॥ सोजफिफरेवीचपछांनो जातुलरीहनामकरमांनो मौरकानामतापसंगहोई कठिनश्वासतंगीकेसोई गल्लांलालरंगकीताही फिफरेछातिपीडानाही जातुलजंबपीडप्रघटावे सज्जीभुजतेंरुधिरछुडावे पछमारकरसिंगीसोई हुकनारेचककरसुखहोई मैदाखंडगावघृतपावे लापसीदूधहरीराखावे ॥

॥ अथरोगपीडाद्रूणीकी ॥

॥ चौपई पसलीपीडाद्रूणीकहिए जातुलजंवफारसीलहिए सोजरुधिरकफहूंकीजांनो अथवा-सोजापित्तकीमांनो पसलीकाइकपडदाहोई कलेजेसंगमिलाहैसोई तहांसोजपीडाप्रघटावे सोप्रयतनकरदूरहटावे नागरकुठगिलोईआंनो नागरमोथाचंदनठांनो वालासोसनकीजढल्यावे पतीसकौड-तासंगरलावे साडेत्रैत्रैमासेल्याय चारसेरजलक्काथवनाय एकसेरजवहीरहजावे पुनकरमिसरीमेलपि-लावे जेकरतापदूरनाहोई ताहियतनहुकनाकरसोई जेकरसोजावाहिरआवे पसलीऊपरलालदिखावे ऊपरलेपकरेसुखहोई वैठेवापकजावेसोई राईईसवंदवाल्यावे वाकिकरजढलेपकरावे मूसलीजढ-चिटीहैसोई खजूरागिटकवामेथीहोई करेलेपवामर्दनभावे सोजदूरवायक्ष्मदिखावे यक्ष्महोएतवऐसाकीजे मखीरयक्ष्मकेवीचहिंदीजें सकलदोषवाहिरउठआवे वदांमखरवूजाखंडखुलावे पालकसिरका-वाकलाजोई ऐसाभोजनअतिहितहोई शिरऊपरजलकवहुंनपावे सोहांनीकरखेदंदिखावे जेकरद्रूणीकफकीहोई पीडाकाःलीकमतीसोई तीक्षणहुकनाताहिकरावे मुनक्कासौंफअंजीरमंगावे चौदाचौ-दामासेलीजे आठसेरजलतामेदीजे एकोसेरक्काथरहजावे पीवेकफजपीडहटजावे द्रूणीरुधिरदग्धकरजांनो पीडाअधिकतापसंगमांनो ऐसाभेदअसाध्यकहावे रुधिरछोडवादाघलगावे सकलभेदकीपीडाहारिए विनायतनकैसेंसुखकरिए ॥

॥ अथरोगकरडीसोजफिफरेदी ॥

॥ चौपै ॥ करडीसोजफिफरेहोई दवीलासुसनामाकहुसोई दूसरनामवर्मसुसजांनो करडीसोजपीडसंगमांनो पीलारंगदेहकाहोई उठकरआपचलेनहिसोई थोडातापसंगहोजावे वासलीककारुधिरछुडावे पछकरेगुरदेपरसोई ढाईपसलीऊपरहोई करेयतनदुखदूरनमांनो ताहियतनऐसापहचांनो-आदितवारसूत्रलेकोई नीचेकमरलपेटेसोई गोडेतकदृढवंधनपावे करेयतनदुखदूरहटावे जैसेंधनुष-खैंचकरकोई लपेटेवंधनतैसाहोई खवीर्पिनीपछकरावे श्यामरुधिरअतिहींनिकसावे लालरुधिरनि-कसावेजवाहीं खोलेसूत्रताहिछिनतवाहीं खिचडीभोजनताहिखुलावे सातवारइहयतनकरावे करेय-तनदुखदूरनहोई करेदोखाफिफरेपरसोई जढअसगंधताहिमंगवावे तुंमेकीजढसंगरलावे पीसे-रसवांसासंगपाय पीवेसोजताहिछिनजाय सर्षपरगडनीरसंगसोई करेलेपफिफरेसुखहोई एक-

भारपुटकडाल्यावे छायावीचसुकायजलावे घडाएकछिद्रकरनीचे भस्मसोईधरताहूवीचे नीचे औरघडाइकहोई ऊपरवस्त्रताहुपरसोई तौफुनिभस्मवीचजलपावे चौत्र्याविधिवतनीचेत्र्यावे दिव सतींनलगऐसाकारिए टपकाजलअगनीपरधरिए जलेनीरसघनाहोजावे तौफुनिऔषधऔरमिलावे सिंधूलूणसेरइकलीजें सज्जीपाउोऐकभरदीजें नुसादरआधसेरसंगपाय आधसेरजौखारमिलाय धनि-आत्रिफलाजीराल्यावे अजुआंइनमुत्थरत्रिकुटापावे वावडिंगमुत्थरसंगपाय तोलाडेडडेडमंगवाय-राईआधसेरसंगपावे करचूरनफक्कीनितखावे तोलाडूडनिताप्रतिसोई सेवेसोजफिफरेखोई तिली-जिगरकीसोजहटावे गोलापेटजलोदरजावे गोघृतअथवासंगरलावे सेवेसकलसोजहटजावे-सोरेकाफुनिलूणमंगावे लोहेपात्रमेपायपकावे काचपात्रमेराखोसोई सेवेप्रातदोषहरहोई सज्जी त्रिकुटाताहिमंगावे जौखारचित्रासंगपावे सरहलवीजमंगावेसोई सीसालूणताहिसंगहोई समुंदर लूणसोईसंगपावे तोलाडेडडेडसमल्यावे करइकत्रचूरनहितहोई तोलाडूडसेविएसोई गोघृत-तोलेतीनमिलावे प्रतिदिनसेवसोजहटजावे सोजापीडफिफरेजोहोई करेयतनहटजावेसोई ॥

॥ अथरोगहृदयपीडा ॥

॥ चौपै ॥ हृदेवीचजवपीडालहिए दर्ददिलनामफारसीकहिए सनौवरीसकलहृदेमेजांनो-पीडातहांअसाध्यपछांनो औरहेतुकरपीडाहोई आमाशयदोषऔरवाकोई हृदेवीजगरमीलखपावे लक्षणतापपीडप्रघटावे ऊचास्वासलंवेराहोई करेयतनहटजावेसोई सज्जीभुजतेंरुधिरछुडावे अंमल तासलैंरेचकभावे कद्दूतरखीराजोहोई इनकाजलपीवेनरसोई हिंदुआनेकाजलताहिपिलावे ऐसे-सीतलनीरसुखावे धनिआपुष्पगुलावमंगावे वंशलोचनताहूसंगपावे सतसतमासेलीजोसोई कपूर एकमासासंगहोई करइकत्रफक्कीवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे गोकीछाछपिलावेकोई वानिंवू रसअतिहितहोई मुलठीतवासीरमंगवावे आमलेत्रैत्रैतोलेपावे वूकामोतिआनोसोई साडेत्रैमासे हितहोई करइकत्रचूरनवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे सीतलजलसोंसेवनकरिए हृदयपीडताही-छिनहरिए रोगीसवलवैद्यलखपावे गर्मनीरमेताहिविठावे अजादूधगोकामंगवावे तिरिआदूध गधीकापावे करइकत्रपीवेनरकोई प्राताकालहृदेसुखहोई तपेदिककायतनपछांनो सोई-कराहिरदेसुखमांनो सरदीतरीअधकहैजाको करेवमनसुखहोवतताको जेकरखुशकीअधकदिखावे-मिसरीघृतवाखंडखुलावे ॥

॥ ५५ ॥ अथरोगसंभ्रमहृदेका ॥

॥ चौपै ॥ तपेहृदाअतिखेददिखावे रहेतापमनव्याकुलभावे गरमीअधकहृदेमेहोई तपे-हृदासंभ्रमलखसोई दोषकलेजेहोवतजाको हृदेपहुंचदुखहोवतताको वाआमासयदोषजोहोई-निकसेहुआडकोपकरसोई तपेहृदासंभ्रमतवजांनो वामभागपरपीडामांनो असाध्यरोगताहीकर होई करेयतनहटजवेसोई दोतोलेकाहजुआंनमंगावे कपूरमुंगजढसंगरलावे वूकामोतीआ-नोसोई कबारेसमतासंगहोई दसदसमासेतोलमिलावे डिडतोलागिलइरमनीपावे फडकडी-

भुनदसमासेपाय दसमासेधनिश्रताहिरलाय वंजिसभालूमुत्थरश्रांनो तवासीरसोसंगपछांनो सत सतमासेतोलमिलाय दोमासेताहिकपूररलाय पीसछानचूरनजवहोई मासेसातसेविएसोई मिस रीसर्वतचासवनावे ताहिसंगसेवेसुखपावे औरनेकविधऔषधहोई सेवनकरेहरेदुखसोई आमास-यनिर्वललखपावे ताहियतनकरदोषहटावे आमासयशुद्धकलेजाहोई करेयतनदुखत्यागेसोई ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांशूलरोगाधिकारकथनंनामएकोनात्रिंशो ऽधिकारः २९
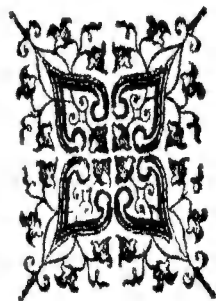
॥ अथगुल्मरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गुल्मनिदानवषानहो सुनलीजैचितधार समुझचिकित्साजोकरै होयनदेहाविकार ॥ चौपई ॥ दुष्टदोषवातादिकहावै मिथ्याहारविहारलषावै पांचप्रकारगुल्मउपजावत ग्रंथीरूपउदरप्रगटावत सीतगुल्मकेपांचोस्थान पार्श्वहृदयनाभिथलमान नाभीतलेभी गोलाहोय हृदयनाभिमध्यलषसोय ग्रंथरूपवर्तुलसोकहिये चलभीहोयअचलपुनलहिये वातपित्तकफतैहोइसोय सन्निपाततेंभी सोहोय पुरुषनकोयहचारप्रकार रक्तहुतेंइस्त्रियकोविचार ऐसेंपांचप्रकारवषाने नारीपुरषनकोंलषमाने ॥ अथगुल्मपूर्वरूपं ॥ चौपई ॥ वहुतडिकारवहुतविष्टाऊ त्रिष्णाराहैअसमर्थलषाऊ आंद्राकूजअफारारहै गुडगडशब्दउदरजिसगहै अन्नपाककीशक्तिनहोय पूर्वरूपतिसजानोसोय ।

॥ अथगुल्मसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अरुचीअवरआनाहपछान विष्टामूत्रजोकष्टसोंजान तातेंजानलहोसवकोय अंतरकूजनताकोहोय पवनगतीऊर्धगतजोइ इहलक्षणगुल्मीकेहोइ ॥

॥ अथवातजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपई ॥ अधिकरौष्यअन्नअरुपान समर्थविरुद्धजुचेष्टाठान विष्टादिवेगरोकनतहोवत वहुरेचनमलक्षयतैजोवत शोकअवरजोव्रतनिरहार इन्हतेवातजगुल्मविचार अरअभिघातहुतेंभीजान वातजगुल्मसुकीनवषान ॥

॥ अथवातजगुल्मरूपं ॥

॥ चौपई ॥ रहेकदाचितनाभिमंझार पार्श्वकदाचितकरैसंचार कवहूंनाभीतलेउठधावै अल्पकदाचितवडोलषावै वर्तुलकभीदीरघकभिहोय अल्पकाभिबहुपीडतसोय गलमुखसूकेदेहीस्याह लालरंगभीहोवैताह सीतज्वरहोवेतिसहिमंझार कुक्षपार्श्वमुंहढेदुखकार भोजनपचैकोपकोधरै भोजनकियेमृदुलताकरै कटुतीक्ष्णकषायजोषावै वातजगुल्मदुखउपजावै ॥

॥ अथवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजगुल्मयासलषपावै वैद्यस्वेदास्विन्नतासकरावे अवरास्निग्धजुरेचनजाने वस्तिनिरूहअनुवासनमाने वीजपूरकोरसानिकसावै विडसेंधादाडिमहिंगूपावै यहसमसुरामंडसोंपीवै वातजगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ अर्धपलसुंठदोयपलचित्रा पलपलतिलगुडकरोइकत्रा तप्तदुग्धसोपीवैजोय गुल्मउदावर्त्तशूलहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हिंगुदाडिमसौचलअरुनागर अमलवेतयहपीसोसमकर प्रातहिउठजोयाकोषाय गुल्मश्वासहृदरोगमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सज्जीकुठकेतकीयवक्षार यहसमलीजैपीससुधार तिलनतैलसोपीवैजोय वातजगुल्मनाशतवहोय ॥ अन्यउपाय ॥ एरंडतैलसममद्यमिलाय पीवैगुल्मवातामिटजाय ॥ अन्यच ॥ वाएरंडतैलदुग्धसोंपीवै वातजगुल्मनाशतवथीवै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ शिलाजीतअवरयवक्षार यहसमचूरणकरैसुधार पंचमूलक्वाथकेसंग पीवैवातगुल्महोइभंग त्रिफलात्रिकुटाचवकाविडंग चित्रा-

धनियालेसमसंग दशमूलीकोकीजैक्काथ यहचूरणदींजैतिससाथ यथाक्रमगोघृततासामिलाय मंदअग्निसोंताहिपकाय यथाबलघृतकोकीजैपान वातरोगकोकरहैहान वातगुल्मकोहोइहैनाश निश्चयमनमोंआनोतास ॥ अथहविषादिघृत ॥ चौपई ॥ हौवेरचित्रात्रिकुटाय चवककलौंजीसेंधापाय जवायणजीरापिपलामूल यहऔषधलीजैसमतूल चतुर्गुणघृतमोंपायपकावै यवक्ष्यारसंगपीवैदुखजावै पीवैवदरीमूलरससंग वादधिदाडिमरसदुखभंग वातजगुल्मअफाराशूल योनिरोगअर्शनिरमूल-पार्श्वहृदयकोशूलनसावै ग्रहणीश्वासकासमिटजावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिकुटा सेंधालीजै चवककलौंजीदाडिमदीजै जवायणचित्रापिपलामूल हौवेरधनियांसमतूल इन्हकेसमदधिकांजीपाय वेरमूलरसताहिमिलाय चतुर्गुणघृतसभतैंजुमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै षावैवातजगुल्मनसाय मंदाग्निअफारशूलदुखजाय ॥ अन्यच ॥ हिंगुवचविडसुंठीजीरा बालाहरीतकीलेसुनवीरा कुंभनिकुंभतासमोंडारे चूर्णक्रमजुविवर्द्धसुधारे तप्तोदकसोंकीजैपान कोष्टजरुजकोकरहैहान गुल्मोदरकोदूरनिकारे जैसेंगजगणसिंहानिवारे ॥ अन्यच ॥ वातगुल्मपितकुपितहिजास वैद्यकरावैरेचनतास दोषहरनसुभवस्तूदेवै अथवारक्तजुमोक्षकरेवै ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणमघांपछानसेंधासमयहचूरणठान तप्तनीरसोचूरणखावै गुल्मवातकफनासकरावै रोगशत्रुजानोवहुपूर वाणसमूहतेहोवतचूर ॥ अथहिंग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगूसोंचललेयवक्ष्यार दाडिमत्रिकुटाधनियांडार जीराअमलवेतजुकचूर एलाचित्रापुष्करमूर वरचअवरअजमोदालीजै यहसमचूरणकठाकीजै चतुर्गुणघृतमोंपायपकावै दधिसोंनित्ययथावलखावै वातगुल्मकोहोइहैनाश केवलशूलअफारविनाश ॥ अथपथ्यंतीनरमोरकुर्कटकोमास शालीतंदुलपथलपतास ॥ इतिवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथपैतिजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपै ॥ कटुअमलोतीक्षणजुविदाही रुषीउष्णवस्तुजोषाही अर्कवन्हिसेवैकरैक्रोध अतिमदरापोवैविनबोध दुष्टरुधिरतेंउत्पतिजान आमविघातहुतेंभीमान ॥ अथपैतिजगुल्मरूपं ॥ चौपै ॥ ज्वरत्रिष्णाप्रस्वेदअरुदाह मुखतनलालरंगहोइजाह गुल्मसपर्शनसकहैजोय उदरमंझारशूलकरसोय भोजनपचनेकेसमयकाल पीडाहोवतअतिविकराल

॥ अथपैतिकगुल्मचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ काकोल्यादिवासादिकजान महातिक्तादिघृतश्रेष्टपछान सोघृतपानकरावैजवहि पित्तगुल्मतिसनासैतवहि वस्तिकर्मतिसघृतकेसाथ वैद्यकरावैसुनयहगाथ ॥ अन्यच ॥ मधुसंयुक्तकंवीलाषाय ताहीसोंरेचनकरवाय पैतिजगुल्महोयहैनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश चूर्णत्रिवीत्रिफलेरससंग प्रातखायहोवैरुजभंग वामिसरीसंगचूर्णखाय पित्तगुल्मतातेंभगजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ द्राक्षारसजुहरडरसलीजै गुडमिलायकरताकोंपीजै पैतिकगुल्महोयहैनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ चंदनद्राक्षजुअवरमुलठ यहसमपीसोकरोइकठ तंडुलजलवादुग्धहिंसंग पीवैगुल्मपित्तजहोइभंग ॥ अथत्रायमानादिकघृत ॥ चौपई ॥ त्रायमानपलचारमंगावै दशगुणजलमोंपायपकावै अर्धप्रमानरहेजलजाने तवयहचूरणतामोंठानै कौडमुत्थरालेत्रायमान जवांहाद्राक्षआमलीठान जीवंतीउत्पलकाकोलीचंदन यहसमचूरणकरदुखकंदन रसआमलेदुग्धघृततीन अष्टअष्टगुणपायप्रवीन

मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै पैतिजरकगुल्ममिटजाय पितज्वरहृदरोगनसाय कुष्टकामलारोगनिवारै एतेगुणयहघृतनिजधारै ॥ अथद्राक्षादिघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्षछुहारोत्रिवीमुलठ त्रिफलाफालसेकरोइकठ कंदविदारीअवरशतावारि यहसभपलपललेहुवरावारि आढिकजलमोंपायपकावै पादशेषआमलेरसपावै तासमघृतअरुदुग्धपछान अरुघृतहीसमइक्षुरसठान चतुर्थभागघृतहरडेंचूरन-तांकेमध्यकीजियेपूरन पक्वोजुघृतजानेहैजवही मधुशरकरालीजियेतवही चतुर्थभागसभनकोमान-घृतमिलायकरकीजैपान पित्तजगुल्मविकारनिवारै यहनिश्चयअपनेमनधारै ॥ अथपथ्यम् ॥ शालीगोव करीपयपथ्य पटोलछुहारेद्राक्षलषतत्थ दाडिममिसरीफालसेजान यामोएतेपथ्यप्रमान ॥ इतिपित्तज गुल्मचिकित्सा

॥ अथकफजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपै ॥ शीतसनिग्धगुरुभोजनषावै अरुवहुभोजनचिकनाभावै अरुजोदिनमोंवहुतोसोवै कफ-जगुल्मइन्हकारणहोवै ॥ अथकफजगुल्मरूपम् ॥ चौपै ॥ शूलशीतदेहज्वरहोय गात्रपीडहृदरोधिसोय कासअरुचगौरवताधरै अल्पपीडगुल्मसोकरै गुल्मकठनअरुऊचाहोय ऐसोरूपजानहोसोय सभ-कारणकरसंयुतजोऊ सान्निपाततेंजानोसोऊ सभरूपनकरत्रिदोषजजान ऐसेंभापैग्रंथनिदान द्विदो-षनतेंद्वंदजजानै दोषवलावलभलेपछानै समुझविचारचिकित्साकरै तनआरोग्यरुजीसुखधरै.

॥ अथकफजगुल्मचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ तिलएरंडवीजसर्षपजान अरुअलसोसमपीसोआन गुल्महि. ऊपरलेपनकरै कफजगुल्मयातेनिरवरै लोहपात्रकरसेकजुदीजै कफकोगुल्मजाहितेंछीजै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ पंचमूलसमकीजैक्काथ वारुणीमदरापीजैसाथ कफकोगुल्म-होयतवनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ जवायणचूर्णतक्रमोंपाय ताकोकरहोकठव-नाय विडजोलवणपायकरपीवै कफकोगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ चित्राचव-कापिप्पलामूल यवक्षारमघसुंठीसमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमंझार भलेंपकावैधरैसुधार ताहियथाव-लनित्यजुषावै कफकोगुल्मनाससुखपावै ॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंदश. मूलीकरक्काथ घृतपकायमेलतिससाथ पुनात्रिकुटासेंधायवक्षार दाडिमहिंगुविडतामोंडार वलनिज-देषयाहिकोंषावै कफकोगुल्मदूरभगजावै ॥ अथभल्लातकादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहपिल-दोइलेहुभिलावै पलपलपंचमूलसंगपावै विदारीगंधाइकपलआन पावैजलआढिकपरिमान करैक्काथ शेषरहैपाद वस्त्रछाणोयहमिरजाद कर्षकर्षयहचूरणपावै तिन्हऔषधकोंप्रगटजनावै मघासुंठअ-रुवरचविडंग सेंधाहिंगविडचित्रासंग मुलठकचूरअवरजवक्षार रहसनयहऔषदसमडार प्रस्थप्रस्थ-घृतदुग्धमिलावै पकाययथावलयाकोंषावै कफजगुल्मपांडुलिफनाशै श्वासकासग्रहणीसुविनाशै ॥ अथमिश्रितघृत ॥ चोपई ॥ दंतींत्रिवीत्रिफलादशमूल यहपलपललेवेसमतूल एकद्रोणज. लमध्यपकावै पादशेषरहेवस्त्रछणावै समएरंडतैलदुग्धघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय षाययथाव. लउठपरभात कफजगुल्मलिफकरहैघात अवरहुंभीकफरोगविकार नाशहोंहिनिश्चयमनधार ॥ अथदंतिहरीतकीआविलेह ॥ चौपई ॥ पंजीपलहरडेअनवावै सारीरषैनचूर्णकरावै पंजीप-

तासमजुमिलावै शुद्धपत्तगुडतासमपावै वहिहरीतकीभीतंहपाय अर्धकुडवतिलतैलमिलाय अर्ध-अर्धपलमवअरुअगर विवीचारपलताहीमोंधर मंदअग्निपकायतिंहधरै अर्धकुडवमधुतामोंकरै शीतलजानमर्षारमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै एलाकेसरअरुदालचीनी पीसरलावैपुरुषप्रवीनी पलप्रमाणचाटैनितसोय हरडएकसेवेदुखषोय पाकरमुखसोंरेचकरावै गुल्मशोथअर्शमिटजावै पांडूअरुहृदरोगविनाशें ग्रहणीकामलाविष्मज्वरनासें लिफअफारानाशेएह निश्चैआनोमनमोंतेह ॥ अथपथ्यं ॥ शालीसठीतंडुलपुरान वनमृगपक्षीमासप्रमान कुलत्थतैलघृतमघांलहीजै पथ्ययाहि-केसमुझपतीजै ॥ इतिकफज गुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपई ॥ नवपरसूतानारीजोय करैअहितभोजनकोंसोय जववहिगर्भत्यागकरदेय ताकोंरकवातगहिलेय अरुरितसमयरकसोहरै रक्तजगुल्मप्रगटसोकरै गुल्मसोदाहपीडयुतहोय पित्तसमानचिन्हलषसोय गर्भभयेजसचिन्हलष।हीं तैसोचिन्हातिसगुल्मादिषाहीं ॥ अथगर्भाचिन्ह ॥ ॥ चौपई ॥ मुखजलचलेउदरहोइभारी मुखअरुस्तनहिंकृष्णताधारी थुकथुकिहोयअरुचितातास गुल्मरक्तमोंभीयोंभास ॥ अथरक्तगुल्मअसाध्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ महावायुक्रमकरजवजोय शूलसहितजुइकठीहोय नाडिनकरसोऊवद्धदिषावै कूरमइवउन्नतदरशावै दुर्वलताहृदरोधलषैये कासअरुचिताछर्दलहैये ज्वरत्रिष्णातंद्राजुजुकाम लहोअसाध्यतासकोनाम जवज्वरश्वासहोयअ-तिसार अरुहृदयनाभिकरपदमंझार इन्हठौरनमोंसोजाहोय मरणतासनिश्चैकरसोय

॥ अथरक्तजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धप्रस्वेदितदेहलखिजव स्निग्धविरेचकरावेसोतव रक्तजगुल्मजुतियकोंहोय दशमासउप्रंतचिकित्सासोय काहेगर्भहोयजोत।स गुल्मचिकित्सासोंहोइनाश जोवहुधापीडालषपावै दशमाशहिंमध्यचिकित्साभावै वुद्धअनुसारविचारैवैद करैचिकित्सामिटहैषेद ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ शतावारिकरंजुत्वचाजुभिडंगि दारहलदमघपीपिलचंगि यहसमस्तसमचूरणकीजै तिलकेक्वाथसाथयहपीजै रक्तजगुल्महोयहैनाश पुष्पनष्टपुनकरैप्रकाश केवलजोमदराकरपान होवै-रक्तगुल्मकीहान ः। अथअ न्यउपाय ॥ लेअश्वगंधकोचूरणकीजै त्रिकुटापायतिलक्वाथसोंपीजै दिवसतनिनारीजवपीवै रक्तजगुल्मतासहतथीवै गर्भविकारहोयतिसनास गर्भधरेमनहोयहुलास ॥ चौपई ॥ अमलतासकीफलीमंगावै तागुडलेशरकरामिलावै षावैरक्तजगुल्मनसाय यहभीाचि-तमोंलषोउपाय ॥ अथपलासक्षारघृत ॥ चौपई ॥ पलासवृक्षभस्मजलक्ष्यार तासोंतासमघृत-पुनडार मंदअग्निसोंताहिपकावे षावैरक्तगुल्ममिटजावै ॥ अथकल्हारघृत ॥ चौपई ॥ कल्हा-रजुउत्पलपद्मनुआवै कुमदमुलठगणजीवनीपावे इन्हसमकोकीजेजोक्वाथ घृतसमपावैताकेसाथ षावैरक्तगुल्मसुविडारै रक्तपित्तपुनरोगनिवारै दाहत्रिषाज्वरछर्दविनाशै एतेरोगयाहितेंनाशै गुल्मजु-याहिचिकित्सासंग जोनाहिंहोवेतनतैंभंग तोउष्णौषदताहिपुलावै रक्तगुल्मकोवेधकरावै निकसेरक्त-गुल्मतवनाशै दुखमिटेतनसुखपरकाशै जोअतिहोवेरुधप्रवाहि रक्तपित्तहरऔषदताहि अवरवात-हरकरैउपाय इन्हतेंरक्तगुल्ममिटजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटागुडभार्गीघृतलजै तिलकेक्वाथ-संगातिसपीजै पुष्पाविकारात्रियाकोहरै रक्तजगुल्मताहितेंटरै

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ महापीडगुल्मजोकरै पाषाणन्यायकठनताधरै अरुपाषाणइवऊचोहोय दारुणशीघ्रदाहकरसोय तनकोबलअरुअग्निनिवारै ताकोंशास्त्रअसाध्यउचारै

॥ अथत्रिदोपजलक्षणं ॥

॥ चौपै तीनदोषकेलक्षणयास गुल्मत्रिदोषकियेपरकास अवरत्रिदोषजअहैअसाध्य असैंभाषीगुल्मउपाध्य त्रिदोषगुल्मजासतनजाने वैद्याचिकित्सातिसनाहिमाने दैवयोगतेंकरहेजास देजवाववंधूरुजीतास त्रिःदोषहरणहैवस्तूजेती जामोऔषधकरहैतेती.

॥ अथत्रिदोषजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडत्रिकुटाहोवेर अजमोदापाठाअजगंधाहेर अमलवेततिंतडीकचूर दाडिमधनियांपुष्करमूर चित्राजीरादोनोक्ष्यार पांचोलवणचवकवचडार यहसमचूर्णपीसवनावे उष्णतोयसोंयाकोंपावे अथवामदरासोंयहपीवे त्रिदोषजगुल्मनाशतवथीवे नाभीहृदयपाइर्वकोशूल गुदायोनिकोशूलनिर्मूल मूत्रकृछ्रअर्शलिफहान ग्रहणीपांडुअरुचहरमान हिक्काहृदयरोध, जुअफार गलग्रहश्वासकासनिरवार अथवारसजुविजोगसंग गुटकाचूर्णवांधैरुजभंग ॥ अन्यचाहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुचवकवचपिपलामूर धनियांचित्राहरडकचूर तुंवरुजीरादोनोक्ष्यार पायतिंतडीदाडिमडार वलाभिडंगीमरचविडंग अमलवेतगजपीपलसंग पंचकोऊपुष्करसुरदार अजवायणसमचूर्णसुधार रसजुविजोरामेलसुषावे तप्तनीरवामदिराभावे तक्रसाथवापयघृतसंग वाकुलत्थरससोंरुजभंग गुल्महृदयकटिशूलविडारै मूत्रकृछ्रअर्शकोंटारै राजयक्ष्मअरुनाशेश्वास जायअफारामिटहैकास ॥ इतित्रिदोषगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वगुल्मसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ पक्कोइहकोसेकदिवावे स्वेददेयपुनगुल्मवंधावे वेधनाडिमध्यभुजकीजे सर्वगुल्ममेंाहि तलपलीजे पिपलामूलभषसुंठीचित्रा चवकक्ष्यारदोयपंचपलमित्रा सुहागादशपलसभसमकीजे शुक्तिचूर्णसभअर्द्धहिदीजे पंचलवणयाहीपरमाण पलपलतिनकोलेहुसुजाण पक्कदृढसुकूष्मांडहिलीजे चूर्णसोंपूरणतिहकीजे मुखरोकेदृढवस्त्रवंधाय पुनमृतिकापुनवस्त्रलिपटाय इसप्रकारसतवारसुकरै पुनसुकायगजपुटमोधरै भस्मजानशीतलउद्धरिये विधिसोंपीसशुभचूरणकरिये तक्रसाथकर्षनरखाय होयजितेंद्रियपथ्यधराय गुल्मजलोदरशूलनिवारै अर्शविट्वंधउदवर्तविडारै मंदाग्निकमिष्ठीहकोरोग मूढगर्भतिरियाकोंसोग इवासकासपीडासभनासे कुष्मांडक्ष्यारकरजगतप्रकासे ॥ गुटका ॥ चौपई ॥ पाठारजनीविडत्रिकुटाय निकुंभीचित्राअरुत्रिफलाय यहसमचूर्णकरोवनाय गूत्रपायकरखरलकराय घणाहोयगुटकाकरपावे गुल्मालिफमंदाग्निमिटावे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ हरडहिंगुविडपुष्करमूर तुंवरूसैंधास्यामापूर सुंठअवरपावोयवक्षार पीसोसभसमलेहुसुधार घृतसोंभूनसुचूर्णलीजे यवकेकाथसंगमोंपीजे इसकरगुल्मभेदयोजावे वंगसेनयोंप्रगटसुनावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडहिंगुवचसैंधाडार जवायणअमलवेतयवक्ष्यार यहसमचूरणपीसवनाय तप्तजलहिंदिनसातजुषाय नाशेगुल्मअग्निवधआवे

दुखनाशैरोगीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडसगुडवात्रिवासनागर वात्रिवीदंतिसैंधावचंथर अरु गुगुलसमचूरणकीजै मद्यदुग्धवातासोंपीजै लाक्ष्यारसवागूत्रहिंसंग पीवैसर्वगुल्महोइभंग ॥ अन्यच ॥ चित्राविकुटादोनोक्ष्यार नीलीपांचलवणसमडार पीजैचूरणघृतकेसंग सर्वगुल्मकोहोईहैभंग ॥ अथद धिघृत ॥ चौपई विडसैंधादाडिमत्रिकुटाय चित्राजीराहिंगुमिलाय सौंचलसरीषवृक्षत्वचपावै औषधस- भहीपीसमिलावै अमलवेतअरुदोनोक्ष्यार पीसविजोरेकोरसडार घीउचतुर्गुणसभतैंपावै दहीचतुर्गु- णपायपकावै वलअनुसारजुषावैतास होवेसर्वगुल्मकोनाश ॥ अथनीलनीघृत ॥ चौपई ॥ नी- लनीत्रिफलारहसनआन वलाकौडव्याघ्रीपुनठान वायविडंगपलपलसभआनो आढिकजलसोंकाडा- ठानो पादशेषरहिताहिछनाय प्रस्थएकतामेंघृतपाय प्रस्थएकदधिपायपकावै प्रस्थआमलेरसतिंह- पावै पुनपकायकरधरैवनाय यवागूमंडसोंपलनितषाय गुल्मकुष्टशोथमिटजावै स्वेतकुष्टज्वरपांडु- नसावै लिफअफारानाशैएह निश्चयआनोमेंनमेंतेह.

॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचमैनफलएलाकुठ सैंधापुष्करमूलमुलठ दोइकाकोलीमेदादोय मु- स्थरपाठाजीराहोय जीवंतीजुभिडिंगीचंदन कायफलसरलवृक्षदुखकंदन अगुरविल्वआंवअसगंध- चित्रावृद्धकरोसंवंध अमलतासमघत्रिवीविडंग यहऔषदपसोइकसंग पंचमूलरसदुग्धसमतेल पाय- पकायषायदुखठेल गुल्मसमस्तअफाराजाय अर्शअग्निमंदनरहाय ग्रहणीमूत्राकृच्छ्रहोइनाश अवरहुक्ष- तजरोगविनाश ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगूत्रिकुटावरचकचूर अजमोदाधनियांतिंहपूर अजगंधादाडिमतिंहपाय पाठातिंतडीचवकामिलाय चित्रासैंधासौंचलजान अमलवेतविडसज्जीठान हौवेरजीरायवक्ष्यार हरडपिप्पलामूलसुडार पुनतिंहडारोपुष्करमूल लीजैऔषदसभसमतूल आद्रक- रससोंखरलकराय विधिवततकेसंगरलाय खरलविजोरेरससोंकरे वटिकावाधपात्रमेंधरै षाययथाव- लगुल्मसमस्त नाशहोहियहलषोप्रशस्त हृदयरोगअरुचअरुश्वास अरुमिटजावैतनतेंकास ॥ अथकं- कायणगुटका ॥ चौपै ॥ त्रिवीपांचलवणयवक्षार यहसमऔषदपलपलडार हिंगुडारियेकर्षजुतीन समुझलीजियेपुरुषप्रवीन दंतीचित्रासुंठपछान अमलवेतपुष्करसमठान दोदोपलयहपांचलहीजै अव- रऔषदीसोलपलीजै यवायणजीरामरचांआन धनियांगिरकर्णकापछान कलौंजीअजमोदायहसात अर्धअर्धपलयहविख्यात हरडविडंगदाडिमयहतीन दोदोपलपावोपरवीन पीसविजोरेरसकेसाथ गुट- कावांधेलषयहगाथ वलअनुसारउष्णजलसंग वाघृतदाधिसोंषादुखभंग वामदरासोंकीजैपान होयसम- स्तगुल्मकीहान कंकायणगुटकायहकह्यो समस्तगुल्मभेदकसोलह्यो अर्शहृदयरोगक्रमरोग ग्रहणीरो- गहरनयहयोग गोमूत्रहिंसोंषावैजोय कफकोगुल्मनाशतवहोय दुग्धसाथपीवैजोतास होवेपित्तगुल्मको नाश मदरासाथजुयाकोंपीवै वातजकफजगुल्महतथीवै त्रिफलारसगोमूत्रमिलाय तासोंषायत्रिदोषज- जाय दुग्धऊटणीसोंजोषावै रक्तगुल्मइस्त्रिनकोजावै ॥ अथसंखद्रावरस ॥ अन्यच ॥ तिलअश्व- त्थथोहरअर्कल्याय वृक्ष्यामलीचित्राफुनपाय अपामार्गइनभस्मकरीजै सेरसेरसवभस्मलहीजै जलमोंघो- लछानकरलेय काढलूनसमताहिकरेय चिटामहुरादोयक्ष्यारसुहागा समुद्रलूणहरतालसमभागा समुद्र- फेनकाहीअरुसोरा द्विगुणलूनपंजशंखसुजोरा काचपात्रमोतांकोपाय अमलद्रव्यसतादिनदेचाय फुन- आढकजलतामोंपावै वरुणयंत्रसंगअर्कखिचावै निरमलजलतिहप्रस्थसुलेय शीशीपायकरताहिधरेय खाइरत्तीत्रैदंदनछुहाय पानपत्रपुनलेयचबाय सभधातनकोद्रावनकरै गुल्मप्लीहसवशूलहिहरै

अजीर्णमंदाग्निरोगहरेय शंखकौडीकोंगालसुदेय वैद्योंकाजीवनइहजान शंखद्रावरसकियोबखान ॥ अथआरोग्यलवण ॥ चौपई ॥ अपामार्गवीजपलएक पलइकतालमषाणविवेक थोहर-अर्कदुग्धयहदोय पलपलभरलीजेंसुनसोय अवरविजोराकोमडजान चित्रासर्षपतिलनालसमान करैदग्धसभभस्मसुलीजै पुनयहचूर्णतामोंदीजै त्रिकुटाचित्रापिपलामूल मूर्वापाठापुष्करमूल कुठकरंजूकौडपतीस विल्वचवकलेतामोंपीस भिलावेपांचलवणदोयक्षार समचूरणकरतामोंडार गोवकरीभेडदुग्धघृततैल यहसमस्तसमतामोंमेल मृदुलअग्नीसोंताहिपकावै शीतलकरैयथावलषावै मदरासोंवाकांजसिंग वासहगूत्रषायरुजभंग वहुचिरकालीगुल्मविनाशै शूलवातरुजकफरुजनाशै पांडुपलीहाहोइहैनाश वंगसेनमतकोन्हिप्रकाश ॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुजवायणवि-डअरुनागर जीराहरडपुष्करकुठधर भागोत्तरयहचूर्णसुकरै उष्णतोयसोंनितआचरै गुल्मअजीर्णवि-सूचीजावै दुखनाशैरोगीसुखपावै ॥ इतिचिकित्सासमाप्तं ॥

॥ अथगुल्मरोगेपथ्यापथ्यआधिकारनिरूपणम्

॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथअपथसुनहोवैद्यसुजान वरनोंभाषासुगमकरजैसेंशास्त्रप्रमान ॥ अथपथ्यं-॥ चौपई ॥ स्वेदअवरघृतपानवषान्यों रेचनतैलतिलोंकामान्यों लंघनवस्तीकर्मलहीजै मर्दनाशी-रभुजउदरभनीजै तैलाभ्यंगकुलथरसजान वर्तीकर्मषंडभक्षणमान तंडुलरकपुरातनकहिये गोवक-रीकोदुग्धलहैये द्राक्षमनक्कासुंठकहीजै अवरजुपथ्यसोऊलषलीजै निर्जलथलमृगपक्षीमास तिन्हकों-रसहैपथसुखतास धात्रीफलगलगलजुअनार तक्रएरंडतैलमनधार लरसणवालमूलिकाकहिये जंगह रडवडिहरडभनैये हिंगुविजोरात्रिकुटालह्यो वाथूअरुसुहांजणाकह्यो दीपनलघुसनिग्धजोवस्त उ-ष्णवस्तुपुनलषोप्रशस्त वातअवरकफहरताजोय पथ्यगुल्मरुजलषहोसोय ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथ्य-सभमाषसुनायेतोहि अवसुनहोजुअपथ्यहैभाषसुनाऊंवोहि ॥ अथअपथ्य ॥ चौपई ॥ वातजसभी अन्नअरुपान अवरसमस्तमासकोजान वडीमूलिकायवअरुमाष शुष्कशाकमधुरफलभाष अरुकाव-जगुरुवस्तुजुजेती गुल्मरुजीकोंअपथ्यलषतेती विष्टामूत्रअवरअधोवात रोकनवेगअपथविख्यात मुंडन-अरुशीतलजलपान गुल्मअपथ्यकरैंव्याख्यान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथअपथसभहीकरेवषान वै-द्यचतुरसोईजानियेपहिलेंलषैनिदान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचि-कित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिगुल्मरोगसमाप्तं ॥

॥ अथगुल्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणंअथकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोछलवलकरब्राह्मणवित्त हरलेवेजेऊसुनमित्त तिसकोंगुल्मरोगप्रगटावे ऐसेंतासउ-पायवतावे ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्त्तगणपतिवनवावै चतुर्भुजादिर्घदांतकरवावै स्वर्णयज्ञउपवीत-धराय अवरस्वर्णकोअभ्ववनाय धान्यरासिपरतिन्हैविठावै पीतवस्त्रऊपरउोढावै दोनोंकोंपूजैहितलाय गण-पतिमंत्रकरहवनकराय शुक्लचतुर्थीदिनमंझार सदक्षिणाविप्राहिंदेयउदार गुल्मरोगतैंमुकसुलहै कर्मविपाकग्रं-थर्मेंकहै दोहा गुल्मरोगकेदोषकोंभाष्योंभलेंवनाय उदावर्त्तकेरोगकोंभाषोंसुनचितलाय

॥ अथगुल्मरोगज्योतिष ॥

दोहरा जोकरूरग्रहकोविषैमध्यपडैगोचंद ऐसाजोगजुकर्ममोसोनरगुल्मप्रबंध व्याधीभोगैअवश्यकरश्वास-कासफुनरोग औरप्लीहफुनविध्रधीचारोरोगसंजोग वलीदेहितोक्रूरग्रहजातेरोगानिवार विधिविधानजप-होमकरज्योतिषकहैविचार ॥ इतिज्योतिषं ॥ १ ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांगुल्मरोगाऽधिकारकथनंनामात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३० ॥
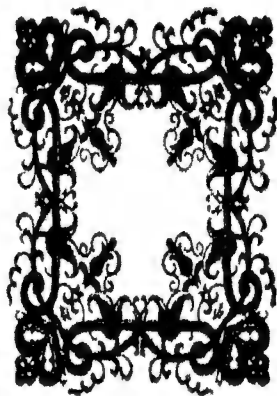
॥ अथउदावर्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तकेरोगकोंभाषोंसुनोनिदान ताकोसमुझोचित्तमोंजाकेबहुतस्थान ॥ चौपै ॥ रूक्ष-कसैलाकौडाखाय कोपकरैतबहृदयकोवाय रोगउदावर्तप्रगटजोकरै भावप्रकाशमतसोउच्चरै वातमूत्रपुरीषजुवारी रुधिरकफइनवहजोनारी सोअतिमलउदावर्त्तहिकरै ऊर्द्धगतीमलवाहरसरै तातैंउदावर्त्ततिसगायो वैद्यग्रंथमतसोईवतायो.

॥ अथअनुक्रमणिकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ अधोवातमूत्रविष्टाय छिक्कावीर्यक्षुधाजृंभाय त्रिषाश्वासछर्दजुडिकार इंहरोकनउदावर्तविकार निद्रारोकनतैंभीहोय उदावर्तयोंजानोंसोय.

॥ अथउदावर्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहोंसमुझचिकित्साजोय वंगसेनशुभग्रंथमोंजैसेभाषीसोय.

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ उदावर्तरोगीजोहोय ऐसेलक्षणलक्ष्यतजोय हृदयपेटपीडापहचान अरुचीभारीदेहपछान अधोवातमलमूतरजोय बडेकष्टकरउत्तरेसोय श्वासकासपीनसअरुदाह मोहतृषाज्वरहिडकीताह मस्तकरोगवमनमनधार हौलदलीअतिवातविकार त्रिषावहुतअतिहीतनक्षीन चिकित्सातासनकरैप्रवीन विष्टावमनकरैहोयशूल तासचिकित्साहैनिरमूल ऐसेलक्षणजाकेपैयत सोअसाध्यउदावर्तकहैयत.

॥ अथचिकित्साप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ उदावर्तसमस्तप्रकार वातचिकित्सानामोंसार जिसकरवातस्वमार्गीहोय उदावर्तरुजकोंसोषोय.

॥ अथअधोवायुकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ विष्टामूत्रअवरअधोवात इंहरोकनतेंयहउत्पात उदरपीडअरुहोतअफार इंहविधिजानोंतासविकार केवलअधोवातजुरुकावै वातजरोगताहिप्रगटावै.

॥ अथअधोवातउदावर्तकायत्न ॥

॥ चौपै ॥ केवलस्नेहपानकरवावै अधोवातउदावर्तमिटावै.

अथमलरोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ केवलविष्टारोकनकरै ऊर्द्धवातताकोंसंचरै गुडगुडशब्दउदरमेंहोय कर्त्रिकन्यायशूलकरैसोय तातैंविष्टामुखनिकसाय उदावर्तऐसेलखपाय.

॥ अथमलरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपैं ॥ जिसमुखसेविष्टानिकसाय उदावर्तविष्टासुकहाय वस्तीकर्मअवरपुनक्ष्यार । यहकरवावैताउपचार.

॥ अथमूत्ररोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ मूत्ररोधजेऊकरवावै ऊर्द्धवाततताकोंप्रगटावै वक्षिनमाहिजुहोतअनाह मूत्रजुउतरेकष्ट-संताह नाभितलेअरुलिंगस्थान तातेशूलप्रगटयोंजान अरुशिरपीडाहोतीरहै उदावर्तलक्षणतिसकहै-

॥ अथमूत्ररोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ उदावर्तमूत्रजिसहोय सौंचलमदर्सोपीवैसोय वामुसवरमदिरासोंपीवै उदावर्तमूत्रहतथीवै ॥ अन्यच ॥ अर्जुनक्काथसंगरसकंडयारी पीवैहोयताहिहितकारी ॥ अन्यच ॥ एर्वारूबीजरसआने लवणामिलायपीवैसुखमानै ॥ अन्यच ॥ इक्षुरसहिंशरकरामिलाय पीवैसोरोगीसुखपाय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षारसअरुदुग्धमिलावै पीवैसोव्याधीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ पंचमूलसंगदुग्धतपाय पीवैरोगीदुःखमिटाय चिकित्सामूत्रकृछ्रअश्मरी सोभीयामोहैंहितकरी.

॥ अथछिक्करोकनेकेउदावर्तलक्षणं

॥ चौपई ॥ छिक्करोकउदावर्तलषाय शिरदुःखअरुगरदनअकडाय अंगमर्दइंद्रयनिर्बलता यहलक्ष-णताअहैंसकलता

॥ अथछीकरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ छीकरोधतेजोलषलीजै तासचिकित्साऐसेंकीजै नकछिकणीआदीनसवार छिककरा-वैमिटैविकार

॥ अथवीर्यरोधउदावर्तलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधउदावर्तजुसोय शोथमूत्रथलगुदमेंहोय पीडामूत्ररोधहोइतास पथरीरोगउप-जहैजास होवतवीर्यश्रावपुनयाको कुंडलवातरोगहोएतांको

॥ अथवीर्यरोधउदावर्तचिकित्सा

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधतेंजोप्रगटावै ताकोइस्त्रीसंगकरावै अरुवुटणाअरुतैलाभ्यंग जलावगाहन-होइरुजभंग कुकुडमासशालीमदपान मैथुनदुग्धपानरुजहान

॥ अथक्षुधारोकनेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधउदावर्तकहावत निद्राअंगमर्दप्रगटावत मंददृष्टअरुचश्रमहोय ऐसेलक्षण-जानोसोय

॥ अथक्षुधारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधतेंउपजैजोय सनिग्धवस्तुतृप्तकरसोय, भोजनउष्णअल्पजलपान यातेंहोएरोग-कीहान

॥ अथजृंभारोकनेकेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जृंभारोधउदावर्तहैजास ग्रीवाअकडजायहैतास गलरोकशीसकोहोयविकार मुखना-साकर्णनेत्रसंचार

॥ अथजृंभारोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जृंभाउदावर्तजिहहोय स्नेहमर्दनअरुस्वेदहिसोय स्ने हकरैपाछेउपचार रुधिरमोक्षताकोहितकार

॥ अथतृषारोधउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषारोधउदावर्तकहावै कंठहृदयमुखशोषलषावै हृदपीडाश्रवणसुनेनहितास याकेलक्षणअसपरकाश

॥ अथत्रिषारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषारोधतेंउपज्योजानै दधिकोमंडतासहितमानै यवागूशीतलकरजुपिवाय उदावर्ततृपारोधमिटाय

॥ अथस्वासरोकणेकेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ करैश्रमादिकजोअनुसार रोधश्वासउदावर्तसंचार हृदयरोगगुल्मअरुमोह ऐसेलक्षणजानोसोय

॥ अथश्वासरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वासरोधउदावर्तलषावै ताहिवैद्याविश्रामकरावै स्वादिवस्तुकफहरजुषुलाय श्वासरोधउदावर्तनसाय

॥ अथवमनरोकनेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधउदावर्तजुजोय कंडूअरुचीतडफडीहोय देहव्यंगशोथप्रगटावै कुष्टविसर्पिपांडुज्वरथावै

॥ अथवमनरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधतेंउपज्योजानै वस्तीकर्मस्वेदपुनठानै तोयचतुर्गुणदुग्धमिलाय पीवेउदावर्तमिटजाय

॥ अथडिकाररोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोडिकाररोधनउदावर्त ताकीअैसेंजानप्रवृत्त कफपूरणमुखकंठजुरहै सूईंचुभतिकंठमोलहै शब्दकंठमोंहोवैतास अवरविकारवातपरकाश

॥ अथडिकाररोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ डिकाररोधकरप्रगटेजोय छिकावैद्यकरावैसोय कफनासकअरुधूमरपान करवावैहोइरुजकीहान

॥ अथनिद्रारोकनेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ निद्रारोधउदावर्तलषावै ताकेलक्षणप्रगटजनावै जृंभाअंगमर्दप्रगटात शिरनेत्रहिंजडिताहोइजात

॥ अथनिद्रारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ उष्णदुग्धमेंमिश्रीडार रोगीपीवैजोहितकार अथवामनोहरकथासुनैंजब उदावर्त-निद्रारोधहटैतब निद्रारोधहिंजोलषपावै सुखसोंसोवैरोगामिटावै

॥ अथअश्रुपातरोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अश्रुपातजोदोइवषाने इकआनंदइकशोकजजाने तिनकेरोकनतेजोविकार भिन्नाभिन्नतवकरोउचार मस्तकभारीनेत्ररोग नासापीनसबहुकरजोग ॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजर-केकहेलक्षणसहितनिदान कहोंचिकित्साइन्हनकीसुनहोनिजदेकान ॥

॥ अथअश्रुपातरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

चौपई अश्रुपातरोधतेंजास करैचिकित्साऐसेंतास मरचादिकतीक्षणअंजनभावै अश्रुपातनिकसेंसुखपावै अन्यच सुखप्रकारानिद्राकरेजोय अश्रुपातजरोगहतहोय अथवामनोहरकथासुनेजो उदावर्त्तअश्रुपातहरेसो

॥ अथसामान्यउदावर्तरोगाचिकित्सा ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ हिंगुअमलवेतयवक्ष्यार चित्रायहसमपीसोडार मध्ययवागूपायपि-लावै उदावर्तरोगभगजावै ॥ अन्यच ॥ करंगुलकौडकायफलपाय पीययवागूरोगमिटाय ॥ अथचूर्ण ॥ प्रियंगूदंतीथोहरआनै गिलोयसप्तलास्वेताठानै त्रिवीशंखनीकरंजुमिलावै राजवृक्ष-हेमक्षीरसमावै वापीवितिसक्वाथवनाय वाघृततैलजुसिद्धकराय उदावर्त्तअवरआनाह गुल्मअवरवि-षरोगनसाह कमीलालोध्रअवरसनाय सभवस्तूयहकठकराय यहसमचूर्णघृतजुमिलाय षावैउदाव-र्तमिटजाय ॥ लेपन ॥ बल्मीकमृत्तकासर्षपस्वेत करंजुमूलफलत्वचासमेत यहसमपीसगूत्रकेसंग लेपनकरैहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ हरडत्रिवीपीलूयवक्ष्यार यहसमचूरणकरेसुधार घृतामिलायकर-याकोषावै उदावर्तरोगामिटजावै ॥ अन्यच ॥ हिंगुकुठवरचयहलीजै सज्जीविडकोचूरणकीजै इकतैंदुगुणदुगुणकोंआनै मघांक्वाथपंचमूलरसठानै अथवामद्यसाथअनुपान वामूलीरससंगपछान याप्रकारपीवैजोजास होवैउदावर्तरुजनाश ॥ अथवटी ॥ सेंधालवणहिंगुजुमषीर पीसवर्तका-सघृतधीर गुदामध्यराषैतिसजोय उदावर्तनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ मघांमेंनफलकुठपिसावै वरचस्वेतसर्षपामिलावै यवक्ष्यारदुग्धगुडपाय वटिकावाधेसुष्टबनाय गुदामध्यराषेतिसजोय नाशेउदा-वर्तसुखहोय ॥ अन्यच ॥ चूर्ण ॥ त्रिकुटादंतीपिपलामूल चित्रात्रिवीपायसमतूल यहसम-चूर्णगुडजुमिलाय प्रातषायउदावर्तसोजाय ॥ अथक्वाथ ॥ मूलीसूकीहरीजुहोय अरुपुनर्नवा-संगगिलोय अमलतासअरुपांचोमूल करैक्वाथसभलेसमतूल घृताहिंपायजोब्याधीपीवै उदावर्तरोग-हतथीवै ॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहीसमुझचिकित्साजोय इंहविधिकरैउपायजोनाश रोगको-होय ॥ इतिउदावर्तरोगाचिकित्सासमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ ॥

॥ अथआनाहरोगाविशेषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मलकरअधकअफारामान ताकेलक्षणसुनोसुजान सरीरजकडबंधहोयेजास जड तासकलदेहमेंतास मलत्यागनकोसमाविचार कटीपीठपीडामनधार मूर्छाहोइवमनमलजास श्वास विसूचीजानोतास पीछेऔरजोलक्षणकहै सोलक्षणसभजामोलहै ॥

॥ अथआनाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ आनाहरोगकोंकहितहोंसुनहोचतुरनीदान जैसेंभाष्योग्रंथमेंतैसेंकरोंवषान ॥ चौपै ॥
जवैआंमकोसंचयहोय वातस्वमार्गजुतजहैसोय तिसेअफारासभकोऊआषै आनाहरोगवैद्यकमतभाषै
पीनसात्रिषाअवरशिरदाह आमस्थानशूलहोइताह हृदाउदररोधप्रगटावे गुरुतादेहउदगारजनावै-
काटिअरुपृष्टपकडीसीलहिये विष्टामूत्ररोधजुभनैये शूलसमूर्छावमनप्रकाशे श्वासवमनविष्टाकरभाशै
॥ दोहा ॥ आनाहनिदानवषान्योसुनलीजेचितधार कहोंचिकित्सातासकींबंगसेनअनुसार
॥ इतिआनाहनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथआनाहरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ आनाहचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार ज्योंवैद्यकबंगसेनमेंरचनाकरीउचार-
॥ चौपई ॥ दीपनपाचनवस्तूजेती अरुविसूचिकाऔषधतेती आनाहरोगकीऔषधसोयी जाने
सावधानचितहोयी उदावर्त्तसवऔषधजोय आनाहरोगमेंजानोसोय ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥
हरडप्रियंगूत्रिवीपिसावे थोहरपयगुटकासुबंधावे गौमूत्रसोंपीवैतास आनाहरोगकोहोवैनाश
॥ अन्यच ॥ त्रिवीदोइभागजोआनै चारभागमघतामेंठानैं पांचभागतिंहहरडमिलाय समगु
डसोंगुटकाबंधवाय बलनिजदेषनिताप्रतिषावे आनाहरोगभाग्योकहुंजावे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥
हिंगुवरचकुठसौंचलविडंग दुगुणगुणाचूरणकरचंग उष्णतोयसोंपीवेजोय आनाहरोगनाशतवहोय
॥ अन्यच ॥ हिंगुजवायणविडअरुनागर जीराअरुहरडेंतामेंधर पुष्करमूलकुठपुनआण उत्त.
रोत्तरभागपीसलेछाण उष्णतोयसेंपीवितास आनाहरोगकोहोइहैनाश ॥ अन्यच ॥ वरचहरडचित्रा
यवक्षार मघांपतीसकुठसमडार उष्णतोयसोंपीवैजोय रोगआनाहनाशतवहोय ॥ अथवर्तिका मघां
मैंनफलकुठमंगावे वरेआंस्वेतसरषपापावे समपीसिगुडदुग्धमिलाय गुदाचढावैवटीवनाय आना-
हरोगकोहोइहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ हिंगुधूमग्रहविडत्रिकुटाय गूत्तरगु
डसोंवटीबनाय गुदामध्यजोराषैतास होइआनाहरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटासैंधा-
सर्षपस्वेत कुठधूमग्रहजानसमेत निर्गुंडीमध्यमैनफलठान घृतसोंवटीअंगुष्टसमान गुदावीचराषै
पुनतास होएआनाहरोगकोनाश ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीआनाहकीजाकोंकहैअफार आगेंया
केभाषहोपथ्यापथ्यअधिकार उदावर्तआनाहकेपथ्यापथ्यजुएक भिन्नयाहीतेंनांकहेजानोंचतुरविवेक
॥ इतिआनाहरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्ततआनाहकोपथ्यापथ्यअधिकार तिन्हकोंअबाविवरेसहितसुनहोंकरोंउचार-
॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ स्वेदअवरघृतपानकहीजै रेचनवस्तीकर्मभनीजै वर्तीएरंड
तैलपछांनो शूलहरनसभऔषधमांनो बालमूलिकामदराकहिये अमलतासतिलत्रिवीलहैये आद्र-
कहरडविजोराजांन लौंगहिंगुगोमूत्रपछांन द्राक्षमनकालवणभनीजै यहसभसमलषपथ्यक-
हीजैं आगोंविवरोसुनोंसुजांन तिन्हकोंभेदकरोंव्याख्यांन जोयहअधोवाततेंहोय ताकेपथ्य-

सुनोअवसोय वर्तीवस्तीकर्मपछांन अरुताकोंघृतपांनप्रमांण वातहरअन्नपानजोलहै एतेपथ्यतास केकहैं जोपुरीषरोधनतेंलहिये असताकेसुनपथ्यकहैये वस्तीकर्मस्वेदलषलीजे वर्तीमर्दनपुनमनदीजै विष्टाभिदजोहोइअन्नपान यहसभताकेपथ्यप्रमान जोमूत्रवेगरोकनतेंहोय ताकोपथ्यलषोयोंसोय वस्तीकर्मस्वेदघृतपांन मर्दनपीडनकीनप्रमान जोडिकाररोधनतैंहोय हिडकीहरनवस्तुपथसोय अरुहिडकीकेपथ्यकहेजो याकेपथ्यप्रमानलहैसो जोयहरोगकासतेंहोय कासनाशविधिताकीसोय जोछीकबंदकरैनरकोऊ तातेंप्रगटहोयदुःखसोऊ धूमअवरपरसाघृतपांन अरुनसवारपथ्यपरमांन त्रिषावेगरोकनप्रगटावै शीतलअन्नपानपथगावै रोधउवासीतैंजोजानै क्रियावातहरपथ्यपछानै जोनिद्रावेगरोकप्रगटावै उष्णखीरतिसपानकरावै क्षुधावेगरोकनतेंजोय जाकोंप्रगटरोगहोइसोय उष्णसनिग्धअल्पआहार ताहिकरावैपथ्यविचार अश्रुपातरोकनकरहोय अश्रुपातमोंक्षणपथसोथ जोयहरोगस्वप्नकरभास श्रवणकथाप्रियपथलषतास जोयहश्वासरोकनलषपैये वातहरनऔषधपथकहिये वीर्यविकाररोधजोकह्यो रोगप्रगटजोतातेंलह्यो दुग्धपांनअरुमदरापांन सुंदरइस्त्रीसंगपथजान छर्दरोकनजोहोइविकार लंघनधूंमसुपथ्यविचार अरुभुक्तवस्तुकोछर्दकरावै रूषोअन्नपानभुक्तावै अरुकरवावैरेचनतास छर्दजकेपथकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेकहेजुपथ्यविचार अबआगेंसुनहोंसुजनकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ वमनवेगरोकनलषलीजे कोद्रमनाडिशाकसुभनीजैं फलीयोंवालेअन्नजुकहै सभीअपथ्यतासकेलहै शालूककंदजामणूपछान फलककडीघीयापुनमान अरुकरीरफलसुनलषलीजै कावजभारिअन्नलषीजै रोगअफारअपथ्यजुआपे उदावर्तकेसोऊभाषे ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेपथ्यापथ्यउचार सुनउरधारोचतुरनरतातेंमिटें विकार ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकोप्रथमाहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यावषान ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगकर्मविपाक ॥

चौपई देवब्रह्मकूपवावलीतलाव इनकाजोभेदनकरवाव उदावर्तउसकोहोइरोग जिहकरहोतजीवमोसोग ॥ अथउपाय चौपै ॥ कृछ्रव्रतधारैउपवास गायत्रीजपकरैप्रकाश सुवर्णदानविप्रनकोदेय उदावर्तरोग हरलेय ॥ इतिउदावर्तकर्मविपाकसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदावर्त्तआनाहकोकह्योकर्मउपचार आंमबातवरननकरोंसोसुनलेचितधार ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ मध्यदोइपापीग्रहनचंदपडेगोआय शनीपडेरिपुघरविषैंमंदरूपदरसाय उदावर्तकोरोगतिहआइवरेगोजान चंद्रमपूजाश्रेष्टहैताहिश्रेयसीमान ॥ इतिज्योतिषसमाप्तम् ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउदावर्तआनाहरोगकथनंनामएकात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३१

॥ अथवातव्याधनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातव्याधवरननकरोंसुनहोपुरुषअनूप कारणतासवषानहोंअरुताकेसभरूप ॥ चौपई ॥ अल्पजुरूषोशीतलषावै भारीअन्नषायदुखपावै असभोजनतैंवातजव्याध उपजतहैयहमहाउपाध अरजोनरबहुमैथुनकरै अरुअतिजाग्रनमोंश्रमधरै रुधिरमोक्षअरुलंघनधारै विष्मक्रियाकरछालजुमारै अतिव्यायामकरैजनजोई अतिमारगचलनेतेहोई चिंताशोकधातुक्षयजाहि व्रिष्टादिवेगजोरोकेताहि बहुतषेदश्रमतैंभीजान मर्मभेदताडिनतेंमान ऊष्टरगजहयशीघ्रचलावैं अथवाइन्हहूंतेगिरजावै इन्हतैंवातव्याधप्रगटात सत्यलषोंसांचीयहवात जवैछर्दरेचनकरजोय नाडिप्रवाहिकषालीहोय तिन्हमोंपवणपूर्णहोइजावै विवधव्याधसोऊप्रघटावै सभअंगनमोंवाइकअंग करेव्याधवाततिहसंग तिन्हकेपूर्वरूपक्याकहों हैअव्यक्तलक्षणयोंलहो तिन्हकेरूपविशेषविशेष कहोंसमस्तनरापोंशेष नरकीदेहसिमटजोजावै जोडरुकैरोमांचलषावै हाडपर्वसभमोंहोइभेद ताकेपाणिपृष्टशिरषेद कुवजपंगुषंजहोइजावै अंगसुकेनिद्रानसुहावै वीरजरजजोगर्भकरावत ताकोनाशहोययोंगावत गात्रसोजचक्षुनाशेंहोय वक्षस्थलहिंरोधकरसोय शिरकेशस्थानफूटणेलागे फटैललाटव्याधजबजागे इंद्रियघ्राणतासकोनाशै ग्रीवास्तंभव्याधपरकाशै उोष्टदांतओत्रनमोंभेद उदरशूलसभतनमोंषेद श्रमअरुमोहादिकजुअपार कुप्तवातअसकरेविकार यहीवायुआरबलसभकेरी धातासकलशरीरनहेरी वायुसमस्तोंप्राणवषानी पूरणविश्वरूपपहिचानी सभकोप्रभुयहवायुकहीजै यामोंनाहिनशंकाकीजै जवयहवायुकोपकोंधरै अस्सीरोगप्रगटतनकरै,

॥ अथशिरोग्रहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्ताश्रयहोइशिरकीनाड जेउतवातकरैसंचार तासशिरोग्रहनामभनीजै नाडिवेधादि. चिकित्साकीजै ॥ अन्यमते ॥ रुधिरहिमध्यकुप्तहोयवात शिरनाडिनमोंदु:खउपजात रौक्षकृष्णशिरनाडीकरै शिरग्रहवातनामसोधरै ताहिअसाध्यवातपहिचानो कह्योनिदानग्रंथमतमानो.

॥ अथशिरोग्रहाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोंमारुतकोपैजबै लेपनमस्तकसीसकरतबै जोशिरभीतरवातविकार ऐसोतासकरैउपचार बालविल्वघृतदुग्धमिलावै काढापिलावैवातामिटावै अंगसंकुचनप्रगटहोइवाय लवणमाषसोंतैलपकाय मलैताहिवातरुजजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै शिरकीवातहुतेंनसवार श्रेष्टअहैजानोमतिसार-पुन:दशमूलीक्वाथपकायसुधार औरविजोरेरसाहिनिकार तिहमोतेलडारपकवाय तेलरहेमर्दनसुकराय तिहकरशिरोग्रहदूरकरीजै यामोकछूसंदेहनलीजै पुनः जढएरंडधतूरेआन सुहांजनेजढइकत्रतिहठान मिरचपीपलअरुसिंगीमहुरा ऊौषधसमलेकाडमनोरा तेलप्रमाणताहिमोपाय मंदअग्नकरताहिपकाय जबैतेलहीरहैप्रमान मर्दनकरैशिरोग्रहहान.

॥ अथवातरोगअल्पकेशचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गोरवरूतिलफूलसमलेय समतिहमधुघृतडारेतेय अतिमहीनपीसलेपैजोकाय अधिकवधैतिहकेसप्रगटाय पुनः मुलठअवरकमलजढआन मुनकादाखसमकरैपीसान घृततेलदूधपायलेपैजो केशअल्पहोएदीर्घकरेसो याऊौषधसोंटटरीजाय ग्रंथमतांतकह्योप्रगटाय,

॥ अथवातरोगजृंभाईलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमएकस्वासहिपीजाय फिरातिहवसउलटाप्रगटाय आलसनिद्रासंयुक्तजुआवे जृंभाईतिहनामकहावे

॥ अथअत्यंतजृंभाईयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपीपलअरुमर्चमिलाय अजमोदासैंधाकूटपिसाय गर्मपानीसोंपीयतिहभाय जृंभाईरोगताहिनरहाय ॥ पुनः ॥ कौडातेलजुमर्दनकरै यामीठाभोजनरुचवरै अथवातांबूलआदिजो-खाय जृंभाईकोरोगमिटाय

॥ अथवातरोगहणुग्रहलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ तातेंचर्वणभाषणजोय अतीकष्टसोंकरहैसोय हणुमूलविषैजोइस्थितवाय हणुविषैजो दुःखउपजाय विवृत्तवासंवृतमुखकरै हणुग्रहवातनामातिसधरै जिव्हाघर्खनतेतिहजान शुष्कभक्षअ भिघाततेमान कुपितलषैहनुमूलहिवाय तातेहनुस्तंभहोयजाय

॥ अथहनुग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तिसेश्रेष्टमर्दनअरुस्वेद वदननिवावैलषयहभेद जोमुखमोंपीडाअधिकाय रुधिरनिका-सेंश्रेष्टउपाय जोमुखमोंकफअधिकजनावै वमनकरावैतौसुखपावै अरुघृतसोंलेलसुणपकाय षावैवा-तव्याधमिटजाय ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषमुखमीटतहोय चिकनीवस्तुपसीनाजोय जाहीमुखउघारतरहै सीतलवस्तुहितताकोकहै जाकीदाढमुडीनहिजाय पीपलआदरकताहिचबाय थुकवावैतोरोगहिंनाशै उष्णोदककुरलीकरतासै तेलमोरहसनतलकरदेय खायहनुग्रहरोगहरेय

॥ अथजिव्हास्तंभलक्षणं

॥ चौपई ॥ चर्वणवचनकाहितयहजोई परमकष्टकेसाथाहिंहोई वाकइंद्रयधारनजोनाड तामों-कुप्तवातसंचार जिव्हास्तंभनकरतासोय जिव्हास्तंभनामातिसहोय

॥ अथजिव्हास्तंभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेउवातजिव्हावंदकरै जिव्हास्तंभनामसोधरै तातेंपायोपियोनजावै तिंहदशमूलीक्काथ पिलावै पीवैसुखउपजैलहुगाथ अथवापंचमूलकोक्काथ अर्दितसामान्याचिकित्साकहि जिव्हास्तंभ मोसोलषसहि

॥ अथमूकवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ धारणाशब्दनाडिजोहोय कफसंयुतहोइरोकैसोय वधरमूकसोकरतीजान गदगदवच-नकरैसोमान मूकवाततिसनामकहीजै याप्रकारमनसमुझपतीजै

॥ अथमूकवातगद्गदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजोमरुतलषावत शब्दनाडिकोंसोउरुकावत मिनमिनमूकगद्गदहोयवानी ताहिसरस्वतिघृतसुखदानी

॥ अथसरस्वतीमंत्रः ॥

॥ ॐ ह्रींऐं ह्रींॐसरस्वत्यैनमः ॥ चौपई ॥ याहिसरस्वतीकोवरमंत्र सहस्त्रजापकरैशुभअंत्र सिद्धहोइ करमंत्रपठाय घृतमालकंगनीतैलजुषाय इसीमंत्रसैंसोमंत्रावै खावैप्रातसभेदुःखजावै बुद्धिप्रभाअधिकवरहोय चमतकारप्रगटावैसोय ॥ पुनः ॥ हलदीकुठपीपलअरुजीरा सौंठअजमोदमुलठीवीरा मूर्वासैंधालूणसमल्याय ढाईटंकपीसनितखाय मखनसाथनिताप्रतिनेम इकीदिनपरमानसुप्रेम सर्वरोगहरबुद्धिप्रकाशै शतश्लोकनितकंठमेंभासै ॥ इतिकल्पअवलेह ॥

॥ अथसरस्वतीघृत ॥

॥ चौपई वरचसुहांजनलोधरधावै सैंधापाठापलपलपावै प्रस्थएकघृतताहिमिलाय दुगुणअजापयपायपकाय यहसरस्वतीघृतविधिकेसंग षायमूकताजडताभंग मिश्रतगदगदवाणीनाश स्मृतमेधाजुहोइपरकाश अरुतापरजोघृतकल्यान खावैहोयवायुसोहान ॥ अथकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ हलदीवरचकुठमघजीरा अजमोदामुलठलहुवीरा सैंधासुंठसमचूरणकीजै घृतजुमिलाययथाबलदीजै दिनइकीसपर्यंतचटावै जडताअवरमूकताजावै मेघदुंदुभीयवरवहोय न्यायकोकिलास्वरलषसोय श्रुतधरमेधावुद्धिप्रकाशै इत्यदिकगुणताकेभासै

॥ अथवातप्रलापऔरवाचालरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अपनेहितुसेंकुपितजुवाय सोअनर्थकछुकलुबकजाय प्रलापरोगानिश्चैहैसोय खोटाशब्दवाचाललषजोय

॥ अथप्रलापवाचालयत्न ॥

॥ चौपई ॥ तगरापित्तपापडामंगाय कटुकीनागरमोथारलाय असगंधाब्राह्मीदारुअगर दशमूलसंखाहुलीलेसमधर इनसबकोसमक्काथजुकरै प्रलापवाचालरोगसभहरै

॥अथजीभकेरसाज्ञानकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मधुरआदिषटरसहैजोय षायेजिव्हास्वादनहोय ताकोरसाज्ञानवुद्धकहै जिव्हारसगुणकोनहिलहै

॥ अथरसाज्ञानरोगयत्न ॥

चौपई ॥ सुंठमरचअरुपीपलआनै सैंधाअमलवेततिसठानै इनैपीसजिव्हालेपाय तौरसाज्ञानदोष मिटजाय अथवाब्राह्मीपलासफलआन राईकृष्णजीरासमठान पीपलपिप्पलामूलमंगाय चित्रकसौठअरुमरचरलाय कौडकिरायततामोदीजै इंद्रजवकोगडत्वचामिलीजै जिव्हावारंवारलिपाय अथवायाकोकाथकराय कुरलीकरैरसदोषनिवारै अमृतसारयोंवचनउचारै पुनआद्रकरससोंकल्करलायअज्ञानदोषजिव्हानरहाय

॥ अथशरीरकीत्वचाशून्यहोवेउस्कालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जाहिपुरुषत्वचाशून्यलषावै शीतउष्णकोमलनाहिपावै ज्ञानत्वचाकाहोवेदूर त्वचाशून्यपुनजानोपूर.

॥ अथत्वचाशून्यकायत्न ॥

॥चौपै ॥ त्वचाशून्यकोरुधिरछुडावै तौयहरोगदूरहोइजावै वासेंधाधूमग्रहलेसमतेल कायाम, लैतोरोगहरेल.

॥ अथअर्दितवातनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ ऊचोबोलेअतिकरैहास विष्मासनसोवैकरेनिवास कठिनवस्तुभक्षनतैंमान भारखेदतें-अवरहिजान जृंभमाणहोयवारंवार इन्हतेंकोपवायुलषधार ओष्टनासिकाशिरलषलेहु चिवुकललाट नेत्रसंधएहु इन्हस्थानप्रापतहोइवाय करैवक्रमुखकह्योसुनाय अथवावक्रअर्धमुखकरै टेढीग्रीवकंप शिरधरै तुतलेवचनकरावैसोय विकृतनेत्रकरतहैजोय ग्रीवाचिवुकदांतमंझार पीडकरतसोवारंबार-अर्दितनामवातइहजानो वातपित्तकफत्रैतेंमानो तालक्षणसंक्षेपसुनावों ज्योंवैदिकमततैंलषपावों.

॥ अथअर्दितवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा अर्दितादिजोवातकीचिकित्साकरोवषान वातव्याधकेमध्यमोंभाष्योजासनिदान ॥ चौपई ॥ अर्दितरोगस्निग्धआहार मर्दनतेलनारायणकार औरविषगर्भतैलअंगमलै गर्मवस्तुकासेवनकरै गर्मऔ-षधसोंपसीनाल्याय सिरमेंकायतैलमलवाय स्नेहपानमर्दनहितकार वस्तिकर्मउपनाहनसवार-अर्दितरोगइन्हकारणजाय ग्रंथप्रमाणसभकह्योंवनाय

॥ अथवातजअर्दितलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कंपस्फुरनअंगजुलहैये ओष्टसोथशूललषपैये लालास्रावपीडहोयजास हनूवाकमों-ग्रहहोयतास वातजअर्दितकहियेसोय इहविधिभाषसुनायोतोय

॥ अथवातजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अर्दितवातप्रगटहोइजास वंधनस्वेदाचिकित्सातास ॥ अन्यच ॥ प्रथमकरैदश मूलीकाथ पीयविजोरेरसकेसाथ अर्दितवातहिंहितहैसोय निश्चैजानेमनमोंजोय ॥ अथकाथ ॥ बलापंचमूलीकोकाथ यहहितकरहैसमुझोगाथ ॥ अन्यउपाय ॥ माषोंकेवटकाकरजोय षायसमा' षनअर्दितषोय ॥ काथ ॥ दशमूलीकापीवैकाथ पथ्यमांसअरुरसपयसाथ वातजअर्दितहोवैनाश वंगसेनयोंकीन्हप्राकाश जातिफलोंकीमालाकीजै रोगीकेगलमाहिधरीजै वातजअर्दितहोवैनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश

॥ अथपित्तजअर्दितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितऐसेंजानो पीतअधरमुखतृष्णामानो उपजैमोहउष्णताहोय पित्तज लक्षणजानोसोय

॥ अथपित्तजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितलषियेजास सनेहपानहितकरहैतास अरुशीतलऔषधहितकारी तासाचि कित्सायोंउचारी अरुतिहहितकरपयकोपान अपनेमनमोंनिश्चैठान ॥ अन्यउपाय ॥ पंगुमूकहो-इजावैकोई अरुवहुदाहतासकोंहोई औषधवातपित्तहरजोय ताकोंहितकरजानोसोय पित्तहरवस्तु-

लेपसिरकरै अरुनसवारतीक्षणअनुसरै तीक्षणऔषधकरैजुपान तासरोगकीहोवैहान अवरपुरातन-घृतकेसाथ नसवारजुऔषधसुनयहगाथ

॥ अथकफजअर्दितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमन्यागंडरोधहोयआवै स्तंभअवरतनकंपलषावै नेत्रचलनहोइजावैतास अर्दितकफजकीनपरकाश ॥ अथअर्दितअसाध्यलक्षणम् ॥ झमकणतेंचक्षूरहिंजावै वचनअव्यक्त-जासलषपावै क्षीणशरीरजासकोलहिये तीनवर्षहोयगयेंभनैये ऐसोअर्दितअहैअसाध्य जानलहोय-हमहाउपाध्य ॥

॥ अथकफजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफतेंजोअर्दितप्रगटावै वातअवरकफहरसोषावै जोतासोंमुखसोजापरैं-वमनकरैतातेदुःखटरै जोपुनताकोउपजैदाह सिरकोरुधिरछुडावैताहि ॥ अन्यउपाय ॥ लसणति-लोंकेतैलजुसंग ताहिपुवावैहोयरुजभंग वातव्याधकीऔषधजेती याकोभीसिभजानोतेती ॥

॥ अथमन्यास्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दिनसोवनअतिअरुबैठनसे ऊर्धदर्ष्टीअरुमुखमोडनतें तातेंवातकफकठेहोय ग्रीवास्तंभकरेनितसोय सोकंदेकोमोडनदेय मन्यास्तंभजानाहिततेय ॥

॥ अथमन्यास्तंभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसकरग्रीवाअकडीजाय मन्यास्तंभवातसुकहाय तिसकोंस्वेदअवरनसवार क्काथपंचमूलीहितकार अथवातैलसुमर्दनकरै ऊपरएरंडपत्रतिहधरै मन्यास्तंभताहूतेंजाय ग्रंथनमाहि-कह्योप्रगटाय ॥ पुनः ॥ कुर्कुटअंडरससेंधापाय घृतमिलायग्रीवामर्दाय रूक्षस्वेदअवरनसवार दशमूलक्काथजानोहितकार ॥

॥ अथअंशशोषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोमुहढयोमोंइस्थितवाय अंसवंधकोसोऊसुकाय अंशशोषसोवातकहावै ऐसोताको-नामबतावै ॥

॥ अथापबाहुलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अंशनमोंजोइस्थितहोय अंशबंधजुसुकावैसोय संकुचितनाडिपुनकैरेसुकावै अप-बाहुकसोवातकहावै तिसकरअंगनजडताहोय कंपावतहैअंगनसोय ताकरभुजासूकतीजावैं कांमभुजाकरहोइनाहिआवैं ॥

॥ अथवाहुकअंशशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतकल्याणताहिहितकार पुनकल्याणतैलसुखकार अरुपुनबलामूलकोक्काथ पीवै-सैंधवलवणहिसाथ अथवानिंबस्वरसकरपान वाक्रौंचजढस्वरसपरमान ॥ अन्यच ॥ शीतलजलना-सामोंदेय अथवागुग्गुलमाईजहलेय काडाकरैजुगुग्गुलपाय नासादेयअपबाहुकजाय ॥ अन्यच ॥ माखहिजलकोलिनसवार माषादितैलमर्दनहितकार अपवाहुकरोगतातेंजाय भावप्रकासमतादियोबताय

॥ अथविश्वाचीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बाहुपृष्ठलेकरपर्यंत अंगुलिनाडिरुकैकरैहंत कार्यमध्यअस्मर्थकरावै विश्वाची-सोनामकहावै

॥ अथविश्वाचीरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलमाषवलासमकाथ घृततैलमिलापीवैसुखसाथ तातैंविश्वाचीमिटजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ माषवलासैंधापुनल्याय रहसनअर्कदशमूलरलाय हिंगुशतावरी-सुंठीलीजें वचमिलासिद्धतैलसुकीजै खावैमलैजुलेनसवार बाहुशोषअपवाहुकटार विश्वाचीअर-पक्षाघात एतेरोगवातमिटजात

॥ अथऊर्धवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफमिलवातजुताडितहोय अधतैंऊपरआवैंसोय ऊपरआयडिकारबहुकरैं ऊर्द्धवा-तनामाउच्चरै

॥ अथऊर्द्धवातयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सौंठविधारादशदशभाग हरडछाललेपंजजुभाग असगंधाहिंगभुन्नीअरुसैंधा इकइक-भागसमचित्रकमेदा पीसमहीनचूरणसोकरै ढाईटंकनितपाणीसंगचरै तातैंऊर्द्धवातमिटजाय भावप्र-काशमतादियोबताय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वासापत्रनसहितापिसावे आद्रकरसमिलायपीवावै ऊर्द्धवा-युनाशतबहोय निश्चैमनमोआनोसोय

॥ अथआध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदरमांहिजुअफारकरावत वातनिरोधपीडउपजावत गुडगुडशब्दउदरमोंकरै सोआ-धमाननामनिजधरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उदरमध्यपूरणहोइवात आधमाननामविख्यात तिसको-लोकअफाराकहै कफसंयुक्तेउपुनलहै

॥ अथआध्मानयत्न ॥

॥ चौपई ॥ इसरोगीकोंलंघनकराय पाचनऔषधताहिखुवाय वरितकर्मभीयाहिप्रमान औरचिकि-त्साकरोंबषान ॥ पुनः ॥ पीपलढाईटंकपरमान त्रिवीसितादशदशअनुमान याहिचूर्णकरसाथमखीर ढाईटंकनितखायसुधीर याहीसैंजुअफारमिटाय नारायणचूरणकियोबनाय ॥ पुनः ॥ वचकुठसौंफसु-रदारामिलाय सैंधाहिंगुसमपीसबनाय कांजीपायगर्मतिहकरै लेपैपेटअफाराहरै ॥ पुनः ॥ अथनाराचरसः ॥ हरडकौडअमलतासजुपाय आमलेदंतीत्रिवीमिलाय थोहरदुग्धजुमुस्थरपावै पलपलसवकोमानधरावे आढिकदौजलमोंजुपकाय अष्टमभागरहेसुछनाय निस्तुषवीजजयपालकेआन पलभरलेतिहवस्त्रबंधान डो-लयंत्रातिसजलमोंकरै मंदअग्निकेऊपरधरै ऐसैंशुद्धकरेजयपाल पाछेऔषधतामोडाल अष्टभागजय-पालसुपाय तीनभागसुंठीसुमिलाय मरचभागदोइंतिसपावै पाराभागजुदोयमिलावै गंधकभाग-दोयतिसदीजैं पहरएकतिसमर्दनकीजैं रसनाराचनामतिसजानो रत्तिएकप्रमाणसुमानो खावैसीतल

जलकेसाथ एतेरोगहरेसुनगाथ आधमानअरशूलविडारै उदावर्त्तअरगुल्मसुटारै आनाहरोगकोकर-
हैनास प्रत्याध्मानकरैसुविनास वेगशांतहोवैजबजाने शर्करासहितभक्षदाधिमाने दध्योदनसैंधवयुतखाय
रोगजायरोगीसुखपाय ।

॥ अथप्रत्याध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पार्श्वहृदाजोछोडेवाय आमस्थानाहिंइस्थितआय कफमिलतंहपीडाउपजावै प्रत्या-
ध्मानसुनामकहावै ॥

॥ अथप्रत्याध्मानउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लंघनपाचनादिसुखदाय वस्तिकर्मसोंइहमिटजाय ॥

॥ अथवातष्ठीलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैजोउतपतवाय चलेवास्थिरताकोंलषपाय सोवर्तुलपाषाणइवहोय अथवालो-
हदंडवतसोय घणीगांठताकीहोइजावै टेढीअथवाऊरधधावै विष्ठामूत्रमार्गकोंरोक नामसटीलातिं
हकाहिलोक चौपई यहिग्रंथिजवउदरमंझार टेढीहोयवाकरैसंचार पुरीषमूत्रथलरोधनकरै प्रत्यसटीलानामसुधरै

॥ अथष्ठीलाप्रत्यष्ठीलाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैकोपैजिहवात अष्ठीलावातनामाविख्यात विष्ठामूत्रसोवातरुकावै हिंग्वादिचू-
र्णतिंहश्रेष्टकहावै तप्तनीरसोपीवैसोय वातजरोगनाशतबहोय वीजपूररसतासमोंपाय सुंदरचूरणधरे-
वनाय भुन्नीहिंगुअरुपिपलामूल धनियांजीरावचसमतूल चव्यचित्रकअरुपाठाकचूर अमलवेतअरुपुष्क-
रमूल कालासैंधासांबरलौन हौवेरकरेताहिमिलौन सौंठमिरचअरुलेजबखार पीपलसज्जीहरडकी-
छार अनारदानातिंतडीआन इनसबसमकरलेयसुजान महीनपीसआद्रकत्रैपुठ छायसुकायचूरणाकर-
कठ ढाईटंकगर्मपाणीसोंखाय वातष्ठीलप्रत्यष्ठीलमिटाय ॥ अन्यच ॥ सौंठपीपलीमरचसुजान-
भूंनीहिंगुजवखारप्रमान सज्जीसैंधानौनसमपीस ढाईटंकगर्मजलदीस तूनीप्रत्यतूनीजुगहरै भावप्रका-
शमतयोंउच्चरै ॥

॥ अथतूनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्ठामूत्रस्थानवायूजव कोष्ठशूलउपजावतहैतब गुदालिंगकोंभेदकरावै तूनीवातसा-
मतिसगावै मूत्रपूरीषस्थलतेंवाय उठीजुहोइतिसिलषपाय गुदालिंगकोंभेदेसोय तूनीनामतासकोहोय

॥ अथतूनीप्रतूनीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ सनेहसलवणकीजियेपान होइतूनीप्रतितूनीहान पिप्पल्यादिचूरणसोंपीवै हिंगुगुड-
क्यारमेलघृतपीवै तूनीप्रतूनीहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश.

॥ अथत्रिकशूललक्षणम्॥

॥ चौपै ॥ कटिकेतीनोहाडमंझार पुनभुजहाडोंशूलविकार तांकोंत्रिकशूलहिगुणिकहैं ताहिउपा
यआगेसुखलहैं.

॥ अथत्रिकशूलकायत्न ॥

॥ चौपै ॥ तप्तरेतसोंसेककरावै वाअरनेउपलेमंगवावै सुखैनसेकदेयशुभवाक त्रिकशूलहिसेंहोवै-पाक त्रयोदशांगजोगुगुलूकह्यो मांसरसअवरदुग्धसोंलह्यो त्रिककोशूलहोयतिसनास भावप्रकासमतकीनप्रकास.

॥ अथवस्तिवातकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ वस्तिपवनकुपितहोइजाय मूत्रप्रवाहछुटैतिसआय रोगनकोउत्पन्नजुकरै वस्तिवात-बुधजनउचरै.

॥ अथवस्तिवातचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जोनाभितलैकुक्षगुदामंझार आश्रितहोइसोकरैविकार ताकोएरंडतैलपिलावै वातजा-यप्याधीसुखपावै धम्मणीजढकोबक्कलआन तिससममिश्रीकरैमिलान ढाईटंकगोदूधकेसाय पीवै-दुःखजायसुनगाथ ॥ अन्यच ॥ त्रिफलेकाजोचूर्णकरावे तिहसमसारमिलायधरावै मासेचारसहतकेसंग-मूत्ररोगसबामिटतअभंग अथमूत्रनिग्रहयत्न पांचमासेयवखारमंगाय मिश्रीसहितखायदुखजाय पुन-पेठेबीजवाककडीबीज दोनोपीसपाणीसेंलीज वस्तीलेपकरेनरजवहीं मूत्ररोधहरेतिसतवहीं ॥ अन्यच ॥ चीनीयाकपूरकीबटीवनाय लिंगभगहिदेमूत्रछुटाय.

॥ अथगृध्रसीवातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ चूलेकटीपृष्टउरुजानो जंघापादकंपरुकमानो स्तंभअवरपीडाकरसोय गृध्रसीवातजा-नविधदोय देहवक्रतापुनतिहमान वैद्यसास्त्रमोकियोप्रमान गृध्रसीवातनामतिसकहिये वातहुतैंकफ-तैंभीलहिये तंद्राअरुगौरवयहकरै अवरअरुचताउरमोधरै मुखतेंलालांचलेंअपार मंदअग्नितिसपुरुष निहार.

॥ अथगृध्रसीवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ वातगृध्रसीकोंकहोसुनोचिकित्साजोय प्रथमहिकह्योनिदानमोंतासोलषियेसोय ॥ चौपै ॥ होयगृध्रसीवाताविकार तप्ततैलमर्दनहितकार ईंटतपायसेकातिसदीजै बंधनताकेऊपरकीजै ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंताकोंवमनकरावै पुनताहुंकोघीउपिलावै बिनावमनजोहैघृतपान सोगुणताहिकरैयोंजान निष्फलहवनभस्ममोंजैसें विनावमनघृतपानसुतैसें नाभीऊपरवस्तीकरे गृध्रसीवातताहितेंढरे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ दशमूलबलारहसनजुगिलोय सुंठीयहसमचूरणजोय एरंडतैलसोंपीवैतास गृध्रसीषंजुपंगुहोइनाश ॥ अथकाथः ॥ चौपै ॥ पंचमूलकोक्काथवनावै त्रिवीपायपीवैदुःखजावै गृध्रासिगुल्मअवरदुःखशूल एतेरोगहोंहिनिरमूल ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ होएगृध्रसीजिंहअस्थान नाडितहांकीवेधसुजान तिसनाडीतेंरुधिरकढावै अथवाउस्तरेसोंपछ्लावै गुंजापीसलेपतहांकरे रोगगृ-ध्रसीइहविधिहरे ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ गूत्रएरंडतैलसोंपीवै नाशगृध्रसीरुजकोथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ घृतअरुतेलमिलायसमान आद्रकविजोरेकोरसठान गुडचुक्रमिलावैपीवैसोय नाशगृध्र-

सीरुजकोहोय त्रिकुलपृष्टऊरूकाटिजान इन्हपरलेपकरेदुःखहान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ एरंडवीज- शुद्धकरजोय पीसपकावैपयमोंसोय षंडरलायताहिनितषावे गृध्रसिगुल्मशूलमिटजावे ॥ अथक्राथः ॥ चौपै विडंगमेषशृंगीअसगंध बिल्वभषडाकरसंवंध दोइकंडचरीएरणमूल करैक्राथसभलेसमतूल पीवैवंषण वरतीशूल चिरकीगृध्रसिहोइनिरमूल ॥ चूर्णम् ॥ मघपीपलकोचूरणकीजे एरणतेलमूत्रसोंपीजे कफअरुवा तजगृध्रसीजाय बंगसेनयोकह्योसुनाय ॥ अथक्राथः ॥ चौपई लेकृतमालसुंठी अरुवासा समयहलेयक्राथ करतासा एरनतैलमिलायसुपीवै गृध्रासिसुप्तवातहतथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ एरणतरुलेफलआ- नीजै तिन्हसोंशुद्धयवागूकीजै सोऊयवागूनितउठखाय गृध्रसिरोगनाशहोइजाय ॥ चूर्णम् ॥ पीस तगरजढचूरणकीजै बलअनुसारतक्रसोंपीजै जासदेहहोइरींघडवात तासवातकोहोवैघात ॥ अन्यच एरणबीजसुंठसमलेय पयघृतषंडमिलावैतेय षावैकटपीडामिटजावै अवरगृध्रसीवातनसावै अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ इन्हउपायकरजोनाहिजाय शस्त्रदाहपुनकरोउपाय जोयातेंभीदूरनहोय इहविधिकरोचिकि त्सासोय स्वेदकरायसनेहकेसंग मर्दनकररुजहोवेभंग ऊपरतेंनीचेकोल्यावै क्रमक्रमकरचरणनप हुचावे पगमर्दनकरसूक्ष्मनाडी पादकनिष्ठांगुलीसुधारी पुष्ठफूलैजुकनिष्टकाजवै षुरकसहितअंगु- लिहोइतवै अग्रभागअंगुलिकोवेध तापरदागदेयमिटखेद चंदनअवरमुलठपीसाय लेपैअंगुलिगृध्र सीजाय ॥ अथगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ इकपलरहसणपीसमंगावै पांचकर्षगुग्गुलुतंहपावै घृतमिलाय करवटकाकरै षावैरोगगृध्रसीटरै ॥ अथपथ्यानामगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ हरडवहेडेआमलेआन क्रमक- रदुगुणदुगुणयहठान तीनोंलेहुप्रस्थपरिमान पलंकषाइकप्रस्थपछान एकद्रोणजलमोंसोभाषै रात्रीए- कभिगोयसुराषै अर्धविशेषक्राथकरलेय लोहपात्रमोताहिधरेय अर्धअर्धपलपुनयहजान तामोऔ- षधकरोमिलान दंतीत्रिफलामघाविडंग त्रिवीगिलोयमरचसुंठसंग प्रस्थएकगुगुलुतेंहपाय समयहपी- समिलावैषाय खावेंसीतलजलकेंसंग वातरोगहोएतातेंभंग गृध्रसिषंजवातलिफजावै गुल्मपांडुकंडू- नरहावै वातरक्कोतुरतविडारै बलवीरजआयुरकोधारै टूटेहोहिजासकेअंग मिलेंसमस्तहोहिइकसंग ॥ अथलसुणघृत ॥ चौपई ॥ लसुणक्राथआढिकपरिमाण आढिकतामेंगोघृतठान चित्राचवकमघां पीसाय कर्षकर्षयहतामोंपाय सुंठहिंगुयहपलपलपावै पंचलवणअधअधपलथावै अलमवेतपलअ- र्धजुपाय मंदअग्निकरताहिपकाय यहमिलायकरबलअनुसार खावैगुल्मगृध्रसीटार अरुपुननाशैंपक्षा- घात यहऔषधवैद्यकविख्यात ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ असगंधबलाजुसुंठदशमूल इन्हको- क्राथकरैसमतूल क्राथसमानकीजियेमेल पादशेषमोएरणतेल बलनिजदेषजुषावैतास होवैवातव्याधस- भनाश ॥ अथशिंसपाद्यंलेह ॥ टाल्हीत्वचातुलापरिमान कूटद्रोणदोइजलमोंठान अग्निचढायक्राथ- सोगहै अष्टमभागआइजवरहै ताहिसमानदुग्धसोपाय सनिग्धपात्रमोधरेवनाय सुंठीचूरणताकेसंग कर्षप्रमाणषायरुजभंग दिनइक्कीसप्रातनितषावे रोगगृध्रसीवातनसावै ॥ अथगोषुरूतैल ॥ चौपई ॥ भषडेकारसआढिकलीजैं आढिकतैलताहिमोंदीजैं आद्रकरसपलपांचप्रमान गुडपलवीसतासमोठान आढिकदुग्धतासमोयाय मंदअग्निसोंधरेवनाय याहिसिद्धकरवलअनुसार षावेगृध्रसीमिटेविकार पाद- कंपअरुशोथविनाशैं कटिअरुपृष्ठपीडसभनाशैं अवरसमस्तजुवातविकार नाशैमनमोंनिश्चैधार वंध्याषा- यपुत्रसोलहै वीरजदोषपुरुषकोदहै मूत्रकृछ्रकोहोवेनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ अर्दितगृध्र- सिवातकीकरीचिकित्सागान वातव्याधकेपथअपथसोऊयाकेमान-

॥ अथखंजपंग्वोर्लक्षणं ॥

॥ चौपई जोकटआश्रितवातविकार षंजवातकहियेसुविचार कंडुरानामनाडिजोकहिये अस्थिसहितातिसवातलषैये तिसकरषंजपंगुहोजावै जंघपादजोसुमलषावै इकनाडीक्षेपहोयनरखंजु दोनाडीक्षेपहोयनरपंगु.

॥ अथइनदोनोंकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ रेचनहितकारकतिहजानो औरऔषधीस्वेदनमांनो गुग्गुलुभक्षनतेंभीजाय मर्दनवस्तीकर्मकराय ॥

॥ अथकलापषंजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोचलतानरकंपनलागै षंजन्यायचलहैदु:खजागै संधीबंधसिथलहोइजावै नामकलापषंजतिसगावै ॥

॥ अथकलापषंजयत्न ॥

॥ चौपई ॥ विषगर्भादिकतैलमर्दनसे रोगजायसुखहोइसुमनसे ॥

॥ अथकटिग्रहवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटिआश्रितवायूजवहोय आमसहितजानोमनसोय कटिमोपीडाकरतसोमान कटिग्रहवातनामतिसजान

॥ अथक्रोष्टशीर्षलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरसहितजबकोपैवाय शोथपीडजानूउपजाय क्रोष्टशीर्षनामतिहवात वैद्यकग्रंथनमोंविख्यात ॥

॥ अथक्रोष्टशीर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ टाईटंकगिलोयपरमान दसोटंकात्रिफलापहिचान तिनकोकाढालेकरवाय ढाईटंकगुगलहिमिलाय एकमासतकनित्यसुपीय, रोगामिटैरोगीसुखथीय ॥ अन्यच ॥ पावदूधएरंडकोतेल कर्षवजनताहीकरमेल पीवैरोगीरोगमिटाय निश्चैकरकेमनदृढल्याय ॥ अन्यच ॥ ढाईटंकाविधाराचूरण पावदूधमिलपीयसुपूरण ॥ अन्यच ॥ किशोरगुग्गुलुसेवनतेजाय अमृतसागरमतकह्योबनाय गुगलतित्तरमांसरससंग पीवैकोष्टशीर्षरुजभंग ॥ अन्यच ॥ वातरक्तकीऔषधजेती क्रोष्टशीर्षमेजानोतेती ॥ चौपई ॥ तैलमर्दनअरसुंठमलेय चोपडएरंडपत्रधरेय गर्मकरतबांधेतिसभाय क्रोष्टसीर्षनिश्चैमिटजाय ॥ अन्यच ॥ क्रौंचवीजढाईटंकजुलेय दहींसाथादिनसातमलेय वाचौदसदिनमलसुखहोय भावप्रकाशमतउदितहैसोय

॥ अथषल्लीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जंघपादऊरूकरमूल रोकैइन्हठौरनकरशूल षल्लीनामसोवातकहावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै

॥ अथषल्लीवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जंघापादऊरूकरमूल अरुअंगुलिमरोडकरौनितशूल खल्लीवातनामतिसकहिये ताकीऔषधइंहविधिलहिये सैंधालवणकुठसमलीजैं चुक्रमिलानतैलसोंकीजैं तनकउष्णकरदेहमलावै षल्ली-

वातनाशहोइजावै ॥ अन्यच ॥ कुठअरुसैंधालोनामिलाय काडाकरअमलवेतरसपाय औरतेलसमर सहिमिलावै मंदअग्निसोंतैलपकावै मर्दनकरइहरोगमिटाय ग्रंथसकलमोंकह्योउपाय

॥ अथकंटकवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोचरणोमोंकंटकन्याय चुभेपीडउपजावैवाय विषमस्थानचरणजबधरै गुल्फोंमों-पीडालषपरै वाश्रमतेंजुगुल्फमंझार पीडाकरतसुवारंवार कंटकवातनामतिसकहिये ग्रंथनिदामध्ययोंलहिये

॥ अथवातकंटकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कंटकवातमोंकरैउपाय रक्तछुडावैयहसुखदाय सूचीवहुतपायजुचुभावे तौयह. वातव्याधमिटजावै एरंडतैलपांचटंकनितपीय मासपर्यंतनित्यसुखथीय स्वेतपुनर्नवामूलकेसंग सिद्धतै-लमर्दनरुजभंग.

॥ अथपाददाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तरुधिरमिलकुपैवातजव चलतेचरणदाहकरैतब पाददाहताहूकोनाम समुझलहो-हेनरअभिराम

॥ अथपाददाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सूकैजंघपादपुनतास पाददाहप्रगटैपुनजास जानूमांहिपीडलषपावै कंटकवेध-समपीडलषावै अरुजानूपरसोंजापरै तिससनेहस्वेदहितकरै पाददाहमोंमसुरपिसावै शीतलजलप-गलेपकरावैं अरुमाषनकोमर्दनकरै एरंडतेलपानअनुसरै ॥ अन्यच ॥ मखनपैरतलीमलवावै अग्नितपायत्तौरोगमिटावै ॥ अन्यच ॥ अंडेगोकेदूधमिलाय लेपकरैपगतेंदुःखजाय,

॥ अथपादहर्षलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेपदरोमांचितरहै सुतरहैकफवाताहिंलहै अथवापरसेचलतेरहै हस्तपाददोयी-लषलहै हर्षपादसोऊनामकहावै ऐसेवैद्यकशास्त्रसुनावै

॥ अथपादहर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ कफवातहरनकीऔषधजेती पादहर्षमोजानोतेती

॥ अथपैरोंकेहडफूटनयत्न ॥

॥ चौपै ॥ तिलसांभरलौनहलदींजुमिलाय तीनोसमधत्तूररसपाय गोकामखनसमतिहलेय पांचोवस्तुइक ठकरेय गडकावैजवहींभखजावै सभस्मगोमूतरतिहपावै जवैसर्वजलसोखतहोय घृतहीमातररहैसुजो य सोघृतमर्दनकरेजुपान पादहर्षरोगकीहान,

॥ अथसामान्यआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जवेकोष्टतैंनिकसेवाय नाडीमांहिप्रगटहोइआय हस्तपादसोइअंगकंपावै अथवासभतन कंपकरावै तनआक्षेपकरेवहुवार आक्षेपकतिसनामउचार

॥ अथकेवलवायुआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करपदमस्तकपिडागंड स्तंभितवायुगात्रइवदंड अतिपीडासोअसाध्यकहीजै चरकग्रंथकोवाक्यपरीजै

॥ पित्तजवातआक्षेपकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तस्थानउदरादिकमाहि स्तंभकरैवातदंडइवताहि

॥ अथचोटलगनउत्पन्नवातातिसकेआक्षेपककालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जोअस्थानचोटकृतहोय ताहिउत्पत्तीवाताजिहजोय तुल्यपीछलेसाथसुजान ग्रंथसकलजोकीनप्रमाण

॥ अथइस्कायत्न ॥

॥ चौपै ॥ इसविकारकोजानहितकार बलादितैलआगेसुविचार

॥ अथअंत्रायामलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गुल्फअंगुलीहृदयउदरजो वक्षस्थलगलजानुलहोसो नाडिनआश्रयहोइजुवाय फैलैतनमोलताकोन्याय वेगकरैहनुनेत्रअडावे पार्श्वभग्नकरकफनिकसावै धनुषन्यायअंतरजुनिवावत कटऊरूयहभग्नलषावत याहिवायुकोसुनहोनाम भाषतअहैसुअंत्रायाम वातव्याधिचिकित्साजोय अंतगयाममेजानोसोय

॥ अथवाह्यायामरोगकालक्षलण ॥

॥ चौपई ॥ तेवाह्यस्नायुगतवातजुहोय वाह्यायामकरोतिनसोय पार्श्वउरूकटिभग्नलषावत वाह्यायामलोकातिसगावत कंधपीडडनकोजुरुकाय धनुषसदृशकायाकरवाय अर्दितवातचिकित्साजोय जामोभीऔषधहितसोय

॥ अथधनुषस्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धनुषन्यायजोदेहनिवावै धनुषस्तंभनामतिंहगावै

॥ अथकुवजवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोहृदपृष्टवायुदुःखदेवै पीडासंयुतउच्चकरैवै ताकोनामकुवजहैवाय वैद्यकग्रंथनकह्योसुनाय अंत्रयामफुनवहिरायाम धनुषस्तंभअरुकुवजयहनाम याचारोंमेंप्रसारणीतेल होरसामान्यचिकित्सामेल

॥ अथकुवजवातलक्षणविशेषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसकरहृदापृष्टयहदोय उन्नतपीडासंयुतहोय कुवजनामवातसोकहिये दशमूलक्काथहितकरतिसलहिये सनेहअरुमांसश्रेष्टहैतास तासचिकित्साकीनप्रकाश

॥ अथअपतंत्रकरोगल्लक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रौष्यादिकवस्तूजोलहिये याहिवायुकेकोपहिंकहिये तिन्हकरकुद्धवातजोहोय स्थलतैंऊर्द्धचलतहैसोय हृदयदूखाशिरपीडाकरै मस्तकहाडपीडबहुधरै अंगनिवावैधनुषान्याय स्वासलेतनखहुदुःखपाय नेत्रफटैवामीलतहोंहि कंठकवूतररवजिमजोंहि निरचेष्टासोपुरुषलहीजै नामवायुअपतंत्रकहीजै

॥ अथापतंत्रकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हरडवरचरहसणआनीजै अमलवेतसेंधासमकीजै घृतमिलायकरषावैजोय अपतंत्रकवातनाशतवहोय हरडछालवचसेंधालौन अमलवेतरालसमतौन ठाईटंकघृतरसआद्रकमेल खायअपतंत्रकरोगहरेल

॥ अथअपतानरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेनेत्रआकडेरहैं कंठमांहिघुरघुररवलहै चेष्टादेहदूरहोइजावै हृदागहेतवमोहसुपावै जवेंहृदयकोत्यागेवाय तवनरसावधानतापाय जाकेतनअसवायुलहीजै अपतानकताकोनाम कहीजैं

॥ अथदंडापतानकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजवहोवतवात अंगदंडइवसोअकडात याकोदंडनामअपतान जानलहेहैवैद्यसुजान

॥ अथअपतानरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वहेडेमुत्थरमघांपतीस भिंडंगीआद्रकलेसमपीस तप्ततोयअथवामदसंग पीवैश्वासकासहोइभंग अरुअपतानकवातविकार नाशहोयनिश्चैमनधार ॥ अन्यच ॥ दशमूलीक्राथमेंपीपलडाल पीयअपतानकरोगहिंटाल ॥ अन्यच ॥ तेलमर्दनअंगतौभीजाय ग्रंथप्रमानकह्योजुवनाय ॥ अन्यच ॥ सूकीवस्तुजुनासालेय तौभीरोगनिश्चैहरलेय गोघृतपानसैंभीयहजान स्नेहपानकरहनतिहमान

॥ अथपक्ष्याघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ गहेअर्धदेहजोवाय नाडिन्कोंजोदेहसुकाय हननएकभागतनकरै सकलसंधवंधकरधरै सोइवातअर्धांगकहावै अवरपक्षवधनामलषावै

॥ अथपक्ष्याघातादिसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कुक्ष्यशूलनखभेदविकार वातविकारअनेकप्रकार पक्ष्याघातआदिजोकहै थोहडेकालकेंसाध्यसोलहै

॥ अथपक्ष्याघातअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आक्षेपकअरअंत्रायाम अर्दिपतानकवाह्यायाम दंडअपतानधनुषजोवान अपतंत्रकअरुपक्षाघात एतेवातअसाध्यपछानो कष्टसाध्यसुनवीनाहिमानो वहुकाहलीसुअसाध्यकहावै वलीपुरुषकोसाध्यलखावै निर्वलकोंअसाध्यकहिगाए निरपद्रवकोंसाध्यलखाए सहितउपद्रवमांनअसाध्य ऐसेंभाखीवातउपाध्य॰

॥ अथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ दाहमंदअग्नीसुअरुचजो यहीउपद्रवजानोतुमसो क्षीणमांसक्षीणवलजोऊ वातव्याधहनहैनरसोऊ जाकीदेहसुप्तहोइजाय कंपअफाराजिंहउपजाय वातव्याधताकोकरैनाश वैद्यकमोंयोंक-

ह्योप्रकाश कह्योनिदानजिसेपरकार तैसेहमयहकीनउचार ॥ दोहा ॥ वातव्याधवरननकरीजै-सैंलिखीनिदान ज्योंकीर्योंउरसमुझकैभाषाकरीवषान

॥ अथशुद्धवातव्याधचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सावातकीसोहैअनेकप्रकार सोसुनलीजैचतुरनरपुनकीजिउपचार ॥ चौपै ॥ वातव्याधजासतनहोय इंहविधकरैचिकित्सासोय सेवनइन्हवस्तुनकोंराषै वातव्याधकोंइहाविधिभाषै मज्जा-वसातैलघृतपान तैलाभ्यंगस्वेदतनमान वस्तीकर्मरेचननसवार सनिग्धसलवअमलआहार अन्नादिपु-ष्टिकरवस्तुजुलहिये श्रेष्टसोवातरोगमोंकहिये ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पटोलकायफलसमयहआन पीवैयूषवातहरमान केवलवाद्यालककोकाथ वातहरनयहलषियेगाथ ॥ अथदुग्धपान ॥ चौपई ॥ बालपंचमूलसमल्याय पीसदुग्धमोंपायपकाय व्याधीदुग्धपानजवकरै वातव्याधपीडापरिहरै ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ रहसनपंचकोलसुरदार कुलत्थमाषतिलकुठसुडार वर्चसतावरियवकोचूरण यहसमपीसकीजियेपूरण अलसीअवरजुकांजीपाय तप्तकरैसोलेपधराय वातव्याधकोदुःखमिटाय बंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ दशमूलीकोकाथबनावै चारस्नेहकतामोंपावै गंधमिलायकरमर्दनकीजै वातव्यथातनकीतवछीजै ॥ अन्यच ॥ मत्समांसकोंआनसुकावै वेसवारसमसंगमिलावै तप्तनीरसोलेपन. करै वातरोगतातेंपरहरै ॥ वेसवारवरननम् ॥ मांसअस्थिविनगुडघृतपावै तामोंमरचांमघांमिलावै वेसवारताहूकोंकहै वातव्याधकोंहरतालहै मरुवेकारसमर्दनकरै तौभीवातव्यथातनटरै ॥ अन्यच ॥ मदराकांजीचारसनेह समयहलेपनकीजेएह तौभीवातव्यथामिटजाय बंगसेनयोंकहैसुनाय ॥ अन्यच ॥ नेजनकोसनेहनिकलावै मर्दनकरैवातदुःखजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असंगधवलासुंठीदशमूल नखरहसणपीसेसमतूल तप्तनीरसोंलेपैपीवै नाशवातव्याधकोथीवै.

॥ अथपक्षाघातचिकित्सा ॥

॥ चौपई पक्ष्याघातकादिजोवात तासचिकित्सायोंविख्यात रहसणहिंगुबलादशमूल सुंठशता-वरिवचसमतूल यहमिलायकरतैलपकावै पावैअरुतनकोंमलवावै तौवाहुवातशिरवातविनाशै पक्ष्याघा-तविश्वाचीनाशै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ माषकपिकछूएरंडआन बलामिलायकाथसमठान सैंधाहिं-गुयुक्तकरपीवै पक्ष्याघातनाशतबथीवै ॥ अन्यच ॥ एरंडसुंठीवलाजवांहां माषकाथसमकरोतहांहां सैंधासहितनासकाद्वार पीवेपक्ष्याघातविडार नैत्ररोगशिररोगविनाशैं इत्यादिकगुणयाकेभासैं- ॥ अन्यच ॥ माषवलाशुकाशैवींआनै कटतृनरहसनएरंडठानै पुनअसगंधपायकरकाथ नासाद्वार-हिंगुसैंधासाथ पीवैपक्ष्याघातामिटावै ग्रीवस्तंभश्रुतनादमिटावै ॥ अन्यच ॥ चित्रामघांपिप्पला-मूल रहसणसुंठिसैंधासमतूल माषक्काथसंगतैलसिद्धकीजै पक्ष्याघातनाशकरदीजे ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ एरंडजमूलीमाषपतीस लवणशतातरिरहसणपीस माषवलाकोकाथवनावै क्काथमाहिसमतैलपकावै तैलदेहमोंमलेजुषाय पक्ष्याघातवातामिटजाय महुएकारसगुग्गुलुबीजवोय बकरीमेंगणकटेलीरसजोय पांचपांचटंकसभीपरमान महीनपीसकायालेपान कमरबरोबरखातखोदाय आसपासातिसआकपतचाय पक्षाघातरोगीतिहमाहि बैठावैजबपसीनाआहि तिसीसमैपक्ष्याघातसबहरै वैद्यविनोइहाविधिउच्चरै

॥ अथनिद्रानासरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ भुनीभंगसुचूरणपिसाय अनुमानउचितसहतमिलाय चाटैनिश्चयनिद्राआवै अतीसा, रसंग्रहणीजावै क्षुधाअधिकप्रगटैहृदमाहि वेद्यविनोदविधकह्योवनाहि पुनः पिप्पलामूलचूरण गुड, साथ चाटैनष्टनींदप्रगटात पुनः कागलहरीकीजढजोआनै सिरमेबांधनिद्रावहुठानै पुनः हाथनसोंपग हीजुदवावै तौभीनिद्रासोप्रगटावै पुनः वैंगनभुंनेसहितमिलाय खावैततक्षणनींदउपजाय पुनः एरंडतेलअलसीकातेल दोइसमकांसपात्रमेंमेल खूवघसैंघसनेत्रनपाय तौभीजानोनिद्राआय पुनः बकरीदूधसोंपादथलधोवै निद्राआवैदाहफुनखोवै पुनः कस्तूरीस्त्रीदुगधमिलाय अंजनकरअतिनिद्रा. आय पुनः सौंफभंगमहीनपीसकर बकरीदुधपायगर्मसोकर सुहातालेपजुनेत्रनकरे तातेंनिद्राआयपुवरे अथतंद्रालक्षणं बातअवरकफवाततेंजान देहभारीजुअरुचितामान अथतंद्रा चिकित्सा मालती, पत्रपुष्पकोआन मरचकौडवचकरोमिलान सेंधावत्समूत्रकेसंग अंजनपावेतंद्राभंग पुनः मालकंगु. णीतैलकेसंग धतूरमूलसोंनस्यसुचंग तंद्राकोंयहदूरनिवारें नस्यकर्मसोश्रेष्ठउचारें पुनः पलांडूहिंगूलसन. मंगाय वचकोडपुनताहिरलाय जीवंतिरससंगघसावै नेत्रपायतंद्रामिटजावै

॥ अथसर्वांगवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जबसर्वांगकोपकरवाय गात्रभंजकंपप्रगटाय संधस्थीस्फुटकरतहैसोय गात्रपीडउप; जावैजोय

॥ अथसर्वांगवातयत्न ॥

चौपई जांहिंसर्वंगतवातलषावै तौनाडीकोरुधिरछुडावै विषगभंआदिजोतैलकहावै मलैरोगसर्वांगहटावै ॥ अथलसनपिंडी ॥ चौपई ॥ लसणअर्धपलपीसकुटाय माषमाषयहऔषधपाय सैंधासौंचलत्रिकुटा जीरा हिंगुचूर्णयहजानोवीरा इकदिनकीइहमात्राकही मासप्रयंतषावैइहसही एरंडक्काथसंगचूर्ण' खाय वातव्याधसभहीमिटजाय एकांगवातअथवासरवंग उरूस्तंभक्रमहावेभंग अवरगृध्रसीकोहो. इनाश लसनापिंडीयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ लसुनलीजिएपलजोतीस अंकुरकंचुकविनलेपीस मधुघृतगुडपलपांचोपांच सर्पपतैलदोइपलसांच जीराहिंगुत्रितडीचित्रा दाडिमत्रिकुटाजानोमित्रा गजपीपलमघपुष्करमूल पांचलवणअरुपिपलामूल दोइक्ष्यारधनियांपुनलेय अर्धअर्धकर्षधरदेय पीस मिलाययथाबलषावैं वातरोगएतेमिटजावै यक्ष्याघातआमकोवात भग्नस्थिपृष्ठकटवातहिंघात वाम. नकुबजसुवातविनाशै सर्वांगअवरअर्धांगाहिनाशैं अपस्मारगुल्मजोपांच वातकफजरुजनाशैंसांच लस णापिंडीपुनयहजोकही एतेरोगनिवारेसही क्काथ देवदारुसुंठीसमक्काथ पीवेवातहरेलषगाथ ॥ अथअविलेह सूक्ष्मपीसैलसणबनाय घृतमिलायचाटैअरषाय अरुबहुघृतयुतभोजनकरै बातजव्याधहरैदुःखटरै

॥ अथएकांगवातचिकित्सा ॥

चौपई एकांगवायुपरशृंगीलावे वातहटैरोगीसुखपावै अथवापीवेएरंडतेल वादशमूलविजोरामेल

॥ अथत्वचागतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचामध्यजबकोपैवाय स्फोटअंगकृशताउपजाय सोवैअंगरोषताकरे कृष्णवरणतन- कोअनुसरे लालरंगभीकरताजोय .पर्वनमोंपीडाकरसोय

॥ अथत्वग्वातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोबायुत्वचामोंकोपैआय अभ्यंगस्नेहजुतासउपाय अरुपरस्वेदउपायपछान होवैत्वचावातकीहान

॥ अथरसगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नपाकातिसहोवतनाहि तनभाराअरुज्वरप्रगटाहि किसीवस्तुमेंाचित्तनचाह रसगतवातलपोविधिताह ॥ अथरसगतवाताचेकित्सा ॥ रसगतहोवेवातविकार मर्दनतैलातिसेसुखकार ॥

॥ अथरुधिरवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरमध्यकोपैजबवाय तीव्रपीडसंतापलषाय कृशअरुतनविवरणकरदेवै अन्नअरुचताव्रणप्रगटेवै भुक्तस्तंभकरतहैसोऊ एतेदुःखप्रगटावैवोऊ ॥

॥ अथरक्तवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अरुजोरक्तमोंकोपैवाय शीतललेपनतासउपाय रेचनरक्तमोक्षपुनजानो यहउपावताकेमनआनो ॥

॥ अथमांसमेदगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसमेदमोंकरैसंचार अंगगुरुताअंगपीडाविकार दंडहतैइवपीडाहोई दुःखसहितश्रमउपजैजोई ॥

॥ अथमांसमेदगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मासमेदजोकोपैवात रेचनताहिशांतकरजात अवरजुवस्तीकरेनिरूह तातेंजायजुरोगसमूह ॥

॥ अथमज्जागतवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मज्जाअस्थिगतहोवैवात तनविकारताहूप्रगटात सबसंधीमोंकोपैजवै इहविकारचितवतैतवै ॥ चौपई ॥ अस्थिपर्वसंधिपीडाहोय अवरशूलनितकरहेजोय बलमांसजुनिद्राकरहैनाश एतेदुःखकरैपरकाश ॥

॥ अथमज्जाअस्थिगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोमज्जाअस्थीमंझार कुप्तवातकरहैसंचार सनेहपानअरुमर्दनजान यहउपायताकोपरिमान ॥ अथताकोमर्दनतैल ॥ नागबलाकेतकीमंगावै अरुआतिबलामंगायपिसावै तीनोकारसलेहुछनाय तासमतैलजुपायपकाय पुनतुषजलसोतैलपकावै भलीभांतअंगनमलवावै वातअस्थिमज्जागतजावै वंगसेनइहविधीदिखावै ॥

॥ अथशुक्रगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातवीर्यमोंइस्थितहोय शीघ्रवीर्यकोंत्यागेसोय गर्भधारनसमार्थताजोई करेविकारनाशहैसोई ॥

॥ अथशुक्रवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोवीरजमोप्रविसेवाय वीर्यंकरनवस्तूंसोषाय हर्षउपावनऔषधजान वलकरअन्नपानहितमान ॥

॥ अथकोष्टगतवातलक्षणम् ।-

॥ चौपई ॥ कोष्टविषेंजबइस्थितहोय विष्टामूत्ररोधकरसोय हृदयरोगगुल्मउपजावे अर्शपार्श्वशूलप्रगटावे ॥

॥ अथकोष्टगतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अरुजुकोष्टमोंकोपैवाय रेचनसेकवंधनसुखदाय पाचनवस्तूसेवनकरै अथवादूधपानहितवं॰

॥ अथआमाशयवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काचीआमविषेंजबआवे श्वासकासतातेंप्रगटावे पार्श्वशूलहृदनाभिदुःखावे कंठशोषमुखशोषकरावे त्रिषाडिकारविशूचिकाकरै यहदुःखवातआमकचधरै ॥

॥ अथआमाशयवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चित्राइंद्रयवकौडपतीस पाठाहरडेंलेसमपीस सप्तरात्रिपीवैजलसंग आमस्थानवातकरभंग दीपनपाचनऔषधषाय लंघनवमनरेचकरवाय पथ्यमुंगीअरुपुरातनचावल आमाशय वातहरैतिहनिश्चल हरडछालवापुष्करमूल कचूरविल्वगिरगिलोयसमतूल देवदारुवचसोंठपतीस वायविडंगपीपलसमपीस काढाकरैप्रातउठपीवै आमाशयकीवातहरीवै ॥

॥ अथपक्वाशयगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पक्वआममोंइस्थितहोय शूलआंद्रकूजनकरसोय विष्टामूत्रकष्टसोंआवे अफारत्रिकुलपीडाउपजावे ॥

॥ अथपक्वाशयगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहविरेचनवरतीजान सलवणजुभोजनहितकरमान ॥

॥ अथकुक्षिवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सुंठीचित्राकोगडवीज समलेचूरणजलसोंपीज प्रातहिंपीकुक्षवायुनसावे दुःखमिटैव्याधीसुखपावे ॥

॥ अथगर्भवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विकाररूपजवमारुतधारै पित्तकफकोंदूषितकरडारै गर्भस्थानप्रवेशकरसोय गर्भसुकायडारतहैजोय तिहकरवालकसूकतजाय शुष्कवालकत्रियजन्मेआय ॥

॥ अथउसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ काश्मीरीअरुसितामुलठ चूरणसमपयषायइकठ ताहिश्रेष्टयहचूरणअहै शोषरोगविनवालकलहै ॥

॥ अथगुदामेंरहेजोवातउस्कालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मलमूतरजववातरुकावै उदरशूलअफारप्रगटावै पथरीरोगसोईप्रगटाय अंगनमौंअतिपीडकराय जंघउरुत्रिकपादजुपृष्ट पीडाशोथहोयातिसारिष्ट वस्तिकर्मसेंयहरुजजाय-ग्रंथप्रमाणकह्योसुवनाय ॥

॥ अथहृदयवातलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोहृदत्रिकुलमुंहडेअरुग्रीव प्रविसेमारुतयौंलषलीव वमनकरावैलैनसवार इहउपा-यताकौंसुखकार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रियंगूमूलजुमरचगिलोय समलैंजलसौंपीवैसोय हृदयवातनाशहोइजाय होइआरोग्यरोगीसुखपाय ॥ अन्यच ॥ असगंधवहेडेसमयहआन नीकेपीससज लकरपांन तौभीहृदयवातमिटजावत समुझलीजियेंऐसैंगावत ॥ अन्यच ॥ देवदारुसुंठीसमलीजै नगोदकसौंचूरणपीजै हृदयवातपीडानरहाय रोगजायरोगीसुखपाय ॥

॥ अथश्रोत्रादिवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्रोत्रादिकइंद्रीमोंकोपै वंधकरैसभइद्रियलोपै विषयअपनेग्रहशक्तिनधरै हीनपराक्रम तालषपरै ॥

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलादिकमर्दनकरै यहीवातकौंनिश्चैहरै वातहरणलेपजोहोय तामोहितक रजानोसोय ॥

॥ अथशिरानाडीगतवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोनाडीनमौंवातविकार कुवजशूलकरतासुनिहार नाडिनकौंसोस्थूलकरावै ख-लिसंकोचसिराप्रगटावै.

॥ अथस्नायूनाडीगतवातलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ स्नायूगतजववातजुहोय ऐसेलक्षणकरहैसोय सर्वअंगवाएकजुअंग उपजेरोगकरै-तिसभंग ॥

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपै ॥ फस्तकरैरोगयहजाय ग्रंथसमस्तमोंकह्योवनाय रक्तदूरकरविधीकरावै स्नायूगतवायू-नरहावै

॥ अथसंधिगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ संधिनगतजोह्वैवात संधिनकोसोकरहैघात शूलअवरजोशोथजनावै संधीगत-विधिवातजुगावै ॥

॥ अथपंचांगवातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्राणउदानसमानजोकाहिएव्यांनअपांन प्राणादिकयहपांचहैतिन्हकौंकहौंनिदान ॥ चौपई ॥ प्राणवायुपित्तसंयुतजोय छर्ददाहउपजावैसोय कफसंयुक्तप्राणजोवाय तंद्राविरसदुर्वलउप-

जाय पित्तयुक्तअपानजवहोय दाहउष्णतनकरहैसोय रक्तमूत्रतिसनरकोआवै असेंपित्तयुतलक्षणगावैं कफसंयुक्तअपानजुहोय अर्धतनसीतगुरुताकरसोय व्यानपित्तसोंमिलहैजवहीं दाहगात्रविषेपक्लम-करही व्यानमिलेजबककफसोजाय दंडन्यायअस्तंभकराय शूलशोथउपजावतसोय कफसंयुक्तव्या-नजवहोय अन्नअरुपांनवचनमंझार तिसकरविनसमर्थनरनार जोउदानपित्तयुतहोय मूर्छादाहभ्रम-करहैसोय कफसंयुक्तउदानामिलीजै स्वेदरहितमंदअग्निभनीजै शीतकरैरोमांचकरावै एतेलक्षणताकेगावै पित्तसंयुक्तजुहोयसमांन स्वेददाहमूर्छाकरजान देहउष्णराषतहैसोय पित्तसंयुक्तसमांनजुहोय कफसं-युतजुसमानकहावै विष्टामूत्रवंधकरवावै अरुरोमांचदेहमोकरै एतेलक्षणयहनिजधरै असेपंचवायु-कोंजानो आगेऔरकहैसोमानो

॥ अथयत्नसंधिनाडीगतवातका ॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलमर्दनाहितकार इंद्रवारुणीजढलैधार फुनपीपलतामोपीसाय ढाइटंकगुडसा-थहिखाय संधिप्राप्तवाताजिहहोय सबहीवातनिवारैसोय जाहिसंधिनाडीगतवात आमसहितसों-कोपदिखात तिंहसनेहमर्दनकरवावै अग्निगुल्लतादेहदिवावै अरुबंधनतातनकोंकरै योंवातजपीडा-परिहरै ॥

॥ अथकंपवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ याहीसटीलापथरीकरै मूत्रकृछ्रादिरोगबहुधरै शिरसर्वांगकंपावैजोय कंपवातक हियतहैसोय ॥

॥ अथकंपवाताचिकित्सा ॥

चौपई ॥ सर्वअंगशिरादिकजेऊ जासअनलतेंकांपैतेऊ वेपथनामवातसोकहिये तिसैंस्वेदमर्दन-हितलहिये बलामरकटीअवरशतावर सितपुनर्नवाइन्हकीलेजढ सेंधाइहइकसमसभलेय जिगणका-तरुरसतिहदेय सभसमतैलमिलायपकावै मर्दनकरैवातरुजजावै

॥ अथतंद्रादिलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ कफसेंमिलतहोयजोवाय अरुचगौरवतंद्राउपजाय रहैघूर्नितासिथलजुदेह ऐसेलक्षण-जांनोतेह;

॥ अथतंद्रादिचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लेसुरमाअरुलोधरमरच लोहचूर्णगोपित्तहिंसरच पावेताकोतंद्राजाय अरुचगौर-वताताहिमिटाय ॥ अन्यच ॥ गंढलसणवरचअराहिंग कौडजीवंतीसमलेसंग जीवंतीरसमेल-पवावै कफयुततंद्रावातामिटावै.

॥ अथसुप्तवातचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ हरडसुंठअरुपुष्करमूर मघांदेवदारूजुकचूर गिलोयवाडिंगवासाजुपतीस इन्हकोकाथकरैसमपीस सुप्तवातकोहरताएह यहनिश्चैमनमोधरलेह दुग्धप्रियंगूमूलपिसाय दुग्धसंगता. कोसुपिलाय सुप्तवातकोहोइहैनाश रुधिरमोक्षऔषधहिततास.

॥ अथ वृषणवातचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपै ॥ प्रातःतैलआद्रकरससंग पीवैवृषणवातहोइभंग अथवामर्दनकरैवनाय रोगजायरोगीसुखपाय

॥ अथसामान्यवातरोगोत्पत्तिःचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सामान्यचिकित्सायाकीकहों मर्दनतैलजुपरसालहों जोविशेषयालक्षणलहों सोसमस्तअवभाषनचहों कफसेतीमिलहैजबवाय देहस्तंभकरैदुखदाय ॥ अथवातहरणनसवार ॥ चौपै ॥ मरचसुहांजणबीजविडंग मरुवालेसमपीसोचंग सूक्ष्मकरदेवैनसवार नाशहोइतबवातविकार ॥ अथ चूर्ण ॥ चौपै ॥ अमलवेतदाडिमसुठहिंग सौचललवणलीजियेसंग यहसमचूरणषावैजोय रोगवातकफहरहैसोय ॥ अथगुग्गुलुवटका ॥ चौपै ॥ त्रिफलामघयहपलपललीजै एलादालचानाअधअधपलकीजै गुग्गुलुपांचपलपीसमिलावै दशमूलक्काथसोंपरलकरावै सातपुठताजलकीदीजै तिहसुकायपुनपुनसोंलीजै वलअनुसारवटकाकरषाय मज्जासंधिगतवातनरहाय खावैगुटकामांसरससाथ हरेवातसबही सुनगाथ अथएरंडादिगुग्गुलु चौपै सितएरंडादिमूलत्वचआन सहचरदोयमूलत्वचठाान मुस्थरजबांहां. वांसाजानो देवदारुकोडतुनमानो हरडैंबलादोयकंडयारी दोइपुनर्नवाचाहियेडारी पंचकोलअजमोदझ. नावरि असगंधगिलोयसटीहलदधरि भपडाअमलतासविडंग धनियांदालहलदधरसंग शतपुष्पाजानोदो यप्रकार वरचविधारातामोडार अजवायणअरुआनपतीस सभसमगुग्गुलुमेलोपीस बलअनुसारयाहिनि. तषावै सभहीवातविकारमिटावै याकोंदीपनपाचनजान आमवातशोथकरहान अथत्रयोदशांगगुग्गुलु चौपई हरडअसगंधहैवेरगिलोय गोपुररहसणसटीसमोय विधारासौंफअजवायणआन सुंठशतावरसमलेटान चूरणकरसमगुग्गुलुडारे तिसतैंअर्धघृतपायसुधारै चारटंककोगुटकाकरै षावैवातव्याधकोंहरै कोसेजलसोंगुटकाषाय अथवामद्यसाथअचवाय साथमांसरसवापयसंग षावैगुटाकरुजहोयभंग गृध्रसीकटपीडामिटजाय वातअवरकफरोगनसाय बाहुपृष्टहनुजानूपाद संधअस्थिमारुतवरवाद कोष्टसनायुगतवातविकार योनिदोषहृदग्रहकोंटार भग्नअस्थिपंजअरुपंगु इत्यादिकरैइहगुग्गुलुभंगु अथस्वयंभवगुग्गुलु चौपई त्रिकुटादोनोलैवक्षार तीनोलवणहरडपुनडार दोईजीरेअजवायणदोय चित्राचवकवरचसंजोय सोमरा. जीअरुपिपलामूल यहसभलीजैइकसमतूल इन्हसभसमपुनगुग्गुलुपावै अमलवेतइकपादरलावै गुटकाखावैबलअनुसार षावैआमवातकोंटार संधिअस्थिमज्जाकीवाय इत्यादिकमारुतरुजजाय भग्नअंगकोंयहदृढकरै दीपनअरुपाचनलषपरै देवनदेवस्वयंभूगायो स्वायंभवयोंनामकहायो ॥ अथपत्रलवण ॥ चौपई ॥ एरंडअरुआटरूषकआन मुष्कनक्तमालपहिचान चित्राअरुपूतीकपछानो इन्हकेहरैपत्रसमआनो सभसमलवणजुसिंधुमिलावै सभहीऊँपलपायकुटावै पुनसनिग्धघटमों. सोडार तापरगोवरलेपसुधार अग्निमाहिधरआगादेय योंपकायकरषावैतेय वातरोगकोंश्रेष्टविचार बंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथसनेहलवण ॥ चौपई ॥ थोहरगतलेअरुवृंताक सैंधालवणसमुझयहवाक यहसमकूटकलसमोपावै मज्जावसाघृततैलसमावै गोवरलेपकीजियेजास अग्निपकायसेकियेतास वातरोगकोजीतैएह ऐसेंअपनेमनलखलेह ॥ अथतिल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ लोधरलीजियेपलपरिमाण कर्षकर्षयहऔषधठान त्रिफलादंतीत्रिवीविडंग शंखनिअरुगिलोयधरसंग दधिअरुत्रिफलेकाजोकाथ

चारगुणामेलोतिहसाथ प्रस्थएकघृतपायविचार मंदअग्निसोंताहिसुधार नित्यप्रातउठयहघृतषावै वात रोगकोंसोइंमिटावै ॥ अथराष्णादिघृत ॥ चौपई ॥ रहसणचित्रामघामंगाय बिल्वसुहांजणसिंधापाय भषडेलेपुनपुष्करमूल कर्षकर्षलीजेसमतूल यहचूरणसंगघृतयुपकावै खावैवातव्याधमिटजावै ॥ इति-रास्नादिघृतः ॥ अथअश्वगंधघृतः ॥ अश्वगंधकोकाथकरावै दुग्धचतुर्गणप्रस्थघृतपवै वातरोगकोंघृत-यहहरै देहधातुपुष्टबहुकरै ॥ अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ चारचारपललेदशमूल प्रस्थप्रस्थपुनइहस मतूल वदरीफलकुलत्थयवआन द्रोणतोयमोंकाथसुठान गणजीवनीयपलएकप्रमाण ताहिकाथसंग करोमिलान रहैपादशेषसोजवै प्रस्थएकघृतडारितवै चारप्रस्थपयपायपकाय षावैवातजव्याधनसाय. ॥ अथछागलादिघृत ॥ चौपई ॥छागलएकपुष्टमंगवावै चरमशृंगपगदूरकरावै अरुताकीमलदूरनिवार द्रोणएकजलमोंसोडार पलवत्तीसपाददशमूल अग्निजलायचढावैचूल पदाशेषरहैवहजवै तलैउतार. छनावैतवै प्रस्थदुग्धप्रस्थघृतपाय मंदअग्निकरताहिधराय मुलठशतावरिगणजीवनीआन कर्षकर्षपसिोंत हठान इहप्रकारपकायसुषावै वातरोगआर्दितमिटजावै करणशूलवधरतानाशै मिनमिनजडतातासाविनाशै मूकहोयवाचालसुवाणी गदगदस्वरकीहोवतहानी गृध्रसिपंगुषंजअपतान अपतंत्रवातकीहोवैहान अथवलातैल चौपई बलाअवरएरंडसमआन क्राथवनावैवैद्यसुजान तासोंतैलपकायजुषावै सभहीवातव्या धमिटजावै अथमहावलातैल चौपई बलाअग्निमंथएरंडदोइ कंडचरींअरुअसगंधहोई विल्वगोषुरूअव रशतावर नागवलास्योनाकतहांधर दोसहचरपाटलपुनपावै शालिपर्णिपृष्टपर्णिलषावै अरुप्रसारणी-औषधघाल केतकीवकायणतामोडाल दशदशपलयहऔषधलेय दोयद्रोणजलमोंजुधरेय मंदअग्निसों-जाहीपकावै पादशेषजवरहैछनावै दोप्रस्थतैलपुनताहीमिलाय कर्षकर्षयहचूरणपाय रहसणजीवनी-गणमांसीकुठ सेंधावरचएलाजुइकट तालीसपत्रदालचीनीठान मुत्थरमंजीठतहांकरोमिलान देवदा-रुअरुबालापाय कंकुष्टशरलपुनाताहिमिलाय अरुतंहपावोपिपलामूल पीसपायसभहीसभतूल दूधदोइ-गुणताहीरलावै शतावरिरसगुणचारमिलावै सभएकत्रकरअग्निपकाय शीतलकरवासनधरवाय षावैम-लैलेयनसवार सर्वरोगवातजकोटार अरुयहवातरक्तकोंनाशै आमवातयहरोगविनाशै ॥ अथअन्यम-हावलातैल ॥ चौपई ॥ बलामूलकोकाथवनावै अरुदशमूलीकाथकरावै यवकुलत्थवदरीफलतीन इन्हकोकाथाभिन्नपरवीन अठअठप्रस्थजुइन्हकोकाथ एकोप्रस्थतैलदेसाथ एकप्रस्थगणमधुरमिलावै पुनइहऔषधताहिरलावै सेंधासर्जरसलेसुरदार सरलवृक्षकुठएलाडार अगरतगरलेकाष्टमंजीठ छडमो ञ्योधरचंदनईठ तालीसपत्रसारिवापछान वरचशैलेपजुसौंफसुठान असगंधशतावरिइटसिटलीजै यह-कर्षकर्षसमभागगहीजै इहप्रकारसोंतैलपकाय स्वर्णरजतमृतभाजनपाय वलअनुसारताहिकोषावै सभहीवातविकारनसावै प्रसूलवातयुतइस्त्रीजोय षावैवातप्रसूतजषोय गर्भार्थनीजुषावैएह गर्भप्राप्तहो-वैपुनतेह वलकरहीनपुरुषजोषावै वलप्राप्तीथिरयौवनथावै श्वासकासहिडकीहोइनाश अंत्रवृद्धजुगु-ल्मविनाश यातेंराजाधनीकहवत तैलजुषायपरमसुखपावत ॥ अथसहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरितुलाजलद्रोणपकावै तैलप्रस्थपादशेषमिलावै दुग्धचतुर्गुणपावैतैल पुनचूरणयहऔषधमेल चंदनअगरमुलठकचूर देवदारुसेंधातहांपूर मुत्थरअजमोदादोइजीर दोइकाकोलीजानोवीर सोंचल-कुठभिडंगीठान त्रिकुटारहसणभषडामान यहसभकर्षकर्षगहलीजें पुनीशरकराअष्टपलदीजैं याकों-पीवैमर्दनकरै अरुनसवारलेयदुःखटरै ऊर्धअधोबाहुकजोवात करणवातअरुपक्ष्याघात नाशहोंहिया-

गुणाविख्यात यहनिश्चयआनोयहवात वातअवरकफकेजुविकार नाशहोंहिसभयोंमनधार अरुशिरकंपरोगमिटजावै वंगसेंनयोंप्रगटजनावै ॥ अथमहासहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरिकाशमरी जुशतावर पाटलबिल्ववरचताहीधर वलामूलअसगंधपछान इन्हकोतुलातुलापरिमान चारद्रोणजलपायपकावै चतुर्थभागरहैछानधरावै पुनशतावरीहिंगुमंगाय देवदारुरहसणपुनपाय तज्जमुलठीचित्राठान सेंधातगरविडंगपछान एलायहसभपलपलपावै दोइप्रस्थतंहतैलामिलावै मंदअग्निसोंलेहुपकाय नित्ययथावलताकोषाय मर्दनकरैलेयनसवार अस्सीरोगवातकेटार चालीरोगपित्तकेनाशैं बीसरोगकफकेजुविनाशैं याहितैलकोपानप्रमान नाशैएतेरुजमनआन महासहचरादियहतैल षावैमर्देव हुरुजठेल अथश्रीविष्णुतैल चौपई शालिपर्णिअरुपृष्टजुपरणी भूमिआवलीकठिकरणी एरंडमूलजोपूतिकमूल सहचरिमूलधम्मणीमूल अरुकंडयारीमूलजुआन अवरबलापलपलपरिमान प्रस्थतैलमोंपीसिरलावै चतुर्गुणअजाबागोपयपावै अग्निपकायजुषावैतास वातरोगकोहोइहैनाश याहिवृद्धनरषावैजोय दीर्घआयुजुवासोऊहोय घोडेहाथीकोंजुपिलावै बहुबलहोइवातरुजजावै हृदयशूलअरुपार्श्वजुशूल पक्षाघातदोषनिर्मूल कंकरिपथरीपांडुविनाशै रक्तवृद्धगलगंडहिंनाशै अवरकामलारोगविडारै बंध्याषायगर्भसोधारै षत्र रकोंजोदेवैएह गर्भधरैयामोंनसंदेह नरनारीषावैजोकोय जरामृत्यकोंप्राप्तनहोय वातविकारसकलहोएनाश श्रीविष्णुवदनतैंभयोप्रकाश ॥ अथमहातैल ॥ चौपई ॥ वलाअसगंधरहसणसुरदार वरचशालपर्णीपुनडार नागवलाचंदनजुमिलावै नतलोहसैंधाअगरजुपावै पुष्करकाकोलीजुमुलठ विदारीचित्राकरोइकठ मेदागुग्गुलुजीराठान सुंठद्राक्षगुडधनियांजान यहऔषधसमलेयकुटावै सभतैंदुगुणोंतैलमिलावै तोयचतुर्गुणतासामिलाय अमलकाजीदधिदुग्धसमाय विधिवततैलपकावैसोय षावैमलैवातरुजषोय अहलेवैताकोनसवार स्तंभवातअपतानाविडार दंडवातअरुपिंडतवात वेपमानवायूकरघात कुवजषंजवातयहनाशै वृद्धयुवासुंदरहोइभासै भग्नअश्वहस्तीकोंदीजै वेगतासमपवनलहीजै बंध्याषायपुत्रसमदेव दीर्घायुसभगुणयुतलेव अवयोसकलवातकोरोग याकरसभरुजहोंहिअयोग ॥ अथलघुनारायणीतैल ॥ चौपई ॥ शतावरीअंशुमतीजुकचूर पृष्टजुपरणीएरंडमूल बलाधम्मणीमूलपछानो सहचरिमूलकरंजूआनो पुनकंडयारीकोलेमूल दशदशपललीजैंसमतूल एकद्रोणजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै पुनयहअर्धअर्धपलआन इटसिटमरचशतावरिजान दालहलदचंदनकुठएला मांसीरक्तचंदनकरमेला अगरशिलाजितसैंधालून बलाशालिर्णीकरचून असगंधमजीठजुमुत्थरआनो गैंउदप्रयंगुतितडोठानो अवरस्थौणाआनरलावै रहसणयहसभपीसिमिलावै अजागोदुग्धप्रस्थदोपावै प्रस्थशतावरिरससंगरलावै प्रस्थतैलमोंपायपकाय पाछेचूरणयहतिसपाय लवंगदालचीनीनखमरच रसौंतजुनलिकामस्तकीसर्च मुष्ककपूरवरेजाकेसर लाजवंतिकस्तूरीतिहधर वस्तूयहतिसपीसरलाय बलअनुसारषायजुमलाय वातभग्नजोमानुषहोय हस्तीअश्ववातहतसोय तिन्हकोंजोयहतैलषुलावै इन्हसभकीवातजरुजजावै वृद्धयुवाहोएअतिबलवान बडीआरबलासंयुतमान अश्वतरीजोगर्भजुलहैं मानुषतियकीक्यागतकहैं हृदयशूलअरुपक्ष्याघात पार्श्वशूलअपचीकोघात हणुग्रहगंडमालअशमरी पांडकामलाषीडाहरी ॥ अथमध्यमनारायणतैल ॥ चौपई ॥ बिल्वअग्निमंथरयोनाक असगंधवकायणनिंश्वाक पाटलअरुप्रसारिणीआन बलाअतिबलाभषडाठान दोइकंडयारीइटसिटलीजै दशदशपलपरिमानषरीजै द्रोणचारजलपायपकावै पादशेषरहैछानधरावै तैलप्रस्थदोइपायपकाय पुनयहदोइदो

इपलपाय सौंफसैलेयकुठमुरदार मांसीवरचतगरपुनडार चंदनएलाचारोपरणी रहसणसेंधाइटासि-टवरणी अरुअसगंधपीसतंहपाय यहऔषधपावेसमभाय शालिपर्णिअरुमाषपर्णीजो पृथकपर्णिअ रुपृष्टपर्णीसो चारपर्णिऐसेंलषपाई भिन्नभिन्नसोभाषसुनाई पुनहिंसतावरिरसातिंहठान एकप्रस्थताको-परिमाण दुग्धअजावागौकोआने परिमाणचतुंगुणतामोठाने इहप्रकारसोतैलपकाय नित्ययथाबलताकोंषाय मर्दनकरैलेयनसवार नरहयहस्तीहोयबलधार पंगुअवरअधोवातनसावै शिरकीवातगलग्रहजावै ग्रीवा-स्तंभदांतकेरोग हणूस्तंभहोइजांहिअजोग गतिविक्लताअरुअंगशोष नष्टवीर्यताज्वरहरदोष इंद्रयक्षी-णताहोवैनाश जिव्हादोषबुधदोषविनाश जिसीबातकरकन्यासुतजो सूकजाहिहोयनाशपवनसों अरुजिस-वातहुतेंजोनारि सकहैनांहिगर्भकोधारी सोभिवातअरुवृषणनवात अंत्रवृद्धवातनरहात ॥ अथनारायण-तैल ॥ चौपई ॥ विल्वअसगंधबलास्योनाक अग्निमंथनिश्चैलषवाक पाटलमूलअतिबलाजान दोइकंडयारिमूलपछान भषडेअवरवकायणलीजै अरुपरसारिणीसमुझपतीजै अरुतिंहलघुजुकेरेलेठान प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान अष्टद्रोणजलपायपकावै पादशेषरहिजवलषपावै दोइआढकतिसतैलरलाय दोइआढकबकरीदूधमिलाय रसशतावरीआढकदोय पुनइहऔषधताहिसमोय रहसणचारोपरणीजान असगंधअगरगजकेसरठान सेंधाकुठमांसीमुरदार दोनोहलदीचंदनडार तगरमुलठशिलाजितपावै तालीसपत्रमुपलासमिलावै पुष्करमुत्थरभंगराजीरा वरचकुठेरणचोरकबीरा अष्टवर्गपुनमानसुजान दोदोपलइन्हकोपरिमान कस्तूरीकेसरकरपूर यहतीनोपलपललेपूर विधिवतसोंपकायकरधरै नित्यय-थाबलभक्षणकरै नरहयहस्तीकोंजुषुलावै सर्ववातहरबलसुवधावै पंगुवातअरुपक्षाघात अर्दितवात-शोषनरहात कंपवातवधरताषोय वीर्यनाशवातहतहोय ग्रीवास्तंभजुगलग्रहजावै हणूस्तंभवातनरहावै वंध्याइस्त्रीयाहिजुषावै देवसमानपुत्रउपजावै दुष्टप्रजाजिसनारीहोय सुष्टप्रजाकोंप्रापतसोय भुजादि-कशाखावातनिवारै जिव्हारोगदांतरुजटारै शूलउन्मादकुवजज्वरनाशै पवनविकारजुसकलविनाशै तैलजुयातेंउत्तमपरै ताहिनमनमेंनिश्चेधरै इसकरआर्वलअधिकीहोय इस्त्रीप्रियहोवतनरसोय अरुल-क्ष्मीकोंप्रापतहोय जयकामीजयप्रापतिसोय राक्षसदुष्टभूतअरुप्रेत अरुपिशाचभयनाशनहेत जोइसतैल-हिंसेवनगहे वर्षपांचसौजीवतरहै पूर्वदेवअसुरकोयुद्ध होतभयोवडलोकप्रसिद्ध सुरसभअंगभग्नहोइगये याकरहोतभयेअंगनये तिन्हानिमित्तनारायणस्वामी तैलरच्योयहअंतरजामी याकरस्वरणपृष्ठताधारी भयेदेवसभरहितविकारी तातेंपंडितवेद्यनजान नारायणतैलकहिनामवषान ॥ अथमाषादितैल ॥ चौपै ॥ प्रस्थमाषआढिकजलपाय पकावैपादशेषरहैआय चतुर्गुणतामोंदूधसमावै प्रस्थतैलपुनपायपकावै जीवं-त्यादिकअष्टवर्गजो सेंधासोंफमर्कटीलषसो रहसणकोडजुकुठमुलठ कर्षकर्षइहपीसइकठ यहपुन-पायपकायजुपावै मलैकरणशूलमिटजावै मंदश्रवणअरुपक्ष्याघात अंधराताअपबाहुकवात हस्तकं-पशिरकंपमिटावै जत्रूऊर्धवातनरहावै यवतिलमाषयहत्रैजुप्रशस्थ इन्हकोषोडशपलकोप्रस्थ घृतमधु-तैलतीनयहजान इन्हकोकुडवअष्टपलमान ॥ अथमध्यममाषादितैल ॥ चौपै ॥ माषधिक्काथबलाकोक्काथ वेरक्काथयवकुलथनक्काथ यहसभक्काथकरोइकसाथ रहसणक्काथदशमूलजुक्काथ छागमांसरसअवरजुतैल प्रस्थप्रस्थसभकीजैमेल चतुर्गुणतामोंदूधरलाय अरुयहचूरणतामोंपाय रहसणआत्मगुप्ताजान सेंधाल-वणशतावरिठान एरंडबलाजीवनीयमुत्थर त्रिकुटाकर्षकर्षतामोंधर मंदअग्निसोंताहिपकाय षाययथा-वलदेहमलाय हणूपृष्ठवातयहनाशै बाहुकंपशिरकंपविनाशैं बाहुशोषअपबाहुविडारै करणशूलबधिरता-

टारे करणनादविश्वाचीजाय कुवजगृध्रसीअपतानमिटाय एतेवातविकारनसावे जत्रुऊर्धवातमि- ...
॥ अथमहामाषतैल ॥ चौपै ॥ आढिकअर्धमाषजोलीजि अर्धतुलादशमूलभनीजै
छागलमांसतीसपलपावे तोयद्रोणमेंपायपकावे पादशेषइकरहैसोऊजव प्रस्थतैलपावैतामेंतव
पुनहींदुग्धचतुर्गुणपावे कर्षकर्षयहचूरणमिलावे जीवनीचवककायफलजान चित्राविकु
टारहसणठान आत्मगुप्तासौंफमंजीठ एरंडधात्रीफलपुनर्ईठ तीनोलवणशतावरिमानो भषडेअसगंधव
रचपछानो अजवायणकचूरसमजोय पुनहीतामेंपायगिलोय मंदअग्निसोंताहिपकावै षायमलैनस-
वारदिवावे नेत्रनकाननमेंपुनडारे करणशूलवध्रताटारे कंपमिटैशिरग्रीवापाद अंधराताजावेइत्याद
॥ अथसामिकमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ आढिकमाषजोसुद्धमंगावे दशदशपलयहऔषधपावै
परसारिणिअसगंधशतावरि केतकीमूलअतिवलासहचरि एरंडबलाअवरदशमूल आत्मगुप्तालषस
मतूल चौहटपलकुर्कटकोमास द्रोणदोयजलमेलोतास अग्निचढायपकावैसोय पादशेषरहैछाणेजोय
तामेंदुग्धद्रोणइकपाय दोयप्रस्थतंहतैलामिलाय पलपलकरमहीनयहचूरण ताकेमध्यकीजियेपूरण जी
वन्यादिअष्टजोवर्ग चंदनकचूररहसणसंसर्ग सेंधावलाकुठसुरदार शुकाशीवीएलापुणडार मांसीसौंफ
विडंगाविदारी परसारिणीमुलठीडारी शरलवृक्षवरचअसगंध दालहलदत्रिकुटासंबंध अमलबेत
पुनर्नवाआन एरंडजढसमकरोमिलान सभमिलायमंदाग्निपकावै बललषपीवैदेहमलावे अरुताकी-
लेवैनसवार अरुनेत्रनकानोंमेंडार करणशूलाशिरोरोगानिवारे हणूवातमुखरोगविडारे ग्रीवास्तंभअम
बाहुकनाशे करणश्रावहृदरोगाविनाशे अंधराताजुवध्रताषोय वातगृध्रसीहरहैसोय कटग्रहअवरत्रिदोष
जवात आमवातयहकरहैघात विशूचीअवरपार्श्वकोशूल आंत्रवृद्धवातनिरमूल अंडवृद्धवातमिटजावै
षंजपंगुसोवातमिटावे जंघाउरूपादपृष्टदु:ख वातरक्तपीनसहरहोइसुख जराअवरषल्लीकोवात नाश
वातकेशनकोपात एतेवातविकारामिटावै मांसवीर्यबलदेहवधावे बंध्यापायसुपुत्रहिजणै गर्भणीषायसुत
श्रेष्टसगुणै हस्तीअवरऊंठअसवारी यातेसिथलसंधदु:खभारी यातैलहिकरसांधेजोय होंहिसुथलपी-
डासभषोय सभहीवातविकारनएह इंद्रवज्रसमजानोतेह अत्रीगोत्रकृष्णारिषिभाष्यो सवलोकनकौं-
हितकरआष्यो ॥ अथअन्यमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ माषजुआढिकअर्धमंगावे अर्धतुलादशमू
लमिलावे तिसतेंअर्धबलाकोमूल तातेंअर्धकेतकोमूल पक्षिकुरलमासतीसपलपावे चटिकमासपल
पचीसरलावे तोयद्रोणदोयपायपकावे शुद्धवस्त्रमोताहिछणावे पादशेषरहैवहजवै प्रस्थतैलमेलेतंह
तवै दुग्धमिलावेप्रस्थजुचार याहिविधीसोंताहिनिवार जविन्यादिअष्टजोवर्ग त्रिकुटाचवककरोसंसर्ग
रहसणएरंडपिप्लामूल मंजीठकायफलपुष्करमूल आत्मगुप्ताअवरमुलठ कुठशतावारिकरोइकठ ती
नोलवणअवरअसगंध गिलोयजवायणकरसंबंध मुत्थरभुंठीवरचशौंफवर दोइकंडयारीइटसिटतंह-
धर दोनोरजनीअवरकचूर यहसभकर्षकर्षलेपूर तैलपकावैषावेमलै पक्ष्याघातअंधराताटलै मंद
श्रवणअपतानकवात ग्रीबास्तंभकंपतनघात करननादाशिरकंपनसावे हस्तकंपअरुषंजमिटावे हणू-
स्तंभपरसूतीवात देंडवातभाग्योकंहुंजात अंडवृद्धयहवातनसावे आंत्रवृद्धवातमिटजावे इत्यादिकस
भवातविकार नाशहोंहिजानोमतसार ॥ अथसिद्धार्थिकतैल ॥ चौपई ॥ दूधलेयआढिकपरि-
माण छाणकडाहेकेमधटान शतावरिकोरसप्रस्थजुदोय आद्रकरसइकप्रस्थसमोय प्रस्थएकपुनतैल-
मिलावे कर्षकर्षऔषधयहपावे मांसीचंदनतजशतावरि दालहलदएलारहसणधरि अंशमतीसैंधा

सुमंजीठ तगरजबायणतेहधरईठ एरंडमूर्वामरचमिलाय असगंधसुंठकरचूर्णरलाय बालाश्रवरशो छेयमिलाय पात्रपायकरअग्निचढाय सभामिलायमंदाग्निपकावे मासपर्यंतयथाबलखावे कुब्जवात- वामनकरवात पंगुभग्नवातनरहात् अवकुंचनवातजायएकांग हणुग्रहवातरक्तसर्वांग पामाकंडूकुष्ठविडारे विचर्चिकाअरुगंडमालाटारे मुखकोपाकउदरकोरोग भगंदरव्रणरु- जहोंहिअजोग सन्निपातज्वरविविधप्रकार शूलगुल्मविषमकोंटार आंत्रवृद्धअंडवृद्धनाशे शरकरापथरी- पांडुविनाशे नेत्ररोगकामलानिवारे वंध्यातियकोदोषविडारे स्मृततीक्षणकरदृष्टिबनावे बलअरुवरण- आयुवरपावे परमरसायणयाकोजान वंगसेनयोंकीनवखान ॥ अथशतप्रसारिणितैल ॥ चौपई ॥ शतपलइकप्रसारिणिलेय पादचतुर्थक्काथकरतेय प्रस्थएकपयताहिरलाय तैलप्रस्थलेताहिमिलाय जीवकरिषभमेदकाकोली चंदनकुठशवातरिघोली दालहलदमंजठिरलावे रहसनकर्षकर्षयहपावे ताहिपकायमलैअरुखावे ताकोंगुणसुनग्रंथसुनावे समस्तवातरुजनाशविकार वंगसेनयोंकीनिउचार ॥ अथत्रिंशतप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ प्रसारिणीअवरलेयदशमूल असगंधदुलजुतुलासम- तूल द्रोणद्रोणजलमोंयहडारे भिन्नभिन्नत्रैक्वाथसुधारे पादशेषइन्हकोजबरहे बस्त्रछाणकठेकरगहे- तिन्हमोंआढिकतैलमिलावे आढिकआढिकपयदधिपावे इकआढिककांजीतिहडार दोदोपलऔ- षधयहधार मंजीठमुलठीपिपलामूल दोइक्ष्यारचित्रासमतूल अवरवहेडेसेंधाजान पुनप्रसारिणी करोमिलान जीवन्यादिअष्टवर्गजो यहऔषधडारेपलपलसो सुंठपंचपलतामोंठान पलजोतिस- भिलाबेमान सभइहपायइकठेकरे पात्रसुमंदअग्निपरधरे ऐसेतैलपकावेषावे तनमोंमलैवातरुज जावे हणूसंधअस्थिदुःखनाडि इन्हकीपीडाहरेविकारि स्मृतीमेधाकरबलपुरुषारथ आग्निवधेयहकह्यो- यथारथ ॥ अथलसणतैल ॥ चौपई ॥ लसणकुटायलेयरसजास तासमतैलमिलावेतास मंदअ- ग्निधरताहिपकावे तनमोंमलैयथाबलखावे वातसमस्तविकारमिटावो विनारोगहोइकैसुखपावो ॥ अथमूलिकयादितैल ॥ चौपई ॥ बालमूलिकारसकढवावे आढिकतासप्रमाणधरावे दूधद- हीअरुकांजीजान आढिकआढिकतामोंठान आढिकतैलमिलायपकावे तिन्हकेमध्यऔषधीपावे रहसणबलाअतिविषाजान सेंधासुंठसुहांयणाठान मघपीपलगजपीपलपाय चित्राभखडावरचामि- लाय अवरामिलावेपलपलपावे ताहिपकाययथाबलखावे अरुतनमलैवातरुजनाशे अपतानकवा- तशोषजुविनाशे कटीवातउरुस्तंभामिटावे पंगुपर्वपीडानरहावे कंपवातअरुगुल्मविडारे वंध्यापुत्र- गर्भकोधारे ॥ अथदशमूलादितैल ॥ चौपई ॥ दशमूलबलारहसणअसगंध गिलोयपुनर्नवा- करसंबंध करंजूएरणरोहिषभिडंगी सहचरिपायशतावरिचंगी काकनासापुनवासाठान इकइकपल- इन्हकोपरिमान जवअरुअलसीमाषमंगावे वदरीफलकुलत्थसमपावे प्रसृतिप्रसृतिइन्हकोपरिमान चारद्रो णजलमोंसभठान मंदअग्निधरताहिपकावे द्रोणशेषरहैताहिछनावे आढिकगोपयआढिकतैल अरुयह- औषधतामोमेळ जीवन्यादिअष्टजोवर्ग पलपलतिहकीजैसंसर्ग इहविधितैलपकावेखावे मलैसम- स्तवाताभिटजावे ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ इकशतदलअसगंधमंगावे द्रोणएकज- लतायरकावे पादइकशेषरहैसोजवे आढिकतैलमिलावेतबे आढिकचारदुग्धपुनपाय पलपलऔषध- चूर्णमिलाय कमलभेहशालूकजुकंद पद्मसारवातिन्हमोवंद मेदाइटसिटअरुगजकेसर द्राक्षमंजीठकं- डभारीदोधर मालतीपुष्पकमलकोकेसर दालचीनीलेताहीमोधर एलात्रिफलाचंदनमुस्थर पद्मकाष्ठ-

अरुलेतजपत्तर यहसभपलपलपायपकावै तनमोंमलैयथाबलपावै वातरक्तपित्तरक्ताविनाशै सकलविकार-वातकेनाशै अरुयहतैलपुष्टताकरै ऐसैंनिश्चयमनमोंधरै ॥ अथशतावरितैल ॥ चौपई ॥ शतावारिरस-पुनदुग्धजुतेल प्रस्थप्रस्थलेतीनोंमिल गोवरअग्निसंगसुपकावै कर्षकर्षयहऔषधपावै शतावरिअंसमती-यहजान पृष्टपार्णिपुनतामोंठान दोइबलाअरुएरणमूल सहचारिमूलपायसमतूल असगंधविल्वअरुभषडा-आन पञ्चक्काथकरपायपकान याहिक्काथमोंतैलपकावै चंदनबलाशिलाजितपावै मांसीतगरकुठअ रुएला अंशमतीतामोंकरमेला वृद्धजीवककाकोलीपाय उत्पलवरचमुलठमिलाय देवदारुशतपुष्पालेय-पि.समहीनकरनचूरणतेय यहचूरणतैलहिपायपकावै पीवैमलैनसवारादिवावै अंगपीडाशिरपीडाजाय दंडवातअपतानामिटाय नाशैवातरक्तअरुदाह शोथकामलानाशैताह गलग्रहपांडुयोनिकोशूल अवर-अफाराहोइनिरमूल वंध्याइस्त्रीजोयहपावै पुत्रसुपुत्रजनेसुखपावै ॥ दोहा ॥ वातचिकित्सायह-कही वंगसेनअनुसार समुझनैद्ययाकोंकरैमिटहैवातविकार ॥ इतिसमस्तवातविकारचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसभहीकरोंवषांन करौचिकित्सासमझकरतातेंहोयनहांन ॥ अथपथ्यम् ॥ ॥ चौपई ॥ वुटणामर्दनतैलपछान स्वेदकरावैअरुघृतपान अग्निकर्मअरुबंधनजानो भूमिशयनपुन, पथ्यपछानो आतपअरुजलतप्तस्नान वसामिंझघृततैलप्रमान सठीचावलकनकलहीजै रसकुलत्थति लपथ्यकहीजै वरषएककेजीरणमाष चणेमुंगमोठपथभाष मद्यअश्वउष्ट्रखरमास श्यामममहिषमासपथ, तास बत्तकहंसमुरगाबीजानो बगलामूषिकपथ्यपछानो भेडमांसगुहनकुलकहीजै सेहचिडामछील; षलीजै वनकुंकटअरुतीतरमोर पक्कतालफलजानपटोल हिरनोलीकोतैलसुजानो अंबउष्णजलनीके' मानो लुस्सणअरुतांबूलभनीजै महूफालसेपथ्यकहीजै पक्कडूनीअवरअनार सुंठद्राक्षभषडेउरधार जंभीरीजुवकायणजानो दुग्धअवरगोमूत्रपछानो सनिग्धउष्णभोजनकरवावै सनिग्धउष्णतनलेपल. गावै आमस्थानवातजोजावै तिसरोगीकोंवमनकरावै अन्नपाकअस्थानजुवात करैप्रवेशदुःखहोइगात रैचनपथ्यतासकोकह्यो जैसैंवैद्यग्रंथमतलह्यो जोहाडोंमोंवातप्रकाशै गुग्गुलुपथ्यतासकोभासे त्वाचा, मांसरुधिरशिरजाय रुधिरमोक्षतिसपथ्यकहाय उदरअफारपवनकरहेजब लंघनकरवावैंव्याधीतब अत तीक्षणवस्तूंभुगतावै वातपथ्यनसवारकहावै ॥ दोहा ॥ पथ्यनिरूपणयहकियेवातविकारमंझार सुनोचि त्तमनलायकैकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रवेगकोधारन जाग्रणचिंताकीनउचा; रन केऊमटरसवांकपछानो कंगुणीसणकेबीजवषानो इत्यादिकवातलजोअन्न सभीअपथ्यजानमन मन्न वमनअवरश्रमभेहजुकहै वालतालफलरुंबललहै शालूककंदशीतलजलगनेऊ रुधिरमोक्षमाप्यो. पुनभनेऊ अवरकरेलेमैथनभाष्यो अन्नाविरुद्धअपथ्यमुआप्यो घर्षणदशनतीक्षणकटुरसजो अभ्व. अवरगजपरचढनासो ॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसभहीकहेसुनाय जैसेंभाषेशास्त्रमोंतैसोदियेलषाय ॥ इतिवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ वातरोगवरनाकियोप्रथमनिदांनसुनाय पुनहिचिकित्साभाषकें पथ्यापथ्यलषाय ॥ इतिवातरोगसमाप्तम् ॥ शुभंभूयात् ॥

॥ अथवातरोगेअस्थादिपीडाकर्मविपाकवर्णनम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपै ॥ अस्थीपीडाअंगनजेऊ वरनोंलषोंअंगतुमतेऊ स्फोटिनशिरगुरुताअरुपित्त शूलदेहमोजोहोइनित्त उदरपीडमुखपीडाजान उरपीडाकटपीडपछान जंघजानुपगपीडाजोय

करैआरोग्यहोइनहिसोय कारणपापतिसकरौंवषान सुनलीजेंसोपुरुषसुजान तिलकौधेनुअजालेदान लोह· चर्मजोलेयआजान शिलाउभयमुखिगौजोलेय हाथीअश्वलवणतिलजेय इत्यादिकदानजुकहेनिषिद्ध अव· रजुसकलेलोकप्रसिद्ध इत्यादिकजोलेवेदान तिसरुजहोंहिकरीजुवषान अरुजोब्रह्मअंशकोंहरै त्यागश· रणआयेकोकरै अरुवेदशास्त्रकीनिदाधरै इत्याकदिजोकर्मविचारै शृंगीदंतीनाखियनसंग इन्हसोंजासदेह- होइभंग इन्हहूकरभीरोगजुहोय प्रगटलषैजिन्हकोंसभकोय इन्हकोसुनोउपायसुनाऊ कालपुरुषकोदानव- ताऊ ताकीविधियोंकहोंसुनाय कर्मविपाकग्रंथज्योंगाय.

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ लोहसारमयपुरुषघडावै डेढहाथपरिमाणधरावै दोयभुजाताकीबनवाय तीननेत्रतिसस्व- र्णलगाय कानेंस्वर्णभूषणपाहिरावै स्वर्णमुकुटशिरपरधरवावै रूपेकेवाहुभूषणकरै लोहेकेहाथीपरधरै लोहेही कोदंडकरीजै कालपुरुषकेहाथमुदीजै ग्रामहुंकीदक्षिणदिशिमांन इकमंडपकरवायसुजांन तामंडपपरध्वज लगावावै कालपुरुषतिसमध्यविठावै माषमुंगगोधूमकुलत्थ स्वांककंगुणीमसुरइकठ चणेसरोंतिलकठेकरै कालपुरुषतिन्हिऊपरधरै विधिसोंपूजैभलेंबनाय स्नानगंधपुष्पादिचढाय धूपदीपनैवेद्यचढावै कुंभनपरदि- गपालपुजावे सभहींदिशमेंकलशधराय दिगपालनकीमूर्तविठाय ब्रह्मादिककीपूजाकरै कालपुरुषन्या- ईलषपरै पुनविधिसेतीहवनकरावै मनसोंश्रद्धाप्रीतलगावै सभकोंकरसंकल्पविधान विप्रहिंकोंदेवै- सोदान उन्हरोगनसोंमुकलहेय जोप्रथमोंहिकहिदीनेतेय ॥ दोहा ॥ अस्थीपीडाआदिकोकारणकह्यो उपाय वातजरक्तवषानहोंसोसुनलेचितलाय ॥ इतिवातरोगअस्थिपीडादोषकारणउपायसमात्तम्, ॥

॥ अथवातरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ कर्कटराशीकेविषेसूर्य्यपडेबलवान तिसपरदृष्टीवुद्धकीसंपूरणहितजान वातपित्तअरुक- फअधिकताहिपुरुषकोहोय तस्करक्रियासोंचित्तधरइहऔगुणतिहजोय दिनकरकीपूजाकरैविधाविधान- संयुक्त होममंत्रकरजपकरैवातरोगहोइमुक्त इतिवातरोगज्योतिषसमात्तम्,

॥ अथसर्वौषधिउत्पाटनमंत्र ॥

ॐनारायणायस्वाहा उत्तराभिमुखः स्थित्वाखदिरकीलेनखन्यते शतावरीऔषधी चसर्वांसांसाधयस्वाहा- ॐकुमारिजिवनीयेस्वाहा ॥ इतिसर्वौषधीउत्पाटनमंत्रः ॥

॥ अथवातरक्तरोगनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातजरक्तनिदानकोंवरनोंभलीप्रकार जैसेंग्रंथनिदानमोंप्रगटकीनउचार ॥

॥ अथवातरक्तकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोअतिलवणअमलअतिक्षार अतिस्निग्धअतिउष्णअहार वहुदिनकोवासीअति मास अतिजलजीवनमासगिरास अतितिलषलअतिमूलीषावै अतिकुलत्थअतिमाषजुपावै षायद- हीअतिअविजुरवांहि अतिहीइक्षुशाकअतिषांहि आरनालआशवअतिषावै शाकमुह्रांज- णसाथअघावै वकअवरअतिमदरापान अरुविरुद्धभोजनतेंमान इन्हसमस्तभोजनतेंजानो अवरअ

जीरणतैंभीमानो दिवास्वप्नअतिक्रोधजुधरै अरुआतिजाग्रणजोनरकरै अतिस्थूलतनसुखियाजोय अति कोमलतनजाकोहोय अतिहयऊष्टहस्तिपरचढै अन्नादिविदाहीभोजनकरै पगकरगमनकरेबहुजोय- वातरक्तपादनमोंहोय मिथ्याहारविहारीजोऊ वातरक्तकोपअतिहोऊ एतेकारणयाकेजान प्रगटकरें- योंग्रंथनिदान इन्हकारणतैंरक्तसंपूरण दग्धहोयहोइजावेचूरण तवहीवातयुक्तहोइजावे वातरक्तसो- नामकहावे स्वहेतकुपितरक्तहोएजवै वायूमार्गकोंरोकिततवै मार्गरोधकरकुपितयोवाय दुष्टरक्तमिल वृद्धिकराय ॥

॥ अथवातरक्तपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमस्वेदबहुतनमोंआवै देहरंगलालहोइजावै करडीवस्तुसपर्शनभावै होइसप- र्शतौपीडाथावै किसहूकरतनमोंक्षतजोय तातेंअधिकपीडतनहोय संधसिथलआलसानिद्राऊ पीडा- सहितपिटकाप्रगटाऊ जानुजंघपुक्ककटिजोय मुंहडेहस्तपादसंधिहोय इन्हमोंपीडाहोतीरहै अंगफुरें तनभारीलहै कंडूतनविवर्णतालहिये मंडलचक्रइववणजुलपैये दाहअवरतनपिटिकाहोय अथवासुप्तरहे ननसोय वातरक्तयहपूर्वलक्षण जानलंहोहेपुरुषविचक्षण

॥ अथअधिकवातलक्षण ॥

चौपै जोइसरोगअधिकहोइवात शूलशोथअंगदुखविख्यात अंगस्फुर्णारौक्षताहोय वर्णकृष्णहोइजावैसोय नाडिअंगुलीसिमटीरहै अंगग्रहअतिपीडाऽहैं शीतसाथवैरसोऊराषे निद्राहोइयोंलक्षणभाषै

॥ अथरक्ताधिक्यलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जोइसरोगरक्तअधिकावै ताम्रवर्णतनशोथलषावै देहतुचाचिमचिमसीभासै अतिकं- डूतनपाकप्रकाशै कंडूसंगकलेदजवहोय स्निग्धरूक्षकरसमनहिसोय ॥

॥ अथवातरक्तस्वरूप ॥

॥ चौपई ॥ शरीरमाहिरक्तजलजाय दुष्टहोयजुगपदप्रगटाय कठकरतइकअंगकेमाहि पैरनमें- सूजनपडजाहि हथेलीयोंमेंफुनसीसीपडें पाछेसबशरीरमोचढे वातरक्तइहचिन्हविचार भावप्रकाश- मतकियोउचार ॥

॥ अथवातरक्तरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सावातजरक्तकीवंगसेनअनुसार सोसुनियेअरुसमुझियेपुनकीजिउपचार ॥ अथलेपनं ॥ चौपै ॥ रहसणजीरामधुकगिलोय सर्षपसहितवलालेदोय मधुघृतदुग्धमिलायालेपावै वातरक्त- तनतेंमिटजावै ॥ अथक्वाथः ॥ चौपै ॥ वासाअरुगिलोयसमआन अम्लतासपुनकरोमिलान विधिवत- ताकाकरेविधान क्वाथवनावैपुरुषसुजान एरणतैलपायसोपीवै वातरक्तनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ त्रिवी- विदारीतालमषान वातरक्तहरक्वाथपछान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गिलोयक्वाथअरुशतजुगिलोय रसगि- लोयजानोतुमसोय यहअभ्यासपानजोकरै चिरकोवातरक्तपरिहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ धनियांनागर- अवरगिलोय यहसमचूरणपावैसोय वातरक्तकुष्टमिटजावै आमवातनाशैसुखपावै क्वाथः गडुचीकीजै-

केवलकाथ पीवेताकोंगुग्गुलसाथ नाशैवातरक्तकोहोय निश्चयमनमोंश्रानोसोय ॥ श्रन्यच ॥ चौपै ॥ हरडपांचश्रथवात्रयजान पीसेगुडसोंकरैमिलान गिलोयकाथसोपीवैसोय नाशैवातरक्तकोहोय श्ररुजानूकीपीडाजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ श्रथगुटिका ॥ चौपै ॥ समलेगुग्गुलद्राक्षगिलोय पीसबिजोरारसजुसमोय श्ररुत्रिफलेकारसातिंहपावै गुटिकावेरप्रमांनवंधावै मधुमिलायकरपावैसोय नाशैवातरक्तकोहोय पादस्फोटरोगमिटजाय श्ररुसर्वांगस्फोटमिटाय ॥ श्रथमर्दन ॥ चौपै ॥ लवणप्रियंगूसम पीसावै महिषीमाषनमूत्रमिलावै श्ररुगोदुग्धमिलावैजास मर्दनकरैदेहमोतास वातरक्तरोगमिटजावै विदेहस्फोटरोगनरहावै.

॥ श्रथगिलोयश्रनुपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ जोगिलोयकोंघृतसोंपावै तौविकारवातकोजावै जोतिसपावैगुडकेसंग कोष्टबद्धकवजहोइभंग पितविकारमिसरीसोंनाशै मधुसोंकफविकारसुविनाशै एरंडतैलसाथजोषावै वातरक्तरोगमिटजावै सुंठीसोंजोषायगिलोय श्रामवातकोंहरहैसोय ॥ इतिगिलोयश्रनूपानः ॥ श्रथकाथ ॥ ॥ चौपई ॥ वासागोषुरपांचोमूल श्ररुगिलोयजानोंसमतूल काथकरैपुनएरणतैल काथवीचकोजैसोमेल सेंधाहिंगुसंयुक्तापिवाय वातरक्तकटपीडाजाय विष्टामूत्ररोधनरहावै श्रामवातकोरोगमिटावै ॥ श्रन्यच ॥ चौपई ॥ एरणवासावलागिलोय गोषुरुतालमषाणसमोय यहसमकाथकरैजोपीवै वातरक्तनाशतवथीवै श्ररुजानूकीपीडाजावै श्रंगस्फोटरोगनरहावै वर्धमानपिपलींकोंसेवे वागुडहरडसेवसु खलेवै ॥ श्रथकाथः ॥ चौपई ॥ तालमषाणसमपायगिलोय करैकाथदोनोकोजोय मघचूरणकेसाथपिलावै वातरक्तदूरहोइजावै ॥ श्रन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलावरचमंजीठगिलोय कौडनिंबश्ररुहलदीजोय यहसमकाथवनायपिवावै वातरक्तनववर्षमिटावै कुष्टरक्तमंडलहोइनाश पामाकुष्टरहैनाहितास श्रवरकपालककुष्टनसावै इंहप्रकारग्रंथगुणगावै

॥ श्रथपित्तश्रधिकवातरक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोवातरक्तमोंपित्तश्रधिकावै दाहमोहस्वेदउपजावै मूर्छामदात्रिष्णाहोइजोय सपर्शकिसूकासहैनसोय शोथपाकतनतप्तलपावै हवाडउष्णापितयुतयोंगावै.

॥ श्रथरक्तपित्तश्रधिकउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जानेजोमधवातविकार रक्तश्ररुपित्तश्रधिकसंचार घृतश्ररुक्षीरपानकरतास रेचनकरवावैलषजास ॥ श्रन्यच ॥ रक्ताधिकउपाय ॥ श्रधिकरक्तमधवातविकार ताकोयहकोजेउपचार घृतमधुपयजुमुलठउशीर इन्हसोंशेचकरावैधीर ॥ श्रन्यच ॥ शालमलीकोचूरणकरै भेडदुग्धसोंमर्दनधरै श्रधिकरक्तकोजायविकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ श्रन्यच ॥ सहस्रधौतघृतलेपजुकीजें श्रधिकरक्तविकारसुछीजें ॥ श्रन्यच ॥ जोश्रधिकरक्तसोंतनहोइलाल पीडादाहप्रगटहोइनाल प्रथमहिताकोरुधनिकास पुनसोऊलेमर्दियेतास रक्ताधिक्यशांतिहोइजावै ताकोश्रवरउपायसुनावै ॥ श्रन्यच ॥ प्रयालमुलठीतिलश्ररुभेह वैंतकूमलीसमयहलेह पीसदुग्धघृतताहिमिलाय लेपनलालीदाहमिटाय ॥ पित्ताधिकउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ जोइसरुजमोंपित्तश्राधिकाय तवताकोयहकरैउपाय द्राक्षकाश्मरीश्रमलतास चंदनमुलठी

मेलोजास क्षीरककोलीतामोगाव यहसमलेकरकाथबनाय मधुशरकरामिलायसुपीवै पित्तअधिकता-शांतिजुपीवै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाभीरुकोडगिलोय अरुपटोलतामध्यसमोय करैकाथशरकरमधुपावै गोवैपित्तअधिकताजावै.

॥ अथकफअधिकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोंकफअधिकहोययामाहीं जडतागुरुतातनमगटाहीं शीतस्निग्धनिद्रातनधरै मंदकंडूदेहोमोकरै.

॥ अथकफाधिक्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोइसमोकफअधिकलपावै तौताकोंमृदुवमनकरावै लेपनवहीउष्णकरलाय श्लेष्म-अधिकतुरतमिटजाय ॥ अन्यकफकोलेप ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्पषाकैरमहीन तैलगूत्रमदरायहतीन ताहिमिलायलेपजोकरै कफअधिकताताससोंटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुहांजणअरुवारणामंगावै सूक्षमकांजीसंगमिलावै तनपरलेपनकरहैसोय कफअाधिकताछिनमोंषोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअसगंधलेपनकरै कफआधिकताहींपरिहरै ॥ अन्यच ॥ हिंस्रासर्पपनिंवअर्कअरुयार तिलसम-लेपअधिककफटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धुहांहांवरचकुठजुशतावरि दोइहलदीपीसावैसमवरि उष्णतोयसोंलेपनकीजै आधिकताकफरुजकीछीजै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठीकोडगिलोयमुलठ यहसमचूरणकरोइकठ मधुगोमूत्रसगजुपिलाय वातरक्तकफअधिकहिजाय.

॥ अथद्वंद्वजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मंदकंडुपीडातिहजानो द्विदोषचिन्हतिहनरहिपछानो.

॥ अथत्रिदोषजवातरक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोयामोसभचिन्हलपाहीं वातरक्तत्रिदोषजगाहीं पादमूलकरमूलमंझार मूषिक-विषइवशनैसंचार वातरक्तइसकोपहिधरै तनमोंफैलकष्टवहुकरै ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पादआदिजानूपर्यंत फूटजांहिरसचलेतुरंत क्षयहोइवलअरुतनकामास सहित उपद्रदेहविनाश जोइसरुजहिंवर्षहोइजावै सोभिअसाध्यनिदानसुनावै ॥

॥ अथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ शिरग्रहमूर्छानिद्रानश ज्वरत्रिष्णामदश्वासजुकास दाहअरुचाहिकाभ्रमजान अंगुलिनकंपवक्रतामान होवैस्फुटततनमंझार कंपउपद्रवकोनउचार मांसगलितवहुपीडाजानो मोहमर्भग्रहअर्बुदमानो भ्रमविसर्पअरपिंगुलहोय यउपद्रवएतेजानोसोय सहितउपद्रवअहैअसाध्य विनाउपद्रवहोइसोसाध्य एकदोषयुतहोवैसाध्य वहुतदोषयुतलषोअसाध्य होइनवीनसोसाध्यकहावै बहुदिनकोसुअसाध्यलपावै ॥ दोहा ॥ वातरक्तावरननकियोलषनिदानमतजोय साध्यचिकित्साजो करैताकोंविघ्ननकोय ॥ इतिवातरक्तनिदानम् ॥

॥ अथसन्निपातयुक्तावातरक्ताउपायकाथः ॥

॥ चौपई ॥ हलदआमलेमुथूसमआनै मंदअग्निसोंक्राथसुठानै मधुमिलायकरपीवेसोय वातरक्ता-सन्निपातहिंपोय ॥

॥ अथवलाघृतवातरक्तकों ॥

॥ चौपई ॥ वलाअतिवलामेदाजान आतमगुप्तारहसणठान काकोलीपुनक्षीरकाकोली द्राक्ष-शतावरिसमतिहघोली सभयहपीसिचूरणकरै चारगुणातामोंघृतधरै घृतसोंदुग्धचतुर्गुणपावै अग्निप-कायपथावलपावै वातरक्तहृदरोगनिवारै पांडुदाहकामलाविडारै ॥ अथशतावरीघृत ॥ चौपई ॥ लेयशतावरिचूरणकरै समशतावरीरसमोंधरै चतुरगुणघृतअरुदुग्धमिलावै वलअनुसारपकायसुखावै वातरक्तरुजहोइहिनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश अथसमशर्करगुग्गुलः त्रिफला त्रिकुटाचित्रजवानी दोजी-रकहलदविडंग पछानी कर्षकर्षइनकोपरिमान पीसमहीनवस्त्रकरिछान पांचोपलतिहगुगुलपावै शर्क-रापांचजुपलाहिमिलावै तप्तजुघृततिससाथरलाय उठपरभातयथावलखाय वातरक्तकोदूरानिकारै उदरकेरोगभगंदरटारै प्लीहयकृताविषमज्वरजाय चित्रककुष्ठसभीव्रणघाय चित्तविभ्रममदरोगजुनास गृध्रसीवातमंदाग्निविनास गुदजरोगअरकोष्टजरोग इनरोगनकोकरेवियोग एतेरोगकरेनितघात जैसेंपर्वतवज्रकोपात ॥ अथगुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ गुडूचीकाथगुडूचीचूरण चतुर्गुणघृतअरुप-यकरपूरण मंदअग्निसोंताहिपकाय पावेवातरक्तामिटजाय अवरहुंकुष्ठरोगयहनाशे मलनकांतिहरद्युति-परकाशे ॥ अन्यच ॥ गुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ लेगिलोयशतपलपरिमान द्रोणपायजलकरो-पकान रहैपादशेषसोंजवै छनायप्रस्थघृतपावैतवै चूरणगिलोयअष्टपलपाय चारप्रस्थतिहदुग्धमिलाय मंदअग्निधरताहिपकावै व्याधीताहियथावलपावै वातरक्तकुष्टहोयनाश पांडुकामलालिफाविनाश कासश्वासज्वरकोजहहरै निश्चयअपनेमनमोंधरै ॥ अन्यच ॥ गुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ गिलोयमुलठद्राक्षअरु त्रिफला वासाअमलतासपुनवला कौंडभपडेमघसुरदार काश्मरीएरणवहडार दालहलदसूंठीपुनठान रहसणलीजैतालमपान यहचूरणकरपलपलपावै प्रस्थआमलेरसजुमिलावै तिनप्रस्थजलतामोपाय प्रस्थएकघृतपायपकाय वलअनुसारताहिकोपावै वातरक्तशिरपीडाजावै गंभीरवात उत्तानजुवात त्रिकुलजं-घकीपीडाजात पीडाजानुउरूकीनास उदरपीडपुनहोयविनाश आमवातदाहनाहिंरहै मूत्रकृच्छ्रपरमेह-सुदहै विम्मतापपथतैंमिटजावै वलवीरजआयुस्वावधावै यहजुगुडूचीघृतपहिचान कुमार अश्विनीकी-नवपान ॥ अथमहागुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ इकशतपलगिलोयजोआन एकद्रोणजलपायपकान जवैपादइकशेषरहावै एकप्रस्थघृततामोपावै दुग्धपायतिहप्रस्थजुचार पुनपलपलयहचूरणडार काकोलीअरुक्षीरककोली जीवकरिपवशतावरिघोली नीलोत्पलअसगंधमुलठ शालपरणीकौडइकठ रिद्धवृद्धरहसणअरुवासा गिलोयप्रियंगूपावैतासा मेधाभपडेवालापावै चूरणकरतिससाथमिलावै दोइकं-डयारीपीसरलाय सभमिलायमृदुअग्निपकाय पावैअरुतनमर्दनकरै वातरक्तशोथयहहरै पंजऊरूस्तं-भमिटावै रक्तपित्तअरुरुजनसावै वातगृध्रसीकंटकवात एतेरोगजुभागेजात अश्विन्वत्वरकीनवपान तिन्हकेवचनसत्यकरमान ॥ अथअमृतातैल ॥ चौपई ॥ गिलोयमुलठीएरणमूल रहसणइद्रसि-ढपांचोमूल जीवन्यादिअष्टवर्गजो चूर्णकीजैशतपलपलसो वलापांचशतपलपाहिचान एतायाकोजान-

प्रमान वेरविल्वसमापकुलत्थ यहआढिकआढिकलहुतत्थ काश्मरीइकद्रोणअनावे शतजुद्रोणजलपायप-
कावै रहैतोयद्रोणजवचार द्रोणतैलतामोपुनडार पांचद्रोणदुग्धनहपावै पुनयहऔषदषीसमिलावै
चंदनगजकेसरअरुकेसर कुठउशीरतालीसपत्रधर एलाअगरतगरजुमुलठ पुनमंजिष्टाकरोइकठ
तीनतीनपलपायपकावै पावैमलैवातरुजजावै रक्तवातकंपसर्वांग योनिदोषकंपएकांग शस्त्रघाउकर-
क्षीणजुहोय वीर्यक्षीणकरक्षीणजुसोय उन्मादविष्मज्वरअरुअपस्मार नाशैयहनिश्चयमनधार पुंसवनअमृत
तैलकोनाम सुखदायकजानोअभिराम अर्थपिंडितैल सारिवारालमुलठामिलाय मंजीठजुसिल्पातासरलाय
तैलसिद्धताकेसंगकीजै उठप्रभातसोदेहमलीजै वातरक्ततातैंमिटजाय वंगसेनमतादियोवताय ॥ अथशरपु
प्यातैल ॥शरपुष्पाकोकाथवनावै तैलसिद्धतासंगकरावै वामुलठकाथकेसंग तैलसिद्धकीजेनिर्भंग
अथवाकुडकाथकेसाय तैलसिद्धकीजेसुनगाथ तासतैलकोमर्दनकीजे वातरक्तकोरोगसुछीजे
अथदशपाकवलातैल ॥ चौपइ ॥ वलाचूर्णअरुवलाजुकाथ इन्हसमतैलकरैइकसाथ दुग्धचतुर्गुणपायपकावै
इसहीविधिदशपाककरावै वलअनुसारानित्यजोपाय वातरक्तवातपितजाय याहीतैंपुंसवनजोहोय वीर्यवधा
वैजानोसोय ॥ अथपुनर्नवागुगुल ॥ चौपई ॥ शतपललेपुनर्नवामूल शतपलहीएरणकोमूल षोडशपलसुं
ठीपरिमान गुगुलपलजुअष्टतिहठान घटप्रमाणजलपायपकावै अष्टमभागरहोलपपावै कुडवजु
एरंडतैलमिलाय, चूरणत्रिवीपांचपलपाय निकुंभकाचूर्णइकपलले य गुडूचीचूर्णदोइपलदेय सुंठमर्चा-
मरचांपहतीन पलपलपावैपुरुषप्रवीन चित्रासैंधवविडंगाभिलावै कर्षकर्षयचूरणपावै स्वर्णमषीइकक
र्षपरिमान पलपुनर्नवाचूर्णठान सभमिलायमंदाग्निपकावै चारटांकयाकोनितखावै वातरक्तगृध्रसीमिटाय
वातविकारनष्टकरवाय जंघाउरूतुकुलकपीर पृष्टपीडनासैसुनवीर आमवातकोहोइहैनाश वंगसेनयोंकी-
नप्रकाश ॥ अथअमृतागुगुल ॥ चौपई ॥ तीनप्रस्थअमृताजुमंगावै गुगुलप्रस्थएकातिहपावै एक-
प्रस्थत्रिफलातिहठान अरुपुनर्नवाप्रस्थप्रमान सभयहकूटइकठेकरै मणप्रमाणतोयमोभरै मंदअग्निसो
पक्कसुकीजे पादरहैतवहीतिसलीजैं दंतीचित्रामघागिलोय त्रिफलासुंठीतजसमोय वायविडंगपुनता-
मोठान अर्धअर्धपलजानप्रमान कर्षप्रमाणत्रिवीसंगदीजैं मृदुलअग्निसोंसिद्धकरीजैं ताहियथाबलनि-
त्युजुपाय वातरक्तकुष्टमिटजाय गूदारोगअर्शादिविकार मंदअग्निपरमेहविडार आमवातकुष्टव्रणनाशैं
भगंदरनाडीवातविनाशैं शोथसमस्तवातनरहावै ग्रंथकारमताहिवतावै ॥ अथसूर्यप्रभागूटिका ॥ चौपई
चित्राग्निफलानिंवपटोल वराहमुलठीकेसरघोल अमलवेतजीवंतीपाय एलाकौंचवीजत्रिकुटाय
मुस्थरपरपटकौडाभिडंगी दंतीअजवायणवरचंगी नीलोत्पलजोपद्मकचूर औषधयहपलपलकरपूर
पद्मकाष्ठरहसणसुरदारु गिलोयजवाहाजीराडारु त्रिवीविडंगलताअसगंध तालीसपत्रघनियांसं-
वंध लवणतीनअजमोदाठान कारवीस्वर्णमषीपहिचान जायफलदाडिमदोनोक्यार कंकोलवं-
शलोचनपुनडार उशीरआमलेपिपलामूल यहसभलेपलपलसमतूल दोइपलगुगुलपीसामि-
लाय पलजुअष्टकोगडतिहपाय मिसरीप्रस्थकुडवघृतपावै लोहचूर्णपलअष्टमिलावै अर्धप्र-
स्थमधुसायमिलाय सनिग्धपात्रमोंताहिधराय तलीप्रमाणगुटकाकरपावै वातव्याधसभहीमिटजावै-
ऊरूस्तंभअर्दितजोवाय गृध्रसिविद्रधिश्लीपदजाय हलीमकपांडूगुल्मअपस्मार आंत्रवृद्धसर्इ
कौंजोटार उदरशूलउन्मादविडारै अर्शभगंदरकंपनिवारै पार्श्वशूलअरुचयहनाशे उरक्षत-
हृदयशूलसुविनाशे अरुज्वरविष्मप्रमेहनरहै रक्तपित्तअपचीकोदहै महाक्षईनशूरकोनाश शोथकास-

लाहोयविनाश वातपित्तकफअरुसनपात इन्हकेरोगजांहिविख्यात भोजनवहुप्रकारकोकरै भुक्तऔ-षधीपथ्यनधरै वर्षतीनशतजीवेसोय मेधाअग्निवृद्धअतिहोय इंद्रनमोंवलवीर्यवधावै तीक्षणदृष्टिनेत्रप्रग-टावै वंध्यापायपुत्रउपजात होइनिरोगनरनारिजुषात ज्योंसूरजअंधकारविनाशै त्योंरोगअंधकारसुवि-नाशैं सूर्यतुल्ययाकेगुणजान सूर्यप्रभाइंइनामपछान ॥ अथकैशोरकगुगुल ॥ चौपई ॥ गुगुलमहिष-लोचनकीन्याय प्रस्थप्रमाणआनपीसाय त्रिफलापावैप्रस्थप्रमान गुडूचीपलवत्तीसपछान एकद्रोणज-लपायपकावै अर्धरहैतवछाणधरावै लोहपात्रमोंताकोंधरै त्रिफलाचूर्णअर्धपलकरै दोदोकर्षपावै-त्रिकुठाय विडंगअर्धपलताहिमिलाय दंतीत्रिवीकर्षजोकर्ष गुडूचीइकपलपायसहर्ष मंदआग्निधरासि-द्धकरावै मधुमेलेसुयथावलपावै स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय गोकाघृततिससाथमिलाय अनुपांनजुताकेक-रोंवषान दुग्धयूपसुगंधजलमान वातरक्तनाशेएकांग जानुवातजावैसर्वांग नाशशोषकुष्टअरुकास शो-थगुल्मव्रणपांडुविनाश मंदअग्निपरमेहविडारै कवजकोष्टवंधयहटारै जरानिवारियुवाप्रकाशैं किशोरा-वस्थाताकीभासै ॥ अर्थसिंहनादगुगुल ॥ चौपई ॥ त्रैपलत्रिफलाचूरणलीजैं त्रैपलगुगुलतामोंकीजैं कुडवएकएरणकोतेल लोहकडाहीमोसभमेल मंदअग्निसोंलिहुपकाय नित्ययथावलताकोंषाय वातपि-त्तकफरोगनिवारै वातषंजुपंगूयहटारै कुष्टवातरक्तहोइनाश नाशैगुल्मकासअरुश्वास आमवातशूल-नाहिंरहै इत्यादिकसभरोगहिंदहै मासएकपरयंतजुषावै युवाहोयनरजरामिटावै सिंहनादमृगभागेंजै-सें दर्परोगसभनाशैतैसें ॥ अथचंद्रप्रभागुटका ॥ चौपई ॥ चित्राचवकअवरत्रिफलाय सुरदारुविडं-गअवरत्रिकुटाय मुथ्रकिरायतापिपलामूर वरेयासोनमषीजुकचूर पांचलवणअरुदोनोक्षार वलातुंव-रुदोइहलदीडार गजपिप्पलअरुजानपतीस यहसभकर्पकर्षलेपीस दशपलशुद्धगुगुलतिहठान शि-लाजीतअष्टपलमान दोइपलपावैलोहाचूरण पलजुचारमिसरीकरपूरण कुंभनिकुंभत्रिसुगंधीगावै इकइकपलयहऔषदपावै सभमिलायकरगुटकालीजै नित्ययथावलभक्षणकीजे नाशैंअर्शजुषटपर-कार भगंदरपांडूकामलाटार वातपित्तकफरोगनथूर क्षईमंदअग्निहोइचूर गृध्रसिराजयक्ष्मपरमेह प्रदर-वीर्यक्षयपथरीपिह अष्टप्रकारवीर्यकोदोप वीसप्रकारप्रमैहैंशोष अनूपानइंहकरोंवषान तिंहकेसंगकी-जियेपांन तक्रजुअथवाछान्योदही वारसमांसछागकोसही वारसवनपक्षिनकोमास शीतलजलवाप-यलषतास प्रथमहिंशिवशसिपूजाकरै पाछैंतैऔषदअनुसरै जोजाकीइछ्यासोइषावै यासोपथ्यपअ-पथनरपावै जराअवस्थानाशैतास युवाआयुतनकैरप्रकाश ॥ अथशिवगुटका ॥ चौपई ॥ षोडशपल-जुशिलाजितजान त्रिफलारससोंपुरुषप्रधान तीनदिनालौंपरलकरीजे पुनसुकायकरताकोंलजिं पुनद-शमूलगिलोयपटोल गूत्रमुलठरसलेसमतोल इकइकरसकोपुटदेतीन परलहिंमध्यसुकायप्रवीन पुन-इकदिनादुग्धकोंपाय परलकरैपुनलेयसुकाय सूकोपरलकरैदिनसात पुनयहऔषदकरैमिलान काको-लिविदारिशालवरिमेद द्राक्षवृद्धरिद्धिमहामेद वीरारिषवजीवंतीआनै मुंडीअंशमतीसंगठानै दंतीरह-सणचित्रापावै चवककलिंगपाठापुनथावै ककडशृंगीपुष्करमूल कौडगजकणालेसमतूल अरुमुत्थ-रलेतासमिलाय पलपलसभकोमानधराय तालीसपत्रकुडवतिहपावै नागकेसरतजपत्रमिलावै पीसमि-लावैसभतिससाथ पायद्रोणजलकीजैंक्वाथ पादशेषजवरहेछनाय षोडशपलशिलाजीतरलाय परलकरै-पुनऔषदएह पीसमिलावैतामोतिह ल्यावैसुंठीपलजोदोय धात्रीफलमघमरचसमोय ककडशृंगीएला-जान वंशलोचनदालचीनीठान विदारिभिलपलपीसरलावै घृततैलमधुशरकरामिलावै टांकचारगुटका-

बंधवाय शुद्धपात्रमोलियधराय जातिपुष्पकीधूणीदेय ताहिकुंभघरबावैतेय रसत्रनारसोंगुटकापावै अथ-वादुग्धसाथपीवावै अथवामदरासोंकरपान वाशीतलजलसोंअचवान इन्हअनुपाननसोंनितषावै वर्ष-प्रयंतमिरजादरषावै जराअवस्थाहोवैनाश युवाअवस्थाकैरप्रकाश वातरक्तबहुवर्षनजावै राजयक्ष्मज्वर-तुरतमिटावै योनिदोषअरुवीरजदोष लिफअर्शपांडुहोइशोष हृदयरोगपीनसनरहावै ग्रहणीगुल्म-कासमिटजावै हिडकीश्वासअरुचजड़ताय उदररोगकुष्टमिटजाय शोषनपुंसकताउन्माद अपस्मा-रहोवैवरवाद शिरमुखनेत्ररोगहोइनाश प्रमेहप्रदरकामलाविनाश भगंदररक्तपित्तयहनाशैं अतिकृशता-तनकीसुविनाशैं अतिस्थूलतातनकीजावै प्रस्वेदरोगकोंदूरनसावै दंष्ट्रविषगरविषनरहात मद्यवलल-क्षीकांतउपजात नृपवल्लभनरहोवैसोय वादविवादहिंजयतिसहोय मेधास्मृतयहहोवैजास बलइंद्रय-शरीरदृढभास वर्षप्रयंतभक्षणइंहगहै वरपचारशतजीवतरहै सर्वरोगयहकरैविनाश परमरसायणजा-नोतास श्रीशिवजीगणपतिसोंअष्यो लोकहितारथहितसोंभाष्यो ॥ दोहरा ॥ कहीचिकित्सावातरक्त-कीवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकेकीजैपुनउपचार ॥ इतिवातरक्तचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथवातरक्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरक्तकेपथअपथसुनहोपुरषसुजान जैसेंभाषेग्रंथमोतैसेंकरोंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ वातरक्तरुजदोइपरकार तिन्हकोविवरोंकरोंउचार एकवातउत्तानकहावै दूजेकोंगंभीरलषावै तुचामा-सआश्रयजोरहै नामउत्तानताहिकोकहै जोआंद्रोकेआश्रयहोय नामगंभीराकहियेसोय बुटनासिंघनबंध-नलेपान उत्तानविषेंएतेपथमान गंभीरविषेघृतपानपछानो पुनरेचनएतेपथजानो दोनोंमेंजोपथ्यक-हावें तिन्हसभहनकोंगायसुनावै रुधमोक्षजलौकनजोय अथवानाडिवेधकरैसोय महिषीदुग्धतनमर्द-नजान घृतसतधौतपथ्यपरिमान भेडमहिषबकरीकोक्षीर करैपानसुखहोयशरीर चणकमोठमुंगसठी-गेहुं सांउकयवकोटापथतेहु तोतातीतरलवावटेर कोकिलकुर्कुटकोलषहेर चिडाकबूतरएतेमास जानोपथ्यकीनपरकाश वैतकूमलीवायूकहिये कायांकोठीशाकलहैये शाकचुलाईपटोलजुलहै अवर करेलेपथ्यसुकहै वृद्धकूष्मांडघृतभाष्यो अरुनवनीतपथ्यसुनआष्यो अमलतासधतूराजान एरणतैलद्राक्षपुन-मान श्वेतसर्षपाचंदनस्वेत रक्तचंदनलपहोयिहभेत अरुकस्तूरीअगरकहावै देवदारुपुनपथ्यलषावै चोडतैल-टाल्हीलषपैये तीक्षणवस्तूंपानकरैये दोहा वातरक्तरुजकेसभीकीन्हेपथ्यवषान अवजाकेजेतेअपथसोतुमसु-नोसुजान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दिनकासोनाअरुसंताप अरुव्यायामअपथ्यसुथाप आतपवैठण-चलनोजान मैथुनमाषकुलत्थपछान केउंअवररवांहिसुनीजै षारिवस्तुतनसिंचनकीजै अंडजअरुज-लजीवनमास गन्नेगुडदधिमद्यप्रकाश मूलीकांजिअमलपुनजेते उश्नगुरूकटुलवणसुतेते ॥ दोहा ॥ वातरक्तकेपथअपथसभहीकहेसुनाय त्यागअपथसेवैजुपथताकोंविघननकाय ॥ इतिपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ ॥ दोहरा ॥ वातरक्तवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान मध्यचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्री-वातरक्तरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥ शुभंहरिओं ॥ ॥

॥ अथवातरक्तरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनयज्ञअदक्षिणकरै रत्नादिदानअदक्षिणअनुसरै संचयधनअधर्मकरैजोय आमुवातरोगतिसहोय तासनिवारणकहौंउपाय सोसुननिजमनमांहिवसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ एकोपलस्वर्णहरणवनावै वापलचाररजतवनवावै बादशपलताम्रकोकरै स्वर्णनेत्ररूपेपुरधरै शुक्लवसनऊपरओढाय आढिकतंडुलपरवैठाय बाहनवायुसोऊतिसजज्जै पवनमंत्रकरहवनाहिसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेय आमदोषतैंमुक्तलहेय ॥ दोहा ॥ आमवातकेदोषकोकारणकह्योउपाय अतिस्थूलतनदोषकोंभाष्योसभहिंसुनाय ॥ इतिवातरक्तरोगदोपकारणउपायसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवातरोगाऽधिकारकथनंनामद्वात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३२ ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥

॥ द्वितीयभाग ॥

॥ इसद्वितीयभागमें ॥ रक्तपित्तअधिकारसेंलेकरअर्कविधीप्रयंतचिकित्साछपीहै इससेंप्रथमसारीरकसेंआदलेकर वातरोगाऽधिकारप्रयंतचिकित्सा प्रथमभागमेंछ. पीहै जिसाकिसीकोश्रीरणवीरप्रकासकाप्रथमभागलेनेकीइछाहोवेसोजंबूराजधानी-मेंविद्याविलासनामकमुद्रायंत्रालयसेंमोललेलेवे ॥ १ ॥ ६ ॥ १ ० ॥